शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 184 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 2 फरवरी, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

एक करोड़ परिवार को 300 यूनिट तक नि:शुल्क बिजली होगी उपलब्ध पेज 2
दो दिवसीय दौरे पर 17 को त्रिपुरा पहुंचेंगे अमित शाह और जेपी नड्डा पेज 3
देश में नफरत फैला रहे हैं कट्टरपंथी पेज 5
खेल मंत्री ने खेलो इंडिया यूथ गेम्स के विजेताओं को दी ट्रॉफियां... पेज 7

अंतरिम बजट में महिलाओं किसानों के लिए बहुत कुछ

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को लोकसभा में वित्त वर्ष 2024-25 का अंतरिम केंद्रीय बजट पेश किया। वित्त मंत्री ने अंतरिम बजट में महिलाओं और किसानों के लिए कई एलान किए हैं, लेकिन करदाताओं को अभी कोई राहत नहीं दी है। वित्त मंत्री ने परंपरा को निभाते हुए अंतरिम बजट में टैक्स दरों को अपरिवर्तित रखा है। तीन लाख रुपए तक की आय ही टैक्स फ्री है। सीतारमण का यह छठा और मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का अंतिम बजट है। सीतारमण ने अपने 58 मिनट लंबे बजट भाषण में कहा कि राजकोषीय घाटा 5.1 फीसदी रहने का अनुमान है। 44.90 लाख करोड़ रुपए का खर्च है और 30 लाख करोड़ रुपए का राजस्व आने का अनुमान है। अंतरिम बजट में वित्त वर्ष 2024-25 में देश के बुनियादी ढांचे के लिए पूंजीगत व्यय को 11 फीसदी बढ़ाकर 11.11 लाख करोड़ रुपए यानी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 3.4 फीसदी करने का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि पिछले चार वर्षों में पूंजीगत व्यय तीन गुना होने से आर्थिक वृद्धि और रोजगार सृजन पर कई गुना प्रभाव पड़ा है। वित्त मंत्री ने कहा कि जुलाई में पूर्ण बजट में हमारी सरकार विकसित भारत के लक्ष्य का विस्तृत रोडमैप प्रस्तुत करेगी। इससे पहले वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण की शुरुआत में कहा कि हमारी सरकार ने सबका साथ-सबका विकास की धारणा को मजबूत किया है। दस साल में आयकर संग्रह तीन गुना बढ़ गया है। सरकार वित्त वर्ष 2024-25 में दिनांकित प्रतिभूतियां जारी कर बाजार से 14.13 लाख करोड़ रुपए जुटाएगी। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) ने अनुपालन बोझ को कम कर दिया है, जबकि औसत मासिक जीएसटी संग्रह दोगुना होकर 1.66 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। वित्त मंत्री ने कहा कि उन्होंने परंपरा को निभाते हुए अंतरिम बजट 2024 के दौरान टैक्स दरों को अपरिवर्तित रखा है। वित्त मंत्री ने अंतरिम बजट में आयात शुल्क सहित प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों के लिए समान कर दरों को बनाए रखने का प्रस्ताव किया। उन्होंने कहा कि घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए लक्षद्वीप सहित हमारे द्वीपों पर बंदरगाह कनेक्टिविटी, पर्यटन बुनियादी ढांचे और सुविधाओं के लिए परियोजनाएं शुरू की जाएंगी। सीतारमण ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा, सुविधा और आराम के लिए 40 हजार सामान्य रेलवे बोगियों को वंदे भारत मानकों में परिवर्तित किया जाएगा। -शेष पृष्ठ दो पर

50 हजार करोड़ के विनिवेश का लक्ष्य

नई दिल्ली। सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अंतरिम बजट में विनिवेश से 50 हजार करोड़ रुपए मिलने का लक्ष्य रखा है। यह चालू वित्त वर्ष 2023-24 के लक्ष्य 51 हजार करोड़ रुपए से मामूली कम है। इसके साथ ही सरकार ने चालू वित्त वर्ष के विनिवेश लक्ष्य को 51 हजार करोड़ रुपए से घटाकर 30 हजार करोड़ रुपए कर दिया है। लोकसभा में पेश किए गए अंतरिम बजट के अनुसार, सरकार को चालू वित्त वर्ष में सार्वजनिक संपत्तियों के मौद्रीकरण से कोई पैसा मिलने की उम्मीद नहीं है। 2023-24 के बजट में सरकार ने ऐसी संपत्तियों के मौद्रीकरण से 10 हजार करोड़ रुपए जुटाने की योजना बनाई थी। चालू वित्त वर्ष में विनिवेश की बात करें तो सरकार को सार्वजनिक क्षेत्र की सात कंपनियों की आंशिक हिस्सेदारी बेचने से अब तक 12,504 करोड़ रुपए मिले हैं। इनमें कोल इंडिया, एनएचपीसी, आरवीएनएल और इरेडा शामिल है। वित्त वर्ष 2017-18 और 2018-19 को छोड़कर सरकार अधिकांश वर्षों में बजट में निर्धारित विनिवेश लक्ष्यों से चूक रही है। वित्त वर्ष 2017-18 में एक लाख करोड़ रुपए के बजट लक्ष्य के सापेक्ष सरकार को विनिवेश से 1,00,056 करोड़ रुपए मिले थे। इसी तरह, वित्त वर्ष 2018-19 में 80 हजार करोड़ रुपए के बजट लक्ष्य के सापेक्ष विनिवेश से 84,972 करोड़ रुपए मिले थे। आरबीआई, पीएसबी से 1.02 लाख करोड़ के लाभांश का अनुमान सरकार -शेष पृष्ठ दो पर

बजट में विकसित भारत की नींव को मजबूत करने की गारंटी : पीएम

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने गुरुवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए गए अंतरिम आम बजट को *ऐतिहासिक, समावेशी और नवोन्मेषी* करार दिया और कहा कि यह बजट 2047 के *विकसित भारत* की नींव को मजबूत करने की गारंटी है। बजट पेश होने के बाद प्रधानमंत्री ने एक वीडियो संदेश के जरिए बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए यह भी कहा कि यह देश के भविष्य के निर्माण का बजट है जो विकसित भारत के चार स्तंभों क्रमश: युवा, गरीब, महिला और किसान को सशक्त बनाएगा। उन्होंने कहा कि आज का ये बजट समावेशी और नवोन्मेषी बजट है। इस बजट में निरंतरता का -शेष पृष्ठ दो पर

इसमें आम लोगों के लिए कुछ नहीं : कांग्रेस

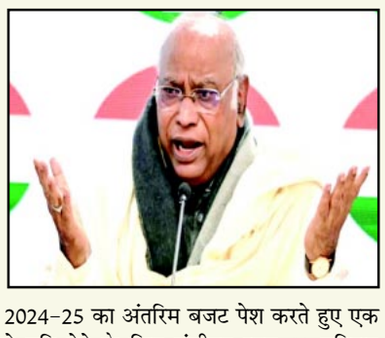

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज सदन में अंतरिम बजट पेश की। कांग्रेस के कई सांसदों ने इस अंतरिम बजट को निराशाजनक करार देते हुए कहा कि इसमें आम जनता के लिए कुछ भी नहीं है। सीतारमण ने वित्त वर्ष 2024-25 का अंतरिम बजट पेश करते हुए एक तरफ आर्थिक वृद्धि को गति देने के लिए पूंजीगत व्यय 11 प्रतिशत बढ़ाकर 11.11 लाख करोड़ रुपए करने का -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

बान-फी और रंग घर के सौंदर्यीकरण परियोजना का भूमिपूजन करेंगे मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि राज्य के प्रसिद्ध बान-फी और रंग घर के सौंदर्यीकरण परियोजना के भूमिपूजन के लिए वे शीघ्र ही शिवसागर जिले का दौरा करेंगे। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा है कि स्वदेशी स्मारकों और परंपराओं का संरक्षण हमारी सरकार के फोकस का -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम ने 2.84 किमी लंबे फ्लाईओवर की रखी आधारशिला

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को गुवाहाटी-गढ़भांगा रोड (लोखरा रोड) पर साइकिल फैक्ट्री जंक्शन पर एक नए फ्लाईओवर की आधारशिला रखी। यह फ्लाईओवर लोखरा रोड पर बिरुबारी को लालगणेश से जोड़ेगा और इसके निर्माण पर 376 करोड़ रुपए खर्च होंगे। गुवाहाटी के लालगणेश में आयोजित शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने 14.67 करोड़ रुपए की अन्य विकास परियोजनाओं का भी उद्घाटन किया, जिसमें 24 सार्वजनिक शौचालय, 31 सामुदायिक भवन, 17 श्मशान और दो कब्रिस्तान शामिल हैं। गुवाहाटी-गढ़भांगा रोड पर इस फ्लाईओवर के बनने से इलाके के लोगों को भारी जाम से राहत मिलेगी। इस फ्लाईओवर की लंबाई 2.84 किमी और चौड़ाई 12 मीटर के साथ तीन -शेष पृष्ठ दो पर

तृणमूल ने बजट को बताया चुनावी जुमला

कोलकाता (हि.स.)। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने अंतरिम बजट को लोकसभा चुनाव से पहले चुनावी जुमला करार दिया है। तृणमूल ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से राजनीतिक नौटंकी बंद करने तथा मानव कल्याण को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। तृणमूल की वरिष्ठ नेता और पश्चिम बंगाल सरकार में मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने किसानों की आत्महत्याओं का जिक्र करते हुए केंद्र -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों की विरासत को प्रदर्शित करता है आरोग्य मेला : सोनोवाल

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय आयुष मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने कहा कि राष्ट्रीय आरोग्य मेला आयुष क्षेत्र में विविधता, नवाचार और स्वास्थ्य सुरक्षा वितरण की भारतीय पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों की समृद्ध विरासत को प्रदर्शित करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी प्रयासों का परिणाम है कि दुनिया भर में अधिक से अधिक लोग अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, आयुर्वेद दिवस और आयुष की अन्य विधाओं से संबंधित अन्य कार्यक्रमों में भाग ले रहे हैं। सर्वानंद सोनोवाल गुरुवार को आयुष मंत्रालय के सहयोग से पूरन चंद्र गुप्ता स्मारक ट्रस्ट द्वारा आयोजित राष्ट्रीय आरोग्य मेले के उद्घाटन समारोह को संबोधित -शेष पृष्ठ दो पर

गुना : मंदिर में तोड़फोड़, गुस्साए लोगों ने किया चक्का जाम

गुना। मध्य प्रदेश के गुना जिले की बमोरी में शिव मंदिर में तोड़फोड़ का मामला सामने आया है। जब गुरुवार की सुबह लोग मंदिर पहुंचे तो उन्होंने मंदिर की हालत को देखकर हंगामा शुरू कर दिया। मंदिर में हुई तोड़फोड़ की बात जैसे ही लोगों को पता चली वह बमोरी के मुख्य चौराहे पर पहुंच गए और जाम लगा दिया। पुलिस बल भी मौके पर तैनात किया गया है। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों पर मामला भी दर्ज कर लिया है। पुलिस अभी आरोपियों की -शेष पृष्ठ दो पर

हेमंत सोरेन की ईडी रिमांड पर फैसला आज

रांची। झारखंड के पूर्व सीएम और जेएमएम के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन को एक दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। उन्हें रांची के पीएमएलए कोर्ट में पेश किया गया था। वकील मनीष सिंह ने कहा कि हेमंत सोरेन को एक दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। 10 दिन की रिमांड की मांग की गई थी लेकिन आदेश सुरक्षित रख लिया गया है और अगली सुनवाई कल होगी। बुधवार को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के तुरंत बाद हेमंत सोरेन को गिरफ्तार कर लिया गया था। ईडी ने झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की 10 दिन की रिमांड की मांग की लेकिन आदेश सुरक्षित रख लिया गया है; अगली सुनवाई कल होगी। कथित भूमि धोखाधड़ी मामले से संबंधित सात घंटे से अधिक की पूछताछ के बाद गिरफ्तारी हुई। दूसरे दौर की पूछताछ के दौरान, एजेंसी ने सोरेन से 15 सवाल पूछे, जिनसे शुरुआत में 20 जनवरी को पूछताछ की गई थी। सुप्रीम कोर्ट आज झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा कथित भूमि घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा उनकी -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
सत्य भी यदि अनुचित है तो उसे नहीं कहना चाहिए।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

गठबंधन पर हमारे प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया गया : ममता

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने आगामी लोकसभा चुनाव राज्य में अकेले लड़ने का एलान करते हुए एक बार फिर कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। ममता ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस, इंडी गठबंधन के साथ रहकर कांग्रेस के साथ गठबंधन को उत्सुक थी लेकिन हमारे प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस का मकसद भाजपा को मजबूत करना है। मुख्यमंत्री बनर्जी ने गुरुवार को नदिया जिले के शांतिपुर में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में -शेष पृष्ठ दो पर

इमरान खान को 2 दिन में तीसरा झटका पार्टी मुख्यालय पर पुलिस का छापा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के खिलाफ कार्रवाई करते हुए सादे लिबास में पुलिस और सुरक्षा अधिकारियों ने यहां इसके मुख्यालय पर कथित तौर पर छापा मारा तथा पार्टी के सदस्यों को परिसर में प्रवेश करने से रोका। एक मीडिया रिपोर्ट में गुरुवार को यह जानकारी दी गई। पार्टी सूत्रों के हवाले से *डॉन न्यूज* ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि यह छापेमारी खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को भ्रष्टाचार के एक मामले में 14-14 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाए जाने के एक दिन बाद हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह कार्रवाई बुधवार को इस्लामाबाद के सेक्टर जी-8 में इमरान की पार्टी की बैठक से ठीक पहले की गई है। हालांकि, पार्टी ऑनलाइन माध्यम से बैठक करने में सफल रही, जिसमें इसने एक पखवाड़े के भीतर संगठनात्मक चुनाव कराने का फैसला किया। वहीं, इस्लामाबाद पुलिस के एक अधिकारी ने आरोप से इनकार किया और कहा कि मजिस्ट्रेट की अनुमति के बिना छापेमारी नहीं की जा सकती और बुधवार को ऐसा कोई आदेश जारी नहीं किया गया था। उन्होंने दावा किया कि पुलिस टीम सुरक्षा प्रदान करने -शेष पृष्ठ दो पर

ज्ञानवापी : 31 साल बाद जलाया गया दीप, पूजा करने पहुंचे लोग

वाराणसी। ज्ञानवापी मामले में जिला अदालत के फैसले में व्यास तहखाने में पूजा-पाठ करने का अधिकार दे दिया है। जिसके बाद आज (1 फरवरी) ज्ञानवापी परिसर में आखिरकार 31 साल बाद पूजा-अर्चना शुरू हो गई है। सुबह-सुबह काफी संख्या में लोग पूजा के लिए ज्ञानवापी के व्यास तहखाने में पहुंचे हैं। इस मामले में डीएम ने कहा कि जिला कोर्ट के आदेश का अनुपालन कराया गया है। विश्वनाथ मंदिर के मुख्य पुजारी ओम प्रकाश मिश्रा और अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा का शुभ मुहूर्त निकालने वाले गणेश्वर द्रविड़ ने ब्यास जी के तहखाने में पूजा कराई। पूजा-पाठ का अधिकार काशी विश्वनाथ ट्रस्ट को सौंपा गया है। वहीं, कोर्ट का -शेष पृष्ठ दो पर

ब्रिटेन में 50 मंदिर बंद, सुनक के प्रति हिंदुओं में आक्रोश

लंदन। ब्रिटेन में रहने वाले हिंदुओं में प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के प्रति आक्रोश पाया जा रहा है। कारण है ब्रिटेन के लगभग 500 में से 50 मंदिर बंद हो चुके हैं। तमाम मंदिरों में कई सारे काम बंद कर दिए गए हैं। वजह है सुनक सरकार भारतीय पुजारियों को वीजा जारी नहीं कर रही। जानकारी के अनुसार ब्रिटेन में करीब 20 लाख भारतीय हिंदू रहते हैं। पुजारी मंदिरों में सेवा कार्य के साथ-साथ भारतीयों के गृह प्रवेश और विवाह समारोह भी संपन्न कराते हैं। बर्मिंघम में लक्ष्मीनारायण -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

एक करोड़ परिवार को 300 यूनिट तक नि:शुल्क बिजली होगी उपलब्ध

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अंतरिम बजट में रूफ-टॉप सोलर एनर्जी को लेकर बड़ा एलान किया। वित्त मंत्री ने कहा कि इससे मध्यम वर्ग को हर साल बिजली में खर्च होने वाली बड़ी राशि बचाने में मदद मिलेगी। वित्त मंत्री के एलान के मुताबिक छत पर सौर प्रणाली लगाने से एक करोड़ परिवार प्रत्येक महीने 300 यूनिट तक नि:शुल्क बिजली प्राप्त कर सकेंगे। यह योजना अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के ऐतिहासिक दिन प्रधान मंत्री के संकल्प के अनुसरण में लाई गई है। इससे नि:शुल्क सौर बिजली और अधिशेष बिजली वितरण कंपनियों को बेचने से परिवारों को हर वर्ष पंद्रह हजार से अठारह हजार रुपए की बचत होगी। इससे इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग स्टेशन की स्थापना से आपूर्ति तक बड़ी संख्या में वेंडरों को काम मिलेगा। विनिर्माण, स्थापना और रखरखाव में तकनीकी कौशल रखने वाले युवाओं के लिए रोजगार के अवसर मिलेगा।

देश के विकास को समर्पित यह बजट राम राज्य की परिकल्पना को दर्शाता है : भाजपा

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्र सरकार के अंतरिम बजट का स्वागत करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने देश के विकास को समर्पित करते हुए बजट को राम राज्य की परिकल्पना को दर्शाता हुआ बताया है। गुरुवार को जे पी नड्डा ने बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि इस बजट में मातृ शक्ति का विजन है तो अंतरिम बजट में किसान, मध्यम वर्ग, महिला से लेकर सभी वर्गों के लिए रूपरेखा बनाई गई है। भारतीय अर्थव्यवस्था सही रास्ते पर आगे बढ़ रही है। मैं इस बजट के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को साधुवाद देता हूं। उन्होंने कहा कि यह दूरदर्शी बजट विकसित भारत की नींव रखता है। इस बजट में मध्यम वर्ग के लिए घोषित आवास योजना एक क्रांतिकारी कदम है। लखपति दीदी का लक्ष्य बढ़ाकर 3 करोड़ कर दिया गया है। एमएसएमई सेक्टर को ग्लोबल बनाया जाएगा। इस बजट में पर्यटन और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। जे पी नड्डा ने कहा कि यह बजट सामाजिक कल्याण और देश के विकास को समर्पित है। यह बजट राम राज्य की परिकल्पना को दर्शाता है। इसमें विकसित भारत का संकल्प और आत्मनिर्भर भारत का लक्ष्य है। अंतरिम बजट में मध्यम वर्ग के लिए आवास योजना लाए जाने का कदम क्रांतिकारी है। अगले 5 साल में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत लगभग 2 करोड़ घर बनाने का निर्णय लिया गया है।

कोहरा : रांची से हैदराबाद नहीं जा पाए महागठबंधन के विधायक

रांची (हि.स.)। झारखंड में महागठबंधन के विधायक रांची से हैदराबाद नहीं जा पाए। रांची स्थित बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर विधायक दो घंटे से अधिक चार्टर्ड प्लेन में बैठे रहे लेकिन लो-विजिबिलिटी की वजह से विधायकों का चार्टर प्लेन उड़ान नहीं भर सका। गठबंधन के विधायकों को मौसम का साथ नहीं मिला। गठबंधन के 38 विधायक दो चार्टर्ड विमानों में सवार होकर रनवे पर इंतजार करते रहे। बारिश और धुंध के कारण एटीसी की अनुमति नहीं मिलने के कारण उनका विमान उड़ान नहीं भर सका। रात 9 बजे यह निर्णय हुआ कि विधायक अब गुरुवार को हैदराबाद नहीं जाएंगे। उसके बाद बसें मंगा ली गयीं। सभी विधायक गुरुवार रात सर्किट हाउस में गुजारेंगे। इससे पहले, गठबंधन विधायक दल के नेता चंपाई सोरेन सहित पांच विधायक राजभवन पहुंचे और राज्यपाल से मुलाकात कर उन्हें 43 विधायकों के समर्थन की सूची सौंपी। हालांकि राज्यपाल ने इस पर विचार करने के लिए समय मांगा और गठबंधन के नेताओं को सूचित करने की बात कही। इसके बाद झारखंड में महागठबंधन को अब अपने विधायकों के टूटने का डर सताने लगा है। इस स्थिति को देखते हुए महागठबंधन के विधायकों को गुरुवार को एहतियातन रांची सर्किट हाउस से कड़ी सुरक्षा में बस से रांची एयरपोर्ट लाया गया, जहां से उन्हें तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद शिफ्ट करने की रणनीति बनी थी।

अंतर्राष्ट्रीय कोलकाता पुस्तक मेले में पहुंचे 29 लाख लोग, 27 करोड़ की किताबें बिकीं

कोलकाता (हि.स.)। कोलकाता में हर साल लगने वाले अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक मेले का समापन बुधवार को हो गया है। गुरुवार को आयोजकों में से एक अधिकारी ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय कोलकाता पुस्तक मेले में रिकॉर्ड 29 लाख लोगों ने दौरा किया। पुस्तक मेले में 27 करोड़ रुपए की किताबों की बिक्री दर्ज की गई, जो पिछले साल की बिक्री से अधिक है। अधिकारी ने दावा किया कि 25 करोड़ रुपए का आंकड़ा अब पुस्तक मेले के इतिहास में अब तक का उच्चतम आंकड़ा रहा था। अब यह रिकॉर्ड टूट गया है। पुस्तक मेले में दर्शकों की संख्या पिछली बार 25 लाख से बढ़कर इस वर्ष 29 लाख हो गई, जो एक और नया रिकॉर्ड है। मेले के आयोजक पब्लिशर्स एंड बुकसेलर्स गिल्ड के महासचिव सुधांग्शु दे ने बताया कि पुस्तक मेला 18 से 31 जनवरी तक आयोजित किया गया। इसके बाद ही यह हिसाब लगाया गया है कि कितने लोग आए और कितने की किताबें बिक्री हुई हैं। किताबों के प्रति लोगों को प्रोत्साहित करने की एक पहल के रूप में, गिल्ड ने एक पाठक को सम्मानित किया जिसने तीन लाख 15 हजार रुपए की किताबें खरीदीं। उनका नाम देवब्रत चटर्जी है। देवब्रत एक निजी ट्यूटर हैं। गिल्ड के अध्यक्ष त्रिदीब चटर्जी ने बताया कि हम वरिष्ठ नागरिकों सहित इस राज्य के पुस्तक-प्रेमी लोगों को मेले में आने और इसके 48वें संस्करण में बेहतर और अधिक समावेशी तरीके से माहौल का आनंद लेने में मदद करने के लिए नई पहल करेंगे। पुस्तक मेले के डिजिटलीकरण को बढ़ाने के लिए, हमने मानचित्र और

सड़क हादसे में दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल

धेमाजी (हिंस)। धेमाजी जिलांतर्गत तेलिजान में बीती रात हुए एक सड़क हादसे में दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गये। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि एक तेज रफ्तार मारुति ऑल्टो कार अनियंत्रित होकर राष्ट्रीय राजमार्ग से तेलिजान नदी में पलट गई। घायलों में वाहन में एकमात्र सवार और चालक चालक शामिल हैं। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचकर कार में सवार एवं चालक को बाहर निकाला तथा उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में रेफर किया। स्थानीय लोगों ने बताया है कि कार को चांगमाइचुक गांव का एक व्यक्ति अत्यधिक शराब के नशे में चला रहा था, जिसके चलते यह हादसा हुआ। समय पर दोनों को अस्पताल में पहुंचाए जाने के चलते उनकी जान बच गई।

दुनिया के चोर मार्केट की लिस्ट जारी, भारत के छह बाजार शामिल

वाशिंगटन। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधियों ने चोर बाजारों की एक सूची जारी की। इसमें नई दिल्ली सहित तीन शहरों के तीन भारतीय बाजार और तीन ऑनलाइन बाजार शामिल हैं। इस सूची में चीन पहले स्थान पर बना हुआ है। अमेरिका की 2023 चोर बाजार सूची में 33 बाजारों और 39 ऑनलाइन बाजारों को चिह्नित किया गया है। इनके बारे में बताया गया है कि ये बड़े पैमाने पर ट्रेडमार्क जालसाजी या कॉपीराइट चोरी में संलग्न हैं या उन्हें बढ़ावा देते हैं। मुंबई में हीरा पन्ना, नई दिल्ली में करोल बाग का टैंक रोड और बेंगलुरु में सदर पटरप्पा रोड मार्केट हैं। इस सूची में शामिल हुए ऑनलाइन भारतीय बाजारों में इंडियामार्ट, वेगामूवीज और डब्ल्यूएचएमसीएस स्मार्टर्स हैं। अमेरिका की व्यापार प्रतिनिधि कैथरीन ताई ने कहा कि नकली और जालसाजी वाली वस्तुओं का कारोबार श्रमिकों, उपभोक्ताओं और छोटे व्यवसायों को नुकसान पहुंचाता है। इससे अमेरिकी अर्थव्यवस्था को नुकसान होता है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष की चोर बाजार सूची इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह नकली वस्तुओं के संभावित खतरों को रेखांकित करती है। सूची के अनुसार, चिह्नित 33 बाजारों और 39 ऑनलाइन बाजारों के बारे में बताया गया है कि वे बड़े पैमाने पर ट्रेडमार्क जालसाजी या कॉपीराइट चोरी में शामिल हैं या उसे बढ़ावा देते हैं। इसमें चीन के ई-कॉमर्स और सोशल कॉमर्स बाजारों ताओबाओ, वीचैट, डीएचगेट, और पिनडुओडुओ के साथ-साथ क्लाउड स्टोरेज सेवा बाइडू वांगपैन को रखा है।

अरुणाचल प्रदेश विस का बजट सत्र 8-9 फरवरी को

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश विधानसभा का बजट सत्र आगामी 8 फरवरी से शुरू होगा। दो दिवसीय बजट सत्र के पहले दिन राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) केटी परनायक सदन को संबोधित करेंगे। विधानसभा सचिवालय से मिली जानकारी के मुताबिक, उपमुख्यमंत्री और राज्य के वित्त मंत्री चौना मीन बजट सत्र में 9 फरवरी को लेखानुदान पेश करेंगे। राज्य के वित्त और योजना मंत्री चौना मीन इस साल राज्य विधानसभा और लोकसभा चुनाव से पहले 9 फरवरी को अंतरिम बजट पेश करेंगे। विधानसभा सचिवालय ने कहा कि इसके अलावा दो दिवसीय सत्र में कई अन्य विधेयक भी पेश किये जाने की संभावना है।

मोदी, शाह एवं राजनाथ ने सीएम डॉ. शर्मा को दीं जन्मदिन की शुभकामनाएं

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने अपने जन्मदिन पर शुभकामनाएं देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का आभार व्यक्त किया है। गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने प्रधानमंत्री की पोस्ट शेयर की, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि असम के मेहनती मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। वह असम की विकास यात्रा को मजबूत करने और गरीबों, वंचितों को सशक्त बनाने के लिए कई प्रयास कर रहे हैं। वह लोगों की सेवा में लंबा और स्वस्थ जीवन जिएं। इस पर मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री जी, मैं आपकी शुभकामनाओं को बहुत महत्व देता हूं और उनकी सराहना करता हूं। आपके दूरदर्शी मार्गदर्शन में हमने *सबका साथ, सबका विश्वास* के आदर्श वाक्य के साथ असम की प्रगति को बढ़ाने के लिए खुद को समर्पित कर दिया है। इस दिन, मैं गरीबों, वंचितों और पिछड़ों के कल्याण के लिए अथक प्रयास करने के प्रति अपने समर्पण की पुष्टि करता हूं। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने अपने पोस्ट में कहा है कि असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। समृद्ध असम के लिए मोदी के दृष्टिकोण को पूरा करने के लिए आपके ऊर्जावान प्रयास सराहनीय हैं। मैं ईश्वर से आपके अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करता हूं कि आप लोगों की सेवा करते रहें। मुख्यमंत्री ने अमित शाह को धन्यवाद देते हुए कहा है कि सशक्त असम बनाने की दिशा में प्रयास करने के लिए आपका बहुमूल्य आशीर्वाद मेरे लिए मार्गदर्शन का स्रोत है।

चिकित्सा के परामर्श के लिए
अपोलो हॉस्पिटल्स, चेन्नई विशेषज्ञ

Apollo HOSPITALS

11-02-2024 को गुवाहाटी में केवल परामर्श के लिए उपलब्ध होंगे

गैस्ट्रो क्लिनिक
समय : 9.30 बजे से दोपहर 3.30 बजे तक

डॉ. एम. प्रीथि MBBS, DNB (Med.), MRCP, DM (Gastro)

जो मरीज पीलिया रोग (जॉन्डिस), अल्सर्स, गोलब्लैडर स्टोन, ब्लड इन मोशन, एब्डोमिनल दर्द, एसिडिटी, एनोरेक्टल रोग (पाइल्स एवं फिस्टूयला) लीवर सिरहीसिस, अल्कोहोलिक लीवर रोग, फैटी लीवर रोग, हेपैटाइटिस बी एवं सी, पैनक्रेएस एवं ब्लैडर कैंसर्स, गैस्ट्रोसोफैजिएल, रीफल्स रोग, इसोफैजिअल कैंसस, पेट में जल, अंतड़ी हैबिट्स में बदलाव, एक्यूट एवं क्रोनिक पैनक्रेएस रोग इत्यादि से परेशान हो तो संपर्क करें :

APOLLO HOSPITALS REGIONAL OFFICE
Rajgarh Main Road, Opp-By Lane-10
Ph : 8404037649, 0361-3102166, 0361-3102669

पृष्ठ एक का शेष

अंतरिम बजट में ...

सीतारमण ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के तहत सभी आशा वर्कर्स, आंगनवाड़ी वर्कर्स और हेल्पर्स को भी कवर किया जाएगा। कृषि क्षेत्र की और वृद्धि के लिए सरकार फसल कटाई के बाद की गतिविधियों में सार्वजनिक और निजी निवेश को और बढ़ावा देगी। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के बावजूद हमने पीएम आवास योजना (ग्रामीण) के तहत तीन करोड़ घर बनाने का काम पूरा हुआ, जबकि दो करोड़ घर अगले पांच साल में और बनाए जाएंगे। सीतारमण ने कहा कि भारत-मध्य पूर्व-यूरोप कॉरिडोर भारत और दूसरे देशों के लिए एक परिवर्तनकारी कदम है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने नागरिक प्रथम और न्यूनतम सरकार अधिकतम शासन दृष्टिकोण के साथ जवाबदेह, जनकेंद्रित और विश्वास आधारित प्रशासन प्रदान किया है। तीन प्रमुख आर्थिक रेलवे कॉरिडोर लागू किए जाएंगे। इसमें पहला ऊर्जा, खनिज और सीमेंट कॉरिडोर, दूसरा पोर्ट कनेक्टिविटी कॉरिडोर और तीसरा उच्च यातायात घनत्व कॉरिडोर होगा। वित्त मंत्री ने कहा कि मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी को और सक्षम करने के लिए पीएम गतिशक्ति के तहत परियोजनाओं की पहचान की गई है। सीतारमण ने कहा कि पिछले 10 साल में 30 करोड़ मुद्रा योजना ऋण महिला उद्यमियों को दिए गए हैं। वहीं, ग्रामीण क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत महिलाओं को 70 फीसदी आवास महिलाओं को मिले हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि हमें गरीब, महिला, युवा और अन्नदाता पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है, उनकी जरूरतें और आकांक्षाएं हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताएं हैं।

50 हजार करोड़ ...

ने अगले वित्त वर्ष में आरबीआई, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) और अन्य वित्तीय संस्थानों से लाभांश के रूप में 1.02 लाख करोड़ रुपए मिलने का अनुमान जताया है। चालू वित्त वर्ष में सरकार को 48 हजार करोड़ के बजट लक्ष्य के सापेक्ष आरबीआई-पीएसबी से 1.04 लाख करोड़ का लाभांश मिलने की उम्मीद है। चालू वित्त वर्ष के लिए आरबीआई ने मई 2023 में सरकार को लाभांश के रूप में 87,416 करोड़ रुपए दिए थे, जो बजट अनुमान से ज्यादा हैं। वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान सरकार को आरबीआई और पीएसबी से लाभांश के रूप में 39,961 करोड़ रुपए मिले थे। सरकार को चालू वित्त वर्ष में आरबीआई, पीएसबी और अन्य कंपनियों से 1,54,407 करोड़ रुपए का लाभांश मिलने की उम्मीद है। इसी तरह, अगले वित्त वर्ष 1.50 लाख करोड़ का लाभांश मिलने का अनुमान जताया गया है।

बजट में विकसित...

विश्वास है। ये बजट विकसित भारत के चार स्तंभ- युवा, गरीब, महिला और किसान... सभी को सशक्त करेगा। यह बजट देश के भविष्य के निर्माण का बजट है। वित्त मंत्री और उनकी पूरी टीम को बधाई देते हुए मोदी ने कहा कि इस बजट में 2047 के विकसित भारत की नींव को मजबूत करने की गारंटी है। उन्होंने कहा कि इस बजट में युवा भारत की युवा आकांक्षा का प्रतिबिंब भी है। उन्होंने कहा कि बजट में दो महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। शोध और नवोन्मेष पर एक लाख करोड़ रुपए का फंड बनाने की घोषणा की गई है। बजट में स्टार्टअप्स को मिलने वाली टैक्स छूट के विस्तार का एलान भी किया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस बजट में राजकोषीय घाटे को नियंत्रण में रखते हुए पुंजीगत व्यय को 11 लाख 11 हजार 111 करोड़ रुपए की ऐतिहासिक ऊंचाई दी गई है। उन्होंने कहा कि अर्थशास्त्रियों की भाषा में कहें तो ये एक प्रकार से *स्वीट स्पॉट* है। इससे भारत में 21वीं सदी के आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण के साथ ही युवाओं के लिए अनगिनत रोजगार के नए अवसर तैयार होंगे। मोदी ने कहा कि बजट में वंदे भारत स्टैंडर्ड की 40 हजार आधुनिक बोगियां बनाकर, उन्हें सामान्य यात्री ट्रेनों में लगाने का एलान किया गया है। उन्होंने कहा कि इससे देश के अलग-अलग रेल रूट पर करोड़ों यात्रियों में आरामदायक यात्रा का अनुभव बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि इस बजट में गरीब और मध्यम वर्ग को सशक्त करने और उनके लिए आय के नए अवसर बनाने पर भी जोर दिया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज आयकर से संबंधित जिस नयी योजना की घोषणा की गई, उससे मध्यम वर्ग के एक करोड़ लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने सामान्य जन के सिर पर दशकों से ये बहुत बड़ी तलवार लटका कर रखी थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनके नेतृत्व वाली सरकार एक बड़ा लक्ष्य तय करती और उसे हासिल करने के बाद उससे भी बड़ा लक्ष्य तय करती है। उन्होंने कहा कि गांवों और शहरों में गरीबों के लिए हमने चार करोड़ से अधिक घर बनाए और अब हमने दो करोड़ और घर बनाने का लक्ष्य रखा है। हमने दो करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा था, अब इसे बढ़ाकर तीन करोड़ कर दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना ने गरीबों की बहुत मदद की है और अब आंगनबाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं को भी इस योजना का लाभ दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस बजट में गरीब और मध्यम वर्ग को सशक्त करने के लिए और उनके लिए आय के नए अवसर बनाने पर भी बहुत जोर दिया गया है। उन्होंने कहा कि छत पर सौर प्रणाली लगाने (रूफटॉप सोलराइजेशन) के अभियान में 1 करोड़ परिवारों को सोलर रूफ टॉप के माध्यम से मुफ्त बिजली प्राप्त होगी।

इसमें आम लोगों ...

प्रस्ताव किया है। वहीं दूसरी तरफ चालू वित्त वर्ष के लिए राजकोषीय घाटे के लक्ष्य को संशोधित कर इसे सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 5.8 प्रतिशत कर दिया है। कुल 47.66 लाख करोड़ रुपए के व्यय का बजट पेश किया गया है। इस अंतरिम बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा कि बजट भाषण बहुत छोटा और निराशाजनक था। बहुत अधिक बयानबाजी थी। कई मुद्दों को छुआ नहीं गया। बेरोजगारी जैसे मुद्दे का उल्लेख ही नहीं किया गया। उन्होंने आगे कहा कि यह सरकार अपनी विफलता को भी सफलता को रूप में पेश करेगी। आम भारतीय मतदता से पूछिए कि सरकार की नीतियों से उसकी जेब में क्या मिला तो इसका जवाब मिल जाएगा कि देश का आम आदमी क्या सोचता है। अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि क्या यह बेरोजगारों को रोजगार देने वाला बजट है? इस बजट में लोकसभा चुनाव के लिए लोगों को चुभाने के लिए कुछ नहीं है। लोकसभा में कांग्रेस सचेतक ने कहा कि यह बजट निराशाजनक है। यह कॉरपोरेट का हितैषी बजट है। इसमें गरीबों और आम लोगों के लिए कुछ भी नहीं है। वहीं मनीष तिवारी ने कहा कि वित्त मंत्री ने अपनी वाहवाही की है और 10 साल पहले की सरकार को कमतर दिखाने की कोशिश की है। सदन में चर्चा के दौरान इसका विस्तृत जवाब दिया जाएगा।

बान-फी और रंग ...

एक प्रमुख क्षेत्र है। उन्होंने कहा है कि राज्य के प्रसिद्ध बान-फी और रंग घर जैसे स्मारकों के सौंदर्यीकरण परियोजना के भूमिपूजन के लिए शीघ्र ही शिवसागर के लोगों के बीच रहूंगा। असम की सभ्यतागत विरासत के एक स्थायी प्रतीक हैं। दरसअल, रंग घर, आहोम युग का स्मारक है, जिसे नई सुविधाओं और आधुनिक सुविधाओं के साथ नया रूप देने के लिए परियोजना बनाई गयी है। रंग घर सौंदर्यीकरण परियोजना एक विशाल क्षेत्र को कवर करेगी, जिसमें भूमि अधिग्रहण करने वाले लोगों को महत्वाकांक्षी परियोजना का हिस्सा बनाया जाएगा और विरासत क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त रखा जाएगा। कुल परियोजना क्षेत्र 83 बीघा से अधिक है, जिसमें सरकारी भूमि 5 बीघा से अधिक है तथा अर्जित पट्टा भूमि 78 बीघा से अधिक है।

सीएम ने 2.84 किमी ...

लेन होंगी। फ्लाईओवर का प्रारंभिक बिंदु आर्य नगर फ्लाईओवर के बाद ट्राई जंक्शन प्वाइंट होगा और अंतिम बिंदु लालगणेश बाजार से आगे होगा। इसमें साइकिल फैक्ट्री, बिष्णुपुर, बरशापारा क्रिकेट स्टेडियम और लाल गणेश मार्केट में जंक्शन होंगे। फ्लाईओवर से लोखरा, सरुसजाई, आईएसबीटी, बेतकुची, गोरचुक, जालुकबाड़ी, लाल गणेश और उदालबाक्रा से सिटी सेंटर की ओर और वापस जाने वाले लोगों के लिए यातायात की भीड़ कम होने की संभावना है।

तृणमूल ने बजट ...

में सत्तारूढ़ भाजपा की निंदा की। भट्टाचार्य ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आंकड़ों से पता चलता है कि भारत में प्रतिदिन औसतन 30 किसान आत्महत्या करते हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, बजट में अन्नदाता के कल्याण के लिए आपका दावा पिछले पांच वर्षों में 53 हजार 478 किसानों की आत्महत्या का मजाक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दिखावा बंद करें और राजनीति के बजाय जीवन को प्राथमिकता दें। इसके बाद तृणमूल भवन में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए भट्टाचार्य ने कहा कि बजट में लोगों को मूर्ख बनाने के लिए झूठ और प्रहसन के अलावा कुछ भी नहीं है। उन्होंने कहा कि यह बजट और इसकी घोषणाएं चुनावी शिगूफा के अलावा कुछ नहीं हैं। इस बजट में आम लोगों को देने के लिए कुछ भी नहीं है। केंद्र को जवाब देना चाहिए कि उसने राज्य का वित्तीय बकाया क्यों रोक रखा है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए गए अंतरिम आम बजट को ऐतिहासिक, समावेशी और नवोन्मेषी करार दिया तथा कहा कि यह बजट 2047 के विकसित भारत की नींव को मजबूत करने की गारंटी है।

पारंपरिक चिकित्सा ...

कर रहे थे। इस मौके पर सोनोवाल ने कहा कि राष्ट्रीय आरोग्य मेला अत्यंत महत्वपूर्ण कार्यक्रम है और आयुष क्षेत्र को आगे बढ़ाने में योगदान देता है और *हर दिन हर घर आयुष* अभियान लोगों को भारतीय पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों के लाभ प्रदान करने के लिए बनाया गया है। देश में आज 900 से ज्यादा आयुष स्टार्टअप्स हैं, जिनमें एक यूनीकॉन भी है। इस अवसर पर आयुष मंत्रालय के सचिव राजेश कोटेचा ने कहा कि आयुष एक वटवृक्ष की तरह है, जिसके नीचे कई चिकित्सा सेवाएं फलती- फूलती हैं। उन्होंने यह भी बताया कि नेशनल आयुष मिशन के तहत आयुष को देश के हर जिले तक ले जाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। लक्षित 12500 आयुष हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स में से 9000 से अधिक सेंटर की स्थापना की जा चुकी है। देश में आयुष मंत्रालय की स्थापना हुए अभी सिर्फ 9 वर्ष से कुछ ज्यादा दिन ही हुए हैं और मंत्रालय ने इस छोटे से काल में बहुत बढ़ी और विशेष सफलताएं हासिल की हैं। आयुष अनुसंधान पोर्टल में अब तक चालीस हजार से ज्यादा अनुसंधान प्रकाशन प्रकाशित किए जा चुके हैं। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय आरोग्य मेला 1 फरवरी से 4 फरवरी, 2024 तक जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम नई दिल्ली में आयुष मंत्रालय के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है, जो आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी समग्र भारतीय उपचार परंपराओं का एक विशेष प्रयास है। यह कार्यक्रम आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी के लाभों और सिद्धांतों को प्रदर्शित करने, जागरूकता पैदा करने और समग्र स्वास्थ्य और कल्याण प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने, चिकित्सकों, विशेषज्ञों और के बीच सहयोग और ज्ञान साझा करने को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। मेले में आयुष की सभी चिकित्सा पद्धतियों के स्टॉल लगाए जाएंगे और नि:शुल्क स्वास्थ्य परामर्श की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी।

गुना : मंदिर में ...

तलाश कर रही है। गांव के लोगों का कहना है कि आरोपियों का जल्द से जल्द पता लगाया जाए और उनका घर गिराया जाए। यह मंदिर बमोरी के आउटर इलाके में है। यहां पर देर रात को मंदिर में घुसकर कुछ आरोपियों ने तोड़फोड़ की है। बताया जा रहा है कि 5 से 6 लोगों ने इस पूरी घटना को अंजाम दिया है। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों पर मामला दर्ज किया है। पुलिस अभी सीसीटीवी फुटेज भी चेक कर रही है। आपको बता दें कि सुबह जब मंदिर के पास से लोग निकले तो उन्होंने देखा कि मंदिर में किसी ने तोड़फोड़ की है। इसके बाद गांव में बात फैल गई और बड़ी संख्या में लोग बमोरी चौराहा पर पहुंच गए और चक्का जाम कर दिया। ग्रामीणों ने कुछ लोगों पर शक भी जताया है।

हेमंत सोरेन की ...

गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका को तत्काल सूचीबद्ध करने पर सहमत हो गया। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को धन शोधन के आरोप में गिरफ्तार किये जाने के एक दिन बाद गुरुवार को विपक्षी दलों के नेताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा नीत सरकार प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जैसी एजेंसियों के माध्यम से विपक्ष की आवाज दबा रही है। हालांकि, भाजपा नेताओं ने कहा कि झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को कानून के मुताबिक गिरफ्तार किया गया है। तेजी से बदलते घटनाक्रम में झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष को सात घंटे से अधिक की पूछताछ के बाद भूमि संबंधी कथित धोखाधड़ी से जुड़े धनशोधन मामले में बुधवार रात ईडी ने गिरफ्तार कर लिया। झामुमो विपक्षी दलों के गठबंधन *इंडिया* में शामिल है।

इमरान खान को...

के लिए वहां गई थी। अधिकारी ने कहा कि इमरान खान और बुशरा बीबी के खिलाफ अदालत का फैसला आने के चलते वहां विरोध प्रदर्शन होने की आशंका थी। पुलिस ने पार्टी मुख्यालय में प्रवेश नहीं किया और बाहर ही रही। पार्टी के एक नेता ने कहा कि इस्लामाबाद में पुलिस सादे लिबास वाले लोगों के साथ पार्टी मुख्यालय पहुंची, गार्ड को हटा दिया और परिसर को अपने नियंत्रण में ले लिया। कर्मचारियों को बाहर जाने के लिए कहा गया और उनमें से कुछ, जो वहां रूकना चाहते थे, उन्हें उनके कार्यालयों तक ही सीमित कर दिया गया। उन्होंने दावा किया कि पुलिस ने पार्टी की बैठक में भाग लेने पर नेताओं को अंजाम भुगतने की धमकी दी।

ज्ञानवापी : 31 साल ...

आदेश आने के बाद रातोरात तहखाने से बैरिकेडिंग हटा दी गई थीं। इसके बाद तड़के ही पूजा के लिए लोग जुटने लगे। पूजा की शुरुआत कड़े प्रशासनिक सुरक्षा घेरे में शुरू हुई है। भारी फोर्स की मौजूदगी में श्रद्धालु व्यास तहखाने की ओर जा रहे हैं और पूजा-अर्चना कर रहे हैं। काशी विश्वनाथ ट्रस्ट बोर्ड की तरफ से पूजा करवाई जा रही।

ब्रिटेन में 50 मंदिर ...

मंदिर के सहायक पुजारी सुनील शर्मा ने कहा कि सुनक सरकार से उम्मीद थी कि वीजा जारी करने की प्रक्रिया में तेजी आएगी। हिंदू होने के नाते ऋषि सुनक हमारी समस्याओं को समझेंगे, लेकिन सरकार ऐसा करने में अब तक विफल ही रही है। संयुक्त मंदिर समूह ने विदेश मंत्री जेम्स क्लेवरली के समक्ष इस मुद्दे को उठाया गया है। लेबर पार्टी के वरिष्ठ सांसद गैरेथ थॉमस ने भी गृहमंत्री को पत्र लिखकर टियर 5 वीजा प्रक्रिया को तेज करने की मांग की है। बता दें कि ब्रिटेन में पुजारी के लिए टियर-5 धार्मिक वीजा जारी होता है। यह अस्थायी वीजा होता है। वीजा अवधि खत्म होने से 6 महीने पहले ही मंदिर समिति नए पुजारी के लिए वीजा ऐप्लिकेशन शुरू कर देती है, लेकिन ज्यादातर मामलों में क्लियरेंस नहीं मिलता। भारतीयों की मांग है कि टियर-5 धार्मिक वीजा को दो से बढ़ाकर 3 साल का किया जाए।

गठबंधन पर हमारे ...

माकपा, कांग्रेस और भाजपा तीनों पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि हम गठबंधन के लिए तैयार थे लेकिन हमारे प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया गया। ममता ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस अकेले भाजपा को राज्य में हराएगी।

मणिपुर के मुख्यमंत्री ने नगा पीपुल्स ऑर्गनाइजेशन से मुलाकात की

इंफाल (हिंस)। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने नगा पीपुल्स ऑर्गनाइजेशन से मुलाकात की। बैठक के दौरान उन्होंने मणिपुर की मौजूदा स्थिति पर विस्तार से चर्चा करते हुए स्थिति को लेकर चिंता व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने बैठक में इस समस्या से निपटने संबंधी किए जा रहे प्रयासों की प्रतिनिधियों को जानकारी दी। उन्होंने इस संदर्भ में नगा संगठन द्वारा दिए गए सुझावों की सराहना करते हुए कहा कि वह सुझाव पर अवश्य अमल करेंगे। बाद में बैठक के संबंध में सोशल मीडिया के जरिए जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने कहा कि मेरे सचिवालय में नगा पीपुल्स ऑर्गेनाइजेशन सेनापति के प्रतिनिधियों के साथ एक रचनात्मक बैठक हुई। बैठक में सरकार के तहत विभिन्न परियोजनाओं और पहलों के कार्यान्वयन से संबंधित मामलों पर विचार-विमर्श किया गया। उनकी अंतर्दृष्टि और चिंताएं अमूल्य हैं, क्योंकि हम सामूहिक रूप से मणिपुर के लोगों के कल्याण और प्रगति के लिए प्रयास करते हैं।

दो दिवसीय दौरे पर 17 को त्रिपुरा पहुंचेंगे अमित शाह और जेपी नड्डा

अगरतला (हिंस)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह तथा भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा 17 और 18 फरवरी को त्रिपुरा में कई कार्यक्रमों में भाग लेंगे। त्रिपुरा प्रदेश भारतीय जनता पार्टी से मिली जानकारी के अनुसार बताया कि केन्द्री गृह मंत्री और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष 17 फरवरी को त्रिपुरा पहुंचेंगे। दोनों नेताओं को कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने के लिए त्रिपुरा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष राजीव भट्टाचार्य तथा महासचिव अमित रक्षित को दिल्ली

बुलाया गया है। खबर है कि इस प्रवास के दौरान गृहमंत्री त्रिपुरा के लिए बड़ी घोषणाएं कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि तिपरा मोथा के अध्यक्ष के साथ केंद्रीय गृह मंत्री की दिल्ली में कई दौर की बैठकें हो चुकी हैं। संभव है कि त्रिपुरा में कार्यक्रम के दौरान गृहमंत्री तिपरा मोथा के साथ हुई बातचीत से संबंधित कोई बड़ी घोषणाएं कर सकते हैं। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष तथा महासचिव को इन कार्यक्रमों की तैयारी करने संबंधी दिशा निर्देश दिए गए हैं।

करंट लगने से जंगली हाथी की मौत मामले में 4 लोग गिरफ्तार

कामरूप (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिलांतर्गत बोको के हाहिम गोलापारा में करंट लगने से जंगली हाथी की मौत के सिलसिले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जिन्हें न्यायालय में पेश कर जेल भेजने की तैयारी में वन विभाग जुटा हुआ है। वन विभाग के सूत्रों ने बताया है कि पकड़े गये लोगों की पहचान हरविलास राभा, अभिजीत राभा, प्राणेश्वर राभा और बासुदेव राभा के रूप में की गई है। ज्ञात हो कि गत 17 जनवरी को करंट लगने से एक जंगली हाथी की मौत हो गई थी। बताया गया है कि केले की खेती को जंगली हाथियों से बचाने के लिए खेत के चारो ओर बिजली के कनेक्शन दिए गए थे। केले के खेत के किनारे लगे बिजली के तार की चपेट में आने से जंगली हाथी की मौत हो गई थी।

चाय बागान की जमीन से अवैध बांग्लादेशियों का कब्जा हटवाने की मांग

करीमगंज (हिंस)। चाय बागान के आदिवासियों ने स्थानीय जिला आयुक्त, पुलिस अधीक्षक को शिकायत की है कि जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा पर चाय बागान की चार हजार बीघा भूमि पर अवैध रूप से आकर बसे बांग्लादेशियों ने कब्जा कर लिया है। आदिवासियों ने अधिकारियों से इन अवैध कब्जेदारों से जमीन खाली कराने की मांग की है। चाय बागान के आदिवासियों ने अपनी शिकायत में कहा गया है कि पथारकांदी विधानसभा क्षेत्र के लंगाई चाय बागान के आदमटीला डिवीजन के 4 नंबर में एक हजार बीघा चाय बागान की जमीन, आदमटीला डिवीजन 5 नंबर में एक हजार दो सौ बीघा, माइनाकोना में आठ सौ बीघा, सीमावर्ती लाइन में आठ सौ बीघा और निशानटीला में 300 बीघा जमीन पर अतिक्रमण किया गया है।

मिजोरम में प्रवासी पक्षियों और जानवरों के साथ तीन गिरफ्तार

आइजोल (हिंस)। भारत-म्यांमार सीमा पर मिजोरम के चम्फाई जिले में 49 विदेशी जानवरों और पक्षियों को तस्करों के चंगुल से मुक्त कराया गया है। मिजोरम पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार चम्फाई वन विभाग और असम राइफल्स के साथ मिजोरम पुलिस के एक संयुक्त अभियान में विदेशी जानवरों और पक्षियों को जब्त कर बचाया गया है। बचाए गए जानवरों में 10 सोलोमन कॉकटू, दो पॉस्क तोता, नौ कछुआ, 10 सांप, 16 छिपकली और मार्मोसेट तथा दो बंदर शामिल हैं। जब्त प्रवासी पशु-पक्षियों की कीमत 68.40 लाख रुपए आंकी गई है। विदेशी जानवरों और पक्षियों को लोहे के पिंजरों और प्लास्टिक की टोकरियों के अंदर छुपाया गया था और उन्हें भारत-म्यांमार सीमा से आइजोल की तरफ लाया जा रहा था।

नाबालिग से दुष्कर्म मामले में कोर्ट ने सुनाई 10 साल सश्रम कारावास की सजा

अगरतला (हिंस)। त्रिपुरा की एक अदालत ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में आरोपी को दोषी करार देते हुए 10 साल की सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। यह सजा राज्य के सिपाहीजला जिले के विशालगढ़ के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत ने 2019 में 5 वर्षीय नाबालिग बच्ची से कथित रूप से बलात्कार करने के अभियुक्त को सुनाई। विशेष लोक अभियोजक (पॉक्सो) रिपन सरकार ने मीडिया को बताया कि पीड़ित के परिवार ने 02 अगस्त, 2019 को नाबालिग लड़की के बलात्कार के लिए खोकोन देबनाथ नामक व्यक्ति के खिलाफ पश्चिम अगरतला महिला थाने में मामला दर्ज कराया था। मामले को बाद में बिशालगढ़ थाने में स्थानांतरित कर दिया गया, क्योंकि घटना बिशालगढ़ महिला पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में हुई थी। आरोपी खोकोन दास को 4 अगस्त, 2019 को गिरफ्तार किया गया था। घटना के संदर्भ में वकील ने बताया बताया कि 01 अगस्त 2019 को पीड़ित लड़की टीवी देखने के लिए खोकोन देबनाथ के घर गई थी।

नगरबेड़ा में भाजपा की कार्यकारिणी की बैठक आयोजित

नगरबेड़ा (विभास)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन फरवरी को असम का दौरा करेंगे और चार फरवरी को गुवाहाटी में एक रैली को संबोधित करेंगे। असम सरकार के लोक स्वास्थ्य तकनीकी विभाग के कैबिनेट मंत्री जयंत मल्ल बरुवा ने आज कामरूप जिले के बोको निर्वाचन क्षेत्र के नगरबेरा में नगरबेरा मंडल भाजपा की कार्यकारिणी की बैठक में भाग लेते हुए यह बात कही। दक्षिण कामरूप जिला भाजपा अध्यक्ष अंजन गोस्वामी की अध्यक्षता में हुई बैठक में मंत्री ने कहा कि राम मंदिर की आत्मा की स्थापना के बाद और आगामी लोकसभा चुनाव से पहले चार फरवरी को प्रधानमंत्री की रैली होगी।उस दिन मेगा मीटिंग में बोलते हुए, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी असम में 11,000 करोड़ रुपए की विभिन्न परियोजनाओं को शुभकामनाएं देंगे और रैली को सफल बनाने के बारे में बात करके मंत्री जयंत मल्ला बरुवा ने सभी भाजपा कार्यकर्ताओं और लोगों से प्रधानमंत्री की बैठक में शामिल होकर बैठक को सफल बनाने का आग्रह किया। मंत्री ने राहुल गांधी के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में व्यंग्यात्मक टिप्पणी भी की। बैठक में भाजपा नेता और एपीडीसीएल अध्यक्ष प्रकाश कश्यप, भाजपा राज्य कार्यकारिणी ऋषिकेश कश्यप, दक्षिण कामरूप जिला भाजपा एसटी मोर्चा अध्यक्ष मृम्मय बोरो, जिला एससी मोर्चा अध्यक्ष डॉ. प्रहलाद विश्वास, जिला भाजपा महासचिव विकास बरो, नगरबेड़ा मंडल भाजपा अध्यक्ष गिरिराज तिमसीना, महासचिव चारुकृष्ण कलिता और अन्य उपस्थित थे।

राज्यपाल करेगें जेमा के इलेक्ट्रोफेस्ट एक्सपो का उद्घाटन

गुवाहाटी (विभास)। गुवाहाटी इलेक्ट्रिक मर्चेंट्स एसोसिएशन (जेमा) की ओर से आयोजित होने वाले तीन दिवसीय इलेक्ट्रोफेस्ट एक्सपो का उद्घाटन राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया शनिवार को करेंगे। उल्लूबाड़ी स्थित आशी अप्सरा प्रांगण में आगामी 3 से 5 फरवरी आयोजित होने वाला यह एक्सपो पूर्वोत्तर के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा इलेक्ट्रिकल एक्सपो होगा। जेमा के अध्यक्ष नवल किशोर सारडा के नेतृत्व में आज गए प्रतिनिधि मंडल में उपाध्यक्ष तथा एक्सपो के चेयरमैन गोपाल पसारी, सचिव साकेत राज पुगलिया, एक्सपो के संयोजक अभिषेक केजरीवाल, सौरभ बोथरा, कोषाध्यक्ष नवीन सेठिया, कार्यकारिणी सदस्य मनीष सिंघी आदि ने राज भवन में राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया से मुलाकात कर उन्हें संस्था की गतिविधियों से अवगत कराया। राज्यपाल श्री कटारिया ने संस्था द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए इलेक्ट्रोफेस्ट एक्सपो का उद्घाटन करने का निमंत्रण स्वीकार करते हुए अपनी स्वीकृति प्रदान की। वही असम सरकार के आवासीय एवं शहरी मामलों के मंत्री अशोक

सिंहल, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री बिमल बोरा, विद्युत मंत्री नंदिता गार्लोसा सहित अन्य वीवीआईपी लोगों ने इस एक्सपो में अपनी उपस्थिति दर्ज करने की बात कही। संस्था के अध्यक्ष नवल किशोर सारडा एवं सचिव साकेतराज पूगलिया के निर्देशन में एक्सपो की तैयारियां अंतिम चरणों में चल रही है। प्रोजेक्ट चेयरमैन व संस्था के उपाध्यक्ष गोपाल पसारी ने बताया है इस एक्सपो में देश की इलेक्ट्रिकल से संबंधित 70 से अधिक प्रमुख कंपनियां भाग लेंगी और अपने उत्पादों का प्रदर्शन करेंगी। एक्सपो के संयोजक अभिषेक केजरीवाल ने कहा कि पहली बार होने वाले इस एक्सपो में इलेक्ट्रिकल्स में नवीनतम नवाचार दिखाने वाली सभी इलेक्ट्रिकल कंपनियों को एक साथ ला रहा है और पूरे पूर्वोत्तर के बिल्डरों, आर्किटेक्ट्स, ठेकेदारों, व्यापारियों, इंटीरियर डिजाइनरों और उपभोक्ताओं के लिए देखने का मौका प्रदान कर रहा है। सचिव साकेत राज पुगलिया ने कहा कि इलेक्ट्रिकल, लाइटिंग और पावर जगत के दिग्गज इस एक्सपो में मैन्युफैक्चरर्स, ओईएम, सप्लायर्स और डिस्ट्रीब्यूटर्स से लेकर एजेंट तक शामिल होंगे और व्यापार के भरपूर अवसर प्रदान करेंगे। एक्सपो के संयोजक एवं जेमा कोषाध्यक्ष नवीन सेठिया ने कहा कि एक्सपो एक ऐसा मंच है जहां एक आम खरीदार आकर इलेक्ट्रिकल्स से संबंधित उत्पादों की पूरी रेंज देख सकता है। यह आयोजन पैनासोनिक के एंकर द्वारा समर्थित है और केईआई और कोलोर्स द्वारा सह-समर्थित है, और आरआर काबेल, प्रेस्टो प्लास्ट, बर्लिया और इजोक द्वारा संबद्ध है। उन्होंने आगे कहा कि संयोजक अनिल दुग्गड़, सौरभ बोथरा, अभिषेक कागलीवाल, मेहुल पसारी, दीपक अग्रवाल, अंशुमन धानुका के अलावा संस्था के सभी सदस्य इस आयोजन को सफल बनाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

एपीएससी परीक्षा में सफल रहे पश्चिम कार्बी-आंग्लांग के सोंगजा इंगती सम्मानित

होजाई (निसं)। असम लोक सेवा आयोग की परीक्षा में सफल हुए पश्चिम कार्बी आंग्लांग के सोंगजा इंगती कतार का *अपना मंच* ने किया अभिनंदन। अपना मंच के सलाहकार व सदस्यों के एक दल ने बुधवार को उनका होजाई में गर्म जोशी से स्वागत किया और उनका व उनकी नानी मां कामेन एंगटिपी, उनकी बहन काहिन एंगटिपी, चचेरी बहनें: बोनजिरलिन टेरोनपी और मिर्तालिन एंगटिपी का सम्मान असमिया फुलाम गामोछा, मान पत्र व भेंट देकर किया। अपना मंच की तरफ से अपना मंच के सलाहकार शिव शंकर बोरा, रमेश मुंदडा, संगीता मुंदडा, शिवदयाल सिंह, संस्थापक निखिल कुमार मुंदड़ा, सदस्य मयंक क्याल, निखिल अग्रवाल सहित कई सदस्य उपस्थित थे। गौरतलब है, असम लोक सेवा आयोग परीक्षा 2022 का परिणाम जनवरी 17 को घोषित हुआ था जिसमें राज्य भर में असम पुलिस सेवा वर्ग में पश्चिम कार्बी आंग्लांग के सोंगजा इंगती कतार ने 59 वां स्थान (एसटी हिल्स में प्रथम स्थान) हासिल किया व अपने

जिले का नाम रोशन किया। उल्लेखयोग्य है, सोंगजा पश्चिम कार्बी आंग्लांग जिले के बैथालांगसो का रहने वाले है। अभिनंदन कार्यक्रम के दौरान एक साक्षात्कार में हमारे संवाददाता से बात करते हुए, सोंगजा ने कहा कि उनका लक्ष्य हमेशा लोक सेवा(सिविल सर्विसेज) में सफलता हासिल करना था। उन्होंने कहा कि उन्होंने नियमित रूप से 2-3 घंटे तक स्व-अध्ययन किया क्योंकि वे नीति आयोग में कर्मरथ थे। उन्होंने अपनी शुरुआती पढ़ाई के बारे में बताया कि उन्होंने डॉन बॉस्को हाई स्कूल, होजाई से दसवीं की पढ़ाई पूरी की, फिर उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक की उपाधि प्राप्त की और फिर नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी, बेंगलुरू से पब्लिक पॉलिसी में स्नातक कोतर किया। फिर 2016 से वे चेज, इंडिया के साथ काम कर रहे हैं और 2018 से वे आईपीएसी के साथ जुड़े, फिर नीति आयोग में शामिल हुए। उन्होंने पेशेवरों और नए उम्मीदवारों के लिए कुछ सुझाव साझा किए, उन्होंने कहा कि हमारे पास एक स्पष्ट लक्ष्य होना चाहिए साथ ही उस लक्ष्य के प्रति हमारी इच्छा शक्ति दृढ़ होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह सफलता भगवान, उनके माता-पिता, भाई-बहन, शिक्षकों, सहकर्मियों, दोस्तों के आशीर्वाद और समर्थन के बिना संभव नहीं होती। इस सफलता के बाद, सोंगजा के रिश्तेदार, शुभचिंतक और पश्चिम कार्बी-आंग्लांग जिले के लोग बेहद खुश और प्रसन्न हैं। वे उन्हें सभी युवाओं के लिए प्रेरणा मानते हैं और उनकी उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त करते हैं।

स्टार रूफ को मिला काजीरंगा अवार्ड्स 2024

गुवाहाटी (विभास)। महानगर के रुक्मीणि नगर सभागार में बुधवार की शाम इंस्पायर ग्रुप की ओर से आयोजित एक रंगारंग समारोह में राज रूफिंग के अंतर्गत *स्टार रूफ* ब्रांड को काजीरंगा अवार्ड्स 2024 से नवाजा गया। समारोह में जानी मानी असमिया अभिनेत्री चेतना दास सहित कई नामचीन हस्तियों की उपस्थिति में राज रूफिंग के निदेशक तथा युवा उद्यमी देवानंद सिंह को यह अवार्ड इंस्पायर ग्रुप के सीएमडी दीप ज्योति शर्मा व मुख्य सलाहकार इमदाद अली ने सामूहिक रूप से प्रदान किया। *स्टार रूफ* को यह सम्मान पूर्वोत्तर भारत में *मोस्ट ट्रस्टेड कलर कोटेड रूफिंग शीट्स* के लिए प्रदान किया गया। मालूम हो कि पिछले तीन दशकों से रूफिंग के क्षेत्र से जुड़े देवानंद सिंह प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी के मेक इन इंडिया से प्रभावित होकर दो वर्ष पूर्व ही राज रूफिंग के अंतर्गत अपने *स्टार रूफ* ब्रांड को असम सहित पूर्वोत्तर के बाजार में उतारा था। उनका मानना है कि इससे असम सहित पूर्वोत्तर के लोगों को सस्ते दरों पर बेहतर व टिकाउ रूफिंग शीट्स उपलब्ध होगी।

विश्वनाथ में बाल मानसिक स्वास्थ्य और संरक्षण पर जिलास्तरीय प्रशिक्षण शुरू

जिले के प्राय: 100 विद्यालय के नोडल शिक्षक प्रशिक्षण के रूप में मौजूद

विश्वनाथ (विभास)। समग्र शिक्षा, बिश्वनाथ द्वारा आयोजित बाल मानसिक स्वास्थ्य और संरक्षण पर यू.पी (उच्च प्राथमिक) स्तर के नोडल शिक्षकों के लिए तीन दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण आज बिश्वनाथ वाणिज्य वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के सभागार में शुरू हुआ। तीन दिवसीय कार्यक्रम का उद्घाटन डीपीओ (जिला कार्यक्रम पदाधिकारी) बेदब्रत बोरा ने किया। जिला के शिक्षक जुनमनी महंत, अंजन बासकोटा और बरुण भगवती ने संसाधन व्यक्ति के रूप में नोडल शिक्षकों प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में बिश्वनाथ जिले के बिश्वनाथ, बिहाली और छयदुवार शिक्षा प्रखण्ड कार्यालयों के तहत विभिन्न उच्च माध्यमिक विद्यालय, उच्च विद्यालय, कंपोजिट स्कूलों और एम. ई और एम वी स्कूलों के प्राय: एक सौ शिक्षकों ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन तीन फरवरी को होगा।

मुख्यमंत्री ने अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला को उनकी पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने अमेरिकी भारतीय अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला की पुण्यतिथि पर अपनी भावभीनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने गुरुवार को सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा है कि शक्ति और दृढ़ संकल्प की प्रतीक, कल्पना चावला ने भारत के बढ़ते वैज्ञानिक स्वभाव का प्रतीक बनकर सभी बाधाओं को पार किया और सभी विशेषकर महिलाओं के लिए एक प्रेरणा बनीं। आज उनकी पुण्यतिथि पर अंतरिक्ष दिग्गज को में याद कर रहा हूं।

मोक्ष कल्याणक व विश्व शांति महायज्ञ के साथ छह दिवसीय पंचकल्याणक महोत्सव संपन्न

गुवाहाटी। फैंसी बाजार स्थित आदिनाथ नगर (जेल परिसर) में असम के राज्यकिय अतिथि आचार्य श्री प्रमुख सागर महाराज ससंघ एवं मुनि श्री अरिजीत सागर महाराज के पावन सान्निध्य में श्रीमद् 1008 जिनबिंब पंच- कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव मे बुधवार को मोक्ष कल्याणक महोत्सव मनाया गया। दिन में मोक्ष कल्याणक की क्रियाएं संपन्न हुई। वही पंचकल्याणक महोत्सव कि सभी क्रियाएं प्रतिष्ठाचार्य बा. ब्र.हंसमुख शास्त्री के निर्देशन में विधि विधान से संपन्न कराई गई। इस अवसर पर आचार्य प्रमुख सागर महाराज ने उपस्थित श्रद्धालुओं को मोक्ष कल्याण की महत्वता के बारे में बतलाते हुए कहा कि आज मोक्ष कल्याणक के दिन

तीर्थंकर भगवान संपूर्णता इस संसार से विदाई ले लेंगे, अब दोबारा इस संसार में नहीं आएंगे। अब वो अपने साक्षातधाम में ही विराजमान होंगे। उन्होंने कहा कि संसार में रहकर ही संसार को तर्ज सकते हैं और आज वह पाषण जो प्रथम दिन मूर्ति थी आज वह भगवान के रूप में परिवर्तित हो गई है तथा हमेशा के लिए पूज्यता को प्राप्त हो गई। आचार्य श्री ने कहा कि जहां-जहां मोह है वह संसार है, जहां मोह समाप्त हुआ वहा से ही मोक्ष प्रारंभ हो जाता है। हमें उनके मोक्ष कल्याणक की अनुमोदना करके पुण्य बढ़ाना चाहिए। इस अवसर पर अग्नि- देव द्वारा संस्कार विधि, मोक्ष कल्याणक पूजा, हवन, व पूर्णाहुति के पश्चात पंच- कल्याणक महोत्सव के सभी सक्रिय सहयोग देने वाले कार्यकर्ता व जयपुर से पधारे नि:स्वार्थ भाव से सेवा करने वाले *वीर सेवक* के सदस्यों आदि को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य संयोजक ओम प्रकाश सेठी ने बताया समाज के कई विभूतियो को मरणोपरांत *समाज रत्न* पुरस्कार व कई विशिष्ट व्यक्तियों को *समाज गौरव* से सम्मानित किया गया। प्रचार प्रसार के सहसंयोजक सुनील कुमार सेठी ने बताया कि कार्यक्रम का समापन भगवान आदिनाथ की शोभायात्रा व कलशाभिषेक के साथ हुआ।

संपादकीया

जनादेश का वंशवाद

झारखंड से शुरुआत करते हैं। वहां चुनावी जनादेश झामुमो गठबंधन को मिला था, जिसने हेमंत सोरेन को मुख्यमंत्री चुना। अब वह कई गंभीर घोटालों में आरोपित हैं। क्या ऐसा होना चाहिए कि यदि उनकी गिरफ्तारी होती है, तो उनकी पत्नी कल्पना सोरेन को राज्य का मुख्यमंत्री बना दिया जाए? क्या चुने हुए विधायकों को एक ऐसे चेहरे को अपना मुख्यमंत्री मान लेना चाहिए, जो विधायक भी नहीं है? चूंकि हेमंत सोरेन झामुमो के 'आलाकमानी नेता' हैं, लिहाजा जो उनका आदेश या आग्रह होगा, उसे स्वीकार कर लिया जाए? जनादेश सोरेन के नेतृत्व में झामुमो गठबंधन को मिला था। क्या वह जनादेश भी पत्नी, बेटा-बेटी अथवा वंश के किसी अन्य व्यक्ति को स्थानांतरित किया जा सकता है? आम आदमी के संदर्भ में लें, तो क्या एक व्यक्ति को मिली नौकरी को परिवार में ही स्थानांतरित किया जा सकता है? क्या आप कह सकते हैं कि मैं अपना नियुक्ति-पत्र अपने परिजन को सौंप रहा हूं, कल से वही काम पर आएगा? आपकी नौकरी तुरंत खारिज हो जाएगी। दरअसल ये सवाल हमारे संविधान और लोकतंत्र के संदर्भ में बेहद गंभीर हैं और हमारी व्यवस्था पर ही सवाल करते हैं। संविधान में व्यवस्था की गई कि बहुमत वाले पक्ष के विधायक अपना नेता चुनेंगे। राज्यपाल उस व्यक्ति को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाएंगे। ऐसा ही संसद में सांसद अपना प्रधानमंत्री चुनते हैं। चूंकि हेमंत सोरेन पर घोटालों के गंभीर आरोप हैं और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) उनकी जांच कर रहा है। वह मुख्यमंत्री को गिरफ्तार करे या पूछताछ कर आरोप-पत्र तैयार कर अदालत में दाखिल करे, यह ईडी अथवा किसी भी जांच एजेंसी का विशेषाधिकार है। इधर के दौर में जब चारा घोटाले में बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री लालू यादव को जेल भेजा गया था, तो उन्होंने पार्टी विधायकों से अपनी पत्नी राबड़ी देवी को मुख्यमंत्री चुनवा दिया था। राबड़ी विधायक भी नहीं थीं और प्रशासनिक दृष्टि से भी निरक्षर थीं, फिर भी वह करीब 8 साल तक मुख्यमंत्री के पद पर रहीं। पार्टी लोकतंत्र और संविधान पर इससे क्रूर मजाक नहीं हो सकता। काफी पुरानी बात हो गई, जब देवीलाल को केंद्र में उपप्रधानमंत्री बनाया गया था, तो उनके ज्येष्ठ पुत्र ओमप्रकाश चौटाला को हरियाणा का मुख्यमंत्री बना दिया गया था। उनके चुनाव को लेकर उस दौर में कई 'महम' हुए। प्रधानमंत्री रहते हुए इंदिरा गांधी की हत्या की गई, तो तत्कालीन राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह ने राजीव गांधी को प्रधानमंत्री पद की शपथ दिला दी थी। वह सांसद भी नहीं थे। हालांकि कुछ माह बाद लोकसभा चुनाव हुए, तो राजीव गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ने 414 सीटें जीतीं। बहरहाल हेमंत सोरेन के संदर्भ में उनकी पत्नी को मुख्यमंत्री बनाया गया, तो वह जनादेश का एक और वंशवाद होगा। सवाल यह है कि पार्टी के भीतर किसी अन्य वरिष्ठ विधायक को मुख्यमंत्री क्यों नहीं चुना जाना चाहिए? मुख्यमंत्री रहते हेमंत सोरेन जिस तरह 41 घंटे 'लापता' रहे। राज्यपाल और शीर्ष नौकरशाहों और पुलिस अधिकारियों को उनका कोई सुराग नहीं था। सुरक्षा एजेंसियों के पसीने छूट गए कि आखिर मुख्यमंत्री कहां गए? रांची से दिल्ली, दिल्ली से कोलकाता तक चार्टर विमान और फिर सडक़ मार्ग से रांची तक लौटना...मुख्यमंत्री को इसकी जरूरत क्या थी? यदि उन्हें कोई निजी काम था, तब भी सुरक्षा-काफिला मुख्यमंत्री के संग चलना चाहिए था। सवाल मुख्यमंत्री की सुरक्षा का है, जो राज्य के सर्वोच्च कार्यकारी संवैधानिक चेहरा हैं। 'लापता' होने पर माना जा सकता है कि दाल में बहुत कुछ काला है। ईडी उन्हें दिल्ली में ही गिरफ्तार कर सकती थी। मुख्यमंत्री के दिल्ली आवास से 36.34 लाख रुपए, बीएमडब्ल्यू एसयूवी कार और घोटालों से जुड़े कुछ दस्तावेजी कागजात ईडी ने बरामद किए हैं। बहरहाल यह ईडी जांच करेगी, लेकिन हमारा सरोकार जनादेश के वंशवाद से है, जिस पर हमने कुछ चिंतित सवाल उठाए हैं।

> पार्टी लोकतंत्र और संविधान पर इससे क्रूर मजाक नहीं हो सकता। काफी पुरानी बात हो गई, जब देवीलाल को केंद्र में उपप्रधानमंत्री बनाया गया था, तो उनके ज्येष्ठ पुत्र ओमप्रकाश चौटाला को हरियाणा का मुख्यमंत्री बना दिया गया था। उनके चुनाव को लेकर उस दौर में कई 'महम' हुए। प्रधानमंत्री रहते हुए इंदिरा गांधी की हत्या की गई, तो तत्कालीन राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह ने राजीव गांधी को प्रधानमंत्री पद की शपथ दिला दी थी। वह सांसद भी नहीं थे। हालांकि कुछ माह बाद लोकसभा चुनाव हुए, तो राजीव गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ने 414 सीटें जीतीं। बहरहाल हेमंत सोरेन के संदर्भ में उनकी पत्नी को मुख्यमंत्री बनाया गया, तो वह जनादेश का एक और वंशवाद होगा। सवाल यह है कि पार्टी के भीतर किसी अन्य वरिष्ठ विधायक को मुख्यमंत्री क्यों नहीं चुना जाना चाहिए? मुख्यमंत्री रहते हेमंत सोरेन जिस तरह 41 घंटे 'लापता' रहे। राज्यपाल और शीर्ष नौकरशाहों और पुलिस अधिकारियों को उनका कोई सुराग नहीं था। सुरक्षा एजेंसियों के पसीने छूट गए कि आखिर मुख्यमंत्री कहां गए? रांची से दिल्ली, दिल्ली से कोलकाता तक चार्टर विमान और फिर सडक़ मार्ग से रांची तक लौटना...मुख्यमंत्री को इसकी जरूरत क्या थी? यदि उन्हें कोई निजी काम था, तब भी सुरक्षा-काफिला मुख्यमंत्री के संग चलना चाहिए था। सवाल मुख्यमंत्री की सुरक्षा का है, जो राज्य के सर्वोच्च कार्यकारी संवैधानिक चेहरा हैं।

कांग्रेस इस सत्य को अभी समझने में पूरी तरह असमर्थ दिखाई दे रही है

भाजपा से लड़ने के लिए एकत्रित हुए विपक्षी दल आपस में ही लड़ते नजर आ रहे हैं

सुरेश हिंदुस्तानी

> केंद्र में विपक्ष की राजनीति करने वाली कांग्रेस सहित तमाम क्षेत्रीय दल एक साथ चलने का राग अलाप रहे हैं, लेकिन वर्तमान राजनीतिक शैली को देखते हुए सहज ही यह सवाल देश के वातावरण में अठखेलियाँ कर रहा है कि क्या आज की स्थिति और परिस्थिति को देखते हुए विपक्ष की भूमिका निभाने वाले राजनीतिक दल एक होकर चुनाव लड़ पाएंगे। यह सवाल इसलिए भी उठ रहा है, क्योंकि सारे दल इस जोर आजमाइश में लगे हैं कि किसको कितनी सीट दी जाएं। इस बारे में कांग्रेस के समक्ष बड़ी विकट स्थिति निर्मित होती जा रही है।

आजकल वर्तमान केंद्र सरकार को सत्ताच्युत करने के सपने देखने की राजनीति गरम है। केंद्र में विपक्ष की राजनीति करने वाली कांग्रेस सहित तमाम क्षेत्रीय दल एक साथ चलने का राग अलाप रहे हैं, लेकिन वर्तमान राजनीतिक शैली को देखते हुए सहज ही यह सवाल देश के वातावरण में अठखेलियाँ कर रहा है कि क्या आज की स्थिति और परिस्थिति को देखते हुए विपक्ष की भूमिका निभाने वाले राजनीतिक दल एक होकर चुनाव लड़ पाएंगे। यह सवाल इसलिए भी उठ रहा है, क्योंकि सारे दल इस जोर आजमाइश में लगे हैं कि किसको कितनी सीट दी जाएं। इस बारे में कांग्रेस के समक्ष बड़ी विकट स्थिति निर्मित होती जा रही है। क्योंकि जहां एक ओर कांग्रेस के नेता राहुल गांधी कांग्रेस के अस्तित्व को बचाने के लिए एक और राजनीतिक यात्रा पर निकल चुके हैं, वहीं दूसरी ओर क्षेत्रीय दल कांग्रेस को कोई भाव नहीं दे रहे। इसके पीछे का कारण स्वयं कांग्रेस की राजनीति ही है। क्योंकि उसके नेताओं को न तो अपनी वास्तविक स्थिति का ज्ञान है और न ही उसके नेता वैसा आचरण ही कर रहे हैं। इसी कारण आज क्षेत्रीय दल कांग्रेस से ज्यादा प्रभावशाली हैं। वास्तविकता यह है कि कांग्रेस को क्षेत्रीय दलों के सहारे की तलाश है और कांग्रेस इस सत्य को अभी समझने में पूरी तरह असमर्थ दिखाई दे रही है। देश में चल रहे राजनीतिक घटनाक्रम के बाद यह लगने लगा है कि केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार पुनः आसीन होने की ओर अग्रसर है। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि केंद्र की सरकार ने जो काम किए हैं उनके प्रति भारत की जनता का जुड़ाव दिखाई देता है। इसी कारण भाजपा को सत्ता में आने से रोकने के लिए जहां देश में विपक्ष के राजनीतिक दल एकता के लिए प्रयास करते दिखाई दे रहे थे, अब उन प्रयासों में बहुत बड़ा पेंच सामने आ गया है। यह पेंच इसलिए भी स्थापित हुआ है क्योंकि कांग्रेस को सारे क्षेत्रीय दल आंखें दिखाने की अवस्था में दिखाई देने लगे हैं। इसके पीछे क्षेत्रीय राजनीतिक दलों का अस्तित्व बचाने का तर्क दिया जा सकता है, लेकिन सत्य यह भी है कांग्रेस वर्तमान में बहुत कमजोर हो गई है। इसलिए कांग्रेस को मन मुताबिक सीट देने को कोई भी दल तैयार नहीं है। पश्चिम बंगाल में एक तरफ ममता बनर्जी कांग्रेस को उसकी स्थिति के अनुसार सीट देने को तैयार नहीं हैं। वहीं उत्तर प्रदेश में

भी समाजवादी पार्टी कांग्रेस को ज्यादा सीट देने के मूड में नहीं है। इंडी गठबंधन के लिए रही सही कसर पर नीतीश कुमार ने बिहार में कांग्रेस की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। इस राजनीतिक घटनाक्रम के बाद स्वाभाविक रूप से विपक्षी एकता के गठबंधन को बहुत बड़ा आघात लगा है। उल्लेखनीय है कि नीतीश कुमार विपक्षी गठबंधन की एकता के एक बड़े नेता के रूप में स्थापित हुए थे, मगर कांग्रेस द्वारा महत्व नहीं दिए जाने के कारण नीतीश कुमार ने अपनी अलग राजनीतिक राह निर्मित कर ली। वर्तमान में राजनीति रूप से अस्तित्व बचाने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रहे विपक्षी दलों के समक्ष एक बार फिर से अपनी एकता को बनाए रखने के लिए चुनौतियों का पहाड़ स्थापित होता दिखाई दे रहा है। जहां तक विपक्षी एकता की बात है तो आज के हालात को देखते हुए निश्चित ही यह कहा जा सकता है कि जितने मुंह उतनी बातें हो रही हैं। विपक्ष के सारे दल किसी न किसी रूप में अपनी महत्वाकांक्षा को प्रदर्शित कर रहे हैं। तू डाल डाल, मैं पात पात वाली कहावत को चरितार्थ करते हुए कांग्रेस सहित क्षेत्रीय दल अपनी पहचान बनाए रखने के लिए एक दूसरे को आंखें दिखा रहे हैं। इससे एक बात पूरी तरह से स्पष्ट हो जाती है कि कांग्रेस के नेतृत्व को कोई भी दल सर्वसम्मति से स्वीकार करने की स्थिति में नहीं है। लेकिन कांग्रेस का रवैया ऐसा दिखाई दे रहा है, जैसे उनका ही दल सब कुछ है। पश्चिम बंगाल और पंजाब की राजनीतिक स्वरों के निहितार्थ तलाशे जाएं तो यह कहने में कोई अतिरेक नहीं होगा कि कांग्रेस इन राज्यों में अपेक्षाकृत प्रदर्शन नहीं कर पाएगी। ऐसा इसलिए भी संभव है, क्योंकि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी का आधार और प्रभाव है और वह किसी भी प्रकार से अपने प्रभाव को कमजोर करने का काम नहीं करेंगी, क्योंकि ममता के पास पश्चिम बंगाल के अलावा कहीं भी राजनीतिक जमीन नहीं है। ऐसा ही पंजाब में आम आदमी पार्टी के बारे में कहा जा सकता है। इन दोनों दलों का व्यापक प्रभाव इन्हीं राज्यों में है, जिसे वह खोना नहीं चाहते। आज भले ही कांग्रेस की ओर से विपक्षी एकता के प्रयास किए जा रहे हों, लेकिन इन प्रयासों की सफलता तभी संभव है, जब कांग्रेस द्वारा अन्य राजनीतिक दलों की महत्वाकांक्षाओं को स्वीकार किया जाए, लेकिन कांग्रेस के वर्तमान रवैए को देखते हुए ऐसा संभव नहीं लगता। एक समय गठबंधन के मुख्य सूत्रधार कहे जाने वाले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के भाजपा की तरफ कदम बढ़ाने की कवायद को विपक्षी एकता के लिए जबरदस्त आघात के रूप में ही देखा जा रहा है। ऐसा करने के पीछे अनुमान यही है कि भारतीय जनता पार्टी ने अपनी स्वीकारोक्ति में वृद्धि की है। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण भले ही न्यायालय के आदेश पर हुआ हो, लेकिन इसके लिए भाजपा के योगदान को आज पूरा देश जानता है। आज बिहार की राजनीति का अध्ययन किया जाए तो यह कहना ठीक ही होगा कि वहां भले ही राष्ट्रीय जनता दल और जनता दल युनाइटेड के बीच बेमेल गठबंधन बनाकर सरकार का संचालन किया जा रहा था, लेकिन इन दोनों दलों के बीच विचारों की एकता नहीं थी। दोनों ही दल अपनी अपनी दाल पकाने में व्यस्त रहे। कहा तो यह भी जा रहा है कि लालू प्रसाद यादव अपने पुत्र को मुख्यमंत्री की कुर्सी पर विराजमान करने की राजनीति करने लगे थे। इसी प्रकार की स्थिति उत्तर प्रदेश की है, जहां कांग्रेस की राजनीतिक जमीन शून्यता की ओर कदम बढ़ा रही है। ऐसे में समाजवादी पार्टी कांग्रेस को उतना महत्व नहीं देगी, जितना वह चाहती है। इस प्रकार की परिस्थिति के बीच कांग्रेस अपने राजनीतिक भविष्य की तस्वीर में किस प्रकार से रंग भरेगी, यह फिलहाल टेढ़ी खीर ही कही जाएगी। कुल मिलाकर यही कहा जाएगा कि विपक्ष की एकता जो प्रयास किए जा रहे हैं, उसके समक्ष एक एक करके बड़े अवरोध भी स्थापित हो रहे हैं। इस अवरोधों का सामना करने की हिम्मत एकता से ही संभव हो सकती थी, जो फिलहाल असंभव-सा ही लग रहा है। ऐसा लगने लगा है विपक्षी एकता के प्रयास तार-तार हो रहे हैं।

दृष्टि कोण

कैसे मिटेगा अमीरी-गरीबी का अंतर

वैश्विक जनसंख्या का एक बहुत बड़ा हिस्सा आज भी गरीबी रेखा से नीचे जीवन-यापन करने के लिए विवश है और विश्व की आर्थिक प्रगति का कोई लाभ उसे नहीं मिल रहा है। विश्व में बढ़ती आर्थिक असमानता के कारण कई प्रकार की सामाजिक और आर्थिक विसंगतियां उत्पन्न हो रही हैं। अमीर और गरीब के बीच बढ़ती खाई आज एक वैश्विक सत्य है। विश्व बैंक के अनुसार किसी को उसके कल्याण से वंचित रखना भी गरीबी का ही एक रूप है। इसमें कम आय और आत्मसम्मान से जीने के लिए मूलभूत सेवाओं को ग्रहण करने की अक्षमता शामिल होती है। स्तरहीन शिक्षा और स्वास्थ्य, स्वच्छ जल और साफ-सफाई की अनुपलब्धता तथा अभिव्यक्ति का अभाव भी निर्धनता के स्पष्ट लक्षण होते हैं। अमरीकी फर्म ऑक्सफैम ने अपनी रिपोर्ट में इस बात का जिक्र किया है कि विगत तीन वर्षों में कोरोना, रूस-यूक्रेन युद्ध और अत्यधिक महंगाई के चलते जहां गरीबों की मुश्किलें बढ़ी हैं, वहीं अमीरी-गरीबी के बीच खाई और बढ़ती जा रही है। इस रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के पांच सबसे अमीर शख्स, जिनमें एलन मस्क, बर्नार्ड अरनॉल्ट, जेफ बेजोस, लैरी एलिसन और मार्क जुकरबर्ग शामिल हैं, की 2020 के बाद से संपत्ति दोगुनी होकर 869 बिलियन डालर पर पहुंच गई है, जबकि इसी अवधि में दुनिया में पांच अरब लोग और गरीब हो गए हैं। रिपोर्ट में यह भी चेतावनी दी गई है कि अगर अमीर और गरीबों के बीच यह आर्थिक असमानता और मौजूदा रुझान जारी रहा, तो अगले 229 वर्षों तक विश्व से गरीबी खत्म नहीं होगी। ऑक्सफैम सर्वे के मुताबिक 52 देशों के लगभग 80 करोड़ श्रमिकों की औसत वास्तविक मजदूरी में गिरावट आई है। इन श्रमिकों को पिछले दो वर्षों में संयुक्त रूप से 1.5 ट्रिलियन डालर का नुकसान हुआ है। ऑक्सफैम ने कहा कि लेटेस्ट गिनी इंडेक्स, जो असमानता को मापता है, से पता चला है कि वैश्विक आय असमानता के मामले में दक्षिण अफ्रीका दुनिया में सबसे अधिक आर्थिक असमानता वाला देश है। वहीं दूसरी तरफ भारत में नीति आयोग के विरोधाभासी आंकड़े बताते हैं कि देश की 31 फीसदी आबादी के पास टॉयलेट नहीं हैं। देश के हर नागरिक को अपना घर और स्वच्छता के लिए शौचालय बनाने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्त्वाकांक्षी प्रधानमंत्री आवास योजना पिछले 10 सालों से चल रही है। लेकिन अभी भी देश में 41.3 फीसदी लोगों के पास अपना मकान नहीं है, जबकि 31 फीसदी लोग ऐसे हैं, जिनके पास टॉयलेट नहीं हैं। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार देश में 44 फीसदी लोग आज भी बिना रसोई गैस कनेक्शन के जीवनयापन कर रहे हैं। इसमें बिहार में सबसे ज्यादा गरीबी और केरल में सबसे कम बताई गई है। गत दिनों जारी नीति आयोग की ही एक रिपोर्ट में कहा गया था कि मोदी सरकार के नौ साल के कार्यकाल (2014-23) में 24.82 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर निकले हैं। उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश में गरीबी दर में सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई। नीति आयोग की तरफ से मल्टीडाइमेंशनल पावर्टी इन इंडिया (एमपीआई) के नाम से जारी रिपोर्ट के मुताबिक सबसे अधिक उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश व राजस्थान के लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर निकले हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2013-14 में देश की 29.17 प्रतिशत आबादी एमपीआई के हिसाब से गरीब थी। वित्त वर्ष 2022-23 में सिर्फ 11.28 प्रतिशत लोग एमपीआई के हिसाब से गरीब रह गए हैं। नीति आयोग ने देश की आबादी को 138 करोड़ मानकर एमपीआई तैयार किया है। इस हिसाब से अब लगभग 15 करोड़ लोग एमपीआई मानक से जुड़ी सुविधाओं से वंचित रह गए हैं। नीति आयोग के अनुसार पोषण अभियान व एनीमिया मुक्त भारत अभियान से स्वास्थ्य सुविधा बढ़ाने में मदद मिली है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, उज्ज्वला योजना, सभी घरों में बिजली के लिए सौभाग्य योजना, जल जीवन मिशन व जन-धन खाते की सुविधा जैसी योजनाओं से भी लोगों को गरीबी से ऊपर लाने में मदद मिली है। एमपीआई निकालने के लिए 12 मानकों को शामिल किया गया था, जिनमें पोषक तत्व, बच्चे की मृत्यु दर, माताओं का स्वास्थ्य, बच्चों के स्कूल जाने की उम्र, स्कूल में उनकी उपस्थिति, रसोई ईंधन, स्वच्छता, पेयजल, बिजली, आवास, संपदा व बैंक खाता आदि शामिल हैं। इसमें प्रति व्यक्ति आय शामिल नहीं है। वहीं ऑक्सफैम इंटरनेशनल के अंतरिम कार्यकारी निदेशक अमिताभ बेहर का कहना है कि, यह असमानता कोई आकस्मिक घटना नहीं है, बल्कि अरबपति वर्ग यह सुनिश्चित करने में लगा है कि बाकी सभी की कीमत पर उनका फायदा होता रहे। उनका सुझाव है कि इसके लिए सरकारों को बड़े धन्नासेठों के एकाधिकार को तोडने, श्रमिकों को सशक्त बनाने, बड़े कॉर्पोरेट उद्योगपतियों के मुनाफे पर कर लगाने और महत्वपूर्ण रूप से सार्वजनिक वस्तुओं और सेवाओं में निवेश करने के लिए हस्तक्षेप करना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने का लक्ष्य रखा है। प्रति व्यक्ति आय के हिसाब से भारत का दुनिया में 139वां स्थान है। ब्रिक्स और जी-20 देशों में भारत सबसे गरीब है।

कुछ अलग

नई जागृति की तलाश

बूढ़ा हो जाने के बाद आदमी कितनी सफाई से झूठ को सच बना कर बोल लेता है। लगता है इतना बूढ़ा हो गया है। सच ही कह रहा होगा। हो सकता है वास्तव में इसने जीवन में इतनी ही उपलब्धियां हासिल कर ली हों! इसका जीवन एक शाहकार बन कर गुजरा हो। वास्तव में क्यों न इसकी बात मान ही लो कि दुनिया में सबसे अकलमंद गदहा होता है, और सबसे सुखी जीव सुअर है। जो बात एक बूढ़े होते आदमी के लिए सही है, वही बात एक बूढ़े हो गए देश के लिए भी सही है। एक झूठ को दस बार सच कह कह दुहरा दो, तो वह वास्तव में सच ही लगने लगता है। हम अपने देश की रगों में दौड़ते उद्दाम यौवन की कल्पना करते हैं, तो लगता है वास्तव में देश बुढ़ापा त्याग फिर से जवान हो उठा। काव्य पंक्तियां क्यों दुहराएं कि 'बूढ़े भारत की रगों में फिर से आई नई जवानी थी।' इसी से लगता है सैकड़ों बरस पुराने भारत के जीर्ण-शीर्ण मूल्य खंडित हो गए। नए मूल्यों ने, नए बदलाव ने फिर जन्म ले लिया। देश चिरयुवा हो उठा चिल्ला-चिल्ला कर उठाए गए नारे एक नया सच बन कर उभर आए। तुम कहते हो भूख, बेकारी और महंगाई बढ़ गई। अरे महसूस तो करो, तुम्हारी भूख मिट गई। देश खुल गया है, बेकार हाथों को काम मिल गया। और महंगाई की दिक्कत की बात न करना। आर्थिक विकास दर के गिर कर ऋणात्मक होने की बात न करना, सकल घरेलू उत्पादन में रिकार्ड कमी आई, इसकी बात न करना। मौन रहो। तालियां बजाना सीखो। हमने बता तो दिया है कि कोरोना का भय कब का खत्म हो गया है। देश की आर्थिक गतिविधियां तेजी से चल रही हैं। महाचुनावों से पहले-पहले अब आर्थिक विकास दर भी बढ़ेगी, सकल घरेलू उत्पादन की कमी दूर हो जाएगी। बस थोड़ा सा धीरज रखने का इंतजार करने की जरूरत है, सब सही हो जाएगा, अच्छे दिन लौट आएंगे। बस यही तो तुम इस देश के लोग कर नहीं पाते। प्रशासन को भला-बुरा कहने लगते हो। भाई जान, बस तीन बरस की तो बात है। इसके बाद महाचुनाव होंगे। हमारे भाल फिर से तिलक लगा देना। ऐसी-वैसी महामारियों को तो तम हम यूं ही पस्त कर देंगे। अभी तुम नौकरियों के पीछे भागते हो, फिर नौकरियां हाथ बांध कर तुम्हारे पीछे-पीछे चली आएंगी। हमने अच्छे दिन लाने का वायदा कर रखा है। ये अवश्य मिलेंगे, बस सत्ता की गद्दी पर जमने का हमें स्थायी मौका दे दो, इस देश के महाभ्रष्टाचारी और रिश्वतखोर होने का कलंक हटा कर दम लेंगे। अभी भ्रष्टाचार सूचकांकों ने बताया कि यह नहीं मिटा, बल्कि भ्रष्ट आचरण का रोग कुछ और गंभीर हो गया। चिंता न करो, इसे मिटाने के हमारे गम्भीर प्रयास जारी हैं। हर बड़ी और अच्छी चीज घटने में वक्त लगता है, हमें और हमारे कुनबे को वक्त दो, और तुम हम पर कुनबापरस्ती के आरोप न लगाओ। अब देखो न तुम लोग पैट्रोल, डीजल और ईंधन गैस की आकाश छूती कीमतों की प्रताडऩा का विरोध कर रहे थे, वो भी कम हो तो गईं। दुनिया भर में इसकी कीमतें बढ़ रही हैं, फिर कम्पनियों के प्रॉफिट मारजिन और केन्द्र एवं राज्यों के कर स्रोतों को बना कर रखना भी जरूरी है। आगे चलकर इसका भी विकल्प ला रहे हैं, विद्युत कारों की भरमार कर देंगे, जो पैट्रोल और डीजल कारों की जगह लेंगी। मांग घटेगी, सब सस्ता हो जाएगा। समझ लो समस्याओं का समाधान विकल्प के अलादीन का चिराग करता है। अब किसानों की आय बढ़ाने के लिए भी तो निजी खुली मंडियों का विकल्प दिया ही है। अजी असल काम तो नई समझ, नव जागरण पैदा करने की है। अच्छे दिन तो बाद में आते ही रहेंगे।

देश दुनीया से

मोदी सरकार के तीसरी बार सत्ता में वापसी के भरोसे की झलक

> अंतरिम बजट में यह संदेश भी निहित है कि पूरी दुनिया में भारतीय अर्थव्यवस्था पूरी दमदारी से आगे बढ़ रही है और ऐसे ही बढ़ती रहेगी। चूंकि यह अंतरिम बजट था, इसलिए इसमें किसी तरह की लोक लुभावन योजनाओं की घोषणाओं की उम्मीद किसी को भी नहीं थी। खुद वित्त मंत्री ने कहा कि हमने अंतरिम बजट की परंपरा को जारी रखते हुए अंतरिम बजट में किसी तरह की लोकलुभावन घोषणाएं करने से परहेज किया है। हालांकि, बजट में थोड़ी बहुत राहतें तो हैं। पूरा बजट मोदी सरकार दो माह बाद लोकसभा चुनाव में नया जनादेश लेकर प्रस्तुत करेगी।

केन्द्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमन ने अपने छठे बजट और पहले अंतरिम बजट को पेश करते हुए साफ संदेश दिया कि मोदी सरकार तीसरी बार सत्ता में आने को लेकर पूरी तरह न सिर्फ आश्वस्त है बल्कि देश की अर्थव्यवस्था जो रोड मैप उसने अब तक तैयार किया है, उसी पर आगे बढ़ने के लिए भी दृढ़ संकल्प है। इस अंतरिम बजट में यह संदेश भी निहित है कि पूरी दुनिया में भारतीय अर्थव्यवस्था पूरी दमदारी से आगे बढ़ रही है और ऐसे ही बढ़ती रहेगी। चूंकि यह अंतरिम बजट था, इसलिए इसमें किसी तरह की लोक लुभावन योजनाओं की घोषणाओं की उम्मीद किसी को भी नहीं थी। खुद वित्त मंत्री ने कहा कि हमने अंतरिम बजट की परंपरा को जारी रखते हुए अंतरिम बजट में किसी तरह की लोकलुभावन घोषणाएं करने से परहेज किया है। हालांकि, बजट में थोड़ी बहुत राहतें तो हैं। पूरा बजट मोदी सरकार दो माह बाद लोकसभा चुनाव में नया जनादेश लेकर प्रस्तुत करेगी। लेकिन वह भी अंतरिम बजट का विस्तार होगा, जिसमें देश में 'विकसित भारत' की अवधारणा के साथ देश के आर्थिक विकास का रोड मैप होगा। छोटा होने के बाद भी इस अंतरिम बजट में पूर्ण भावी बजट के संकेत छुपे है। शायद इसीलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि यह देश के निर्माण का बजट है। हालांकि, इस का यह अर्थ कदापि नहीं है कि इस बजट के माध्यम से देश की प्रमुख समस्याओं जैसे कि बढ़ता कर्ज, बेरोजगारी, गरीबी, महंगाई आदि का निदान हो जाएगा। लेकिन अगर दुनिया के बाकी देशों की अर्थव्यवस्थाओं के संकट के संदर्भ में देखें तो वित्तमंत्री निर्मला सीतारमन ने देश की गुलाबी तस्वीर पेश करने का भरपूर प्रयास किया है। यह भी सच है कि देश की विभिन्न आंतरिक और बाहरी समस्याओं के बाद भी भारत की आर्थिकी अपनी चाल से आगे बढ़ रही है। विशेषज्ञों के अनुसार बजट में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है कि लोगों के हाथ पैसा आए। लेकिन पूर्ण बजट में हमे ऐसे प्रावधान देखने को मिल सकते हैं। यूं यह बजट अपने साथ कुछ रिकॉर्ड भी बना गया है। पहला तो देश की दूसरी महिला वित्त मंत्री होते हुए लगातार छठी बार बजट पेश करने का और अपने ही पूर्ववर्ती भाषणों की तुलना में सबसे छोटा यानी 58 मिनट का भाषण देने का कीर्तिमान भी उन्हीं के नाम है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2019 में दूसरी बार सत्ता में वापसी के बाद जब निर्मला सीतारमन को अपना वित्त मंत्री बनाया था, तब उनकी क्षमताओं को लेकर कई सवाल भी तैर रहे थे, क्योंकि इस देश में कुछ समय के लिए वित्त मंत्री के रूप में पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी का कार्यकाल छोड़ दें तो वित्त विभाग पुरूषों का अधिकार क्षेत्र रहा है। एक त्रासदी यह भी रही कि निर्मला सीतारमन के वित्त मंत्री बनने के एक साल बाद ही देश को कोविड से जूझना पड़ा, जिससे देश की आर्थिकी काफी गड़बड़ाई। लेकिन अब यह कहने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए कि कोविड के बाद वे फिर देश की आर्थिकी को काफी हद तक पटरी पर ले आई हैं

और यह अंतरिम बजट भी आत्मविश्वास से भरा है। यह अंतरिम बजट मुख्यतः आर्थिक विकास की गति को कायम रखने और गरीब कल्याण के भाव से प्रेरित है, जो मुख्य रूप से 4 सेक्टरों पर फोकस है। ये हैं- गरीब, महिलाएं, युवा और किसान। सरकार को मालूम है कि चुनाव में मतदान की दृष्टि से इन्हीं वर्गों का महत्व सर्वाधिक है और इनके वोटों से ही सरकार के सत्ता में लौटने की आश्वस्ति भी बनती है। लिहाजा यह राजनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। केन्द्रीय वित्तमंत्री ने दावे के साथ कहा कि मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों के कारण देश में गरीबी घट रही है। सरकार ने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है। गरीब कल्याण योजना में ₹ 34 लाख करोड़ खातों में भेजे। इसी तरह वित्तमंत्री ने दावा किया आज देश में करीब 1 करोड़ महिलाएं लखपति दीदी बनीं हैं, अब 3 करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य है। युवाओं में कौशल विकास का जिक्र करते हुए वित्तमंत्री ने कहा कि देश में तीन हजार नए आईआईटी खोले गए हैं। 54 लाख युवाओं को प्रशिक्षित किया गया है। एशियाई खेलों में भारत के युवाओं को कामयाबी मिली है। अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र के योगदान और रोजगार की दृष्टि से लागू पीएम किसान योजना का उल्लेख करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि इससे 11.8 करोड़ लोगों को आर्थिक मदद मिली है।

आप का नजरीया

विजन के अध्यायों से

विधायक प्राथमिकताओं के अध्याय जब वार्षिक योजना की बैठकों में खुलते हैं, तो हम देख सकते हैं कि जनप्रतिनिधि हमारे विकास के आईने के सामने क्या विजन रखते हैं। यह बजट की कसौटियों से पहले उस इच्छाशक्ति का प्रकटीकरण है, जिसके तहत हम हिमाचल की तस्वीर बदल सकते हैं। बहुत हो गईं सडक़ें, कार्यालय, इमारतें, पेयजल, विद्युत आपूर्ति और सिंचाई योजनाओं की बातें। ये कर्म चलते रहेंगे और विकास के ये पहिए सौ साल बाद भी ऐसे लक्ष्यों से मुलाकात करेंगे। असली इबारत तो चिंतन के धरातल को बदल कर लिखी जाए, तो क्रांति आएगी। विधायकों की बैठकें यूं तो विधानसभा क्षेत्रों की परिक्रमा करती रहीं, लेकिन कुछ जनप्रतिनिधि समय से आगे निकलने की कोशिश भी करते दिखे। यहां विधायक के खाके पांच साल के बाद भी अगर इंकलाब लिख रहे हैं, तो तारीफ होनी चाहिए वरना अब तो हिमाचल में एक विधानसभा क्षेत्र से दूसरे तक पेयजल योजना बनाने पर भी टकराव पैदा हो रहा है। सत्ता में बैठे मंत्री अब केवल अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र तक ही सिमट गए हों, तो राज्यव्यापी योजनाओं-परियोजनाओं की रूपरेखा कौन बनाएगा। ऐसे में आज भी बैठकों में विधायकों को अगर पौंग बांध विस्थापितों का दुखड़ा सुनाना पड़े या सीर खड्ड के तटीकरण की दरख्वास्त लिए अरदास करनी पड़े, तो हम कहीं गोल-गोल घूम कर वहीं के वहीं खड़े हैं। समूचे हिमाचल की खड्डों-नालों के तटीकरण पर एक राज्यव्यापी हुंकारा चाहिए, वरना इस साल की आपदा से हमने सीखा ही क्या। आज भी अगर ज्वालामुखी के विधायक को इस धार्मिक स्थान के लिए मास्टर प्लान की मांग करनी पड़ रही है, तो हमारी प्राथमिकताएं कहां घास चरती रहीं। आश्चर्य यह कि विधायकों की प्राथमिकताओं में लो वोल्टेज की शिकायत दर्ज हो रही है, जबकि राज्य ने न जाने कितने मुख्य अभियंताओं के क्षेत्रीय कार्यालय खोल दिए हैं। हम प्रति व्यक्ति कोई ऐसा आश्वासन नहीं दे पा रहे कि उसके जीने के लिए स्वच्छ व उपयुक्त पानी, बिजली आपूर्ति, सीवरेज, सडक़, बस सेवा और कृषि-बागबानी के साथ-साथ ग्रामीण आर्थिकी का विस्तार करेंगे। विधायक आज भी नए शिक्षा संस्थानों, चिकित्सा संस्थानों तथा अनेक नए कार्यालयों को खुलवाने के लिए प्रयासरत हैं, लेकिन सार्वजनिक सेवा क्षेत्र की कार्य संस्कृति को सुधारने के लिए सुझाव नहीं दे पा रहे। इंदौरा के विधायक ने जरूर पुराने शैक्षणिक संस्थानों को सुदृढ़ करने की मांग रखी, वरना हर कार्यालय की इमारत के भीतर रिक्तियों की कमी का लेखा-जोखा दिया जा सकता था। कुछ विधायकों ने नशे और खनन पर चिंता प्रकट की, लेकिन 68 विधायकों ने इसके खिलाफ एक स्वर प्रतिज्ञा नहीं ली। पहाड़ को छीलते छीलते मिट्टी दरिया हो गई, लेकिन इस साल की भयानक प्राकृतिक आपदा के बाद कोई विधायक अपनी प्राथमिकता का सूत्रधार बनकर कारणों के समाधान तथा पर्यावरण की रक्षा के लिए आगे नहीं आया। हिमाचल में बाइस लाख पंजीकृत वाहनों व इतनी ही संख्या में आ रहे बाहरी वाहनों के परिप्रेक्ष्य में किसी जनप्रतिनिधि ने पार्किंग के लिए अपनी रुचि नहीं दिखाई।

सादिका खान का राम विरोधियों पर पलटवार

देश में नफरत फैला रहे हैं कट्टरपंथी

जम्मू (हिंस)। श्री अमरनाथ जी यात्रा वेलफेयर सोसाइटी की प्रदेश उपाध्यक्ष सादिका खान ने जम्मू के प्रेस क्लब में गुरुवार को पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान प्रभु श्री राम मेरे सपने में आए थे और मुझे उन्होंने अयोध्या बुलाया था। इस बात में तनिक भी राजनीति नहीं है मैं बचपन से ही एक फौजी परिवार में जन्मी हूं और मेरा कलर मेरे परिवार हमेशा चंडीगढ़ में हिंदू फैमिली परिवारों के साथ मिलजुल कर रहे हैं। मैं हमेशा ही माता के जागरण आदि में बढ़-चढ़कर के हिस्सा लिया करती थी और मेरे परिवार के लोग भी और मैं पिछले 12 सालों से श्री अमरनाथ जी यात्रा वेलफेयर सोसाइटी में लंगर लगाने का जम्मू से लेकर कश्मीर तक कार्य कर रही हूं और देश के तमाम कोणों से आए शिव भक्तों की सेवा करती हूं। सादिका खान ने कहा कि जब प्रभु श्री राम ने मुझे अयोध्या बुलाया था तो तभी से कट्टरपंथियों ने मुझे तथा मेरे परिवार को लगातार प्रता?ित किया है और मुझे धमकियां भी मिल रही हैं लेकिन मैं किसी भी कट्टरपंथी के सामने झुकने वाली नहीं। मेरा मानना है कि राम और रहीम सब एक ही हैं, रब एक है, परमात्मा एक है। जब तक हम अपने दिलों से यह नफरत की भावनाएं नहीं निकालते तब तक पूरे विश्व में अमन चैन नहीं फैलेगा और मैंने अयोध्या जाकर आपसी भाईचारे का संदेश दिया है और नफरत को मिटाने की एक कोशिश की है। मेरे घर का खर्च कट्टरपंथी जमाती के लोग नहीं चलाते, मैं एक बिजनेसमैन लेडी हूं और मेहनत करके खाती हूं सिर्फ मेरा खुदा और मेरा परमात्मा मेरा साथ देता है मेरा परिवार साथ देता है तभी मैं इतनी तरक्की कर रही हूं। मुझे किसी की धमकी की कोई परवाह नहीं है। आज मैं खुलेआम उन कट्टरपंथियों को कहना चाहती हूं कि नफरत का माहौल इस देश से पूरी तरह खत्म करें तभी आपस में भाईचारा बढ़ेगा और इंसानियत कायम रहेगी इस मौके पर श्री अमरनाथ जी यात्रा वेलफेयर सोसाइटी जम्मू कश्मीर प्रदेश अध्यक्ष अक्षित महाजन ने सादिका खान के हौंसले को सलाम करते हुए उनकी तारीफ की और कहा कि सादिका खान एक बहादुर, साहसी महिला हैं जो हिंदू मुस्लिम के बीच एकता की नींव रख रही हैं और आपसी भाईचारे को कायम करने वाला कार्य किया है। आज हमें अपनी संस्था और इन पर पूरा फक्र है और गर्व महसूस करते हैं कि वह इतनी बहादुरी के साथ जम्मू से लेकर अयोध्या तक अकेले गाड़ी ड्राइव कर भगवान प्रभु श्री राम के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल हुई और भगवान श्री राम का आशीर्वाद लिया और एक भाईचारे का संदेश दिया। महाजन ने आगे बोलते हुए कहा कि अयोध्या मंदिर तो मात्र अभी झांकी है मथुरा, काशी अभी बाकी है। उन्होंने माननीय अदालत द्वारा ज्ञानवापी मंदिर में पूजा अर्चना किए जाने की इजाजत दिए जाने पर माननीय अदालत का धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि हमें उम्मीद है कि जल्द से जल्द ज्ञानवापी में हम भगवान भोलेनाथ का ऐतिहासिक मंदिर बना पाएंगे और कट्टरपंथी तबलीकी जमात के लोग देखते रह जाएंगे।

केंद्रीय बजट सकारात्मक एवं स्वागत योग्य : मुख्यमंत्री

पटना (हिंस)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने केंद्र सरकार के अंतरिम बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह बजट सकारात्मक एवं स्वागत योग्य है। सीएम ने कहा कि सरकार मध्यम वर्ग के लिए विशेष आवास योजना लाएगी, जिसके तहत किराए के घरों एवं झुग्गी बस्तियों में रहने वाले लोगों को आवास का लाभ मिल सकेगा। यह स्वागत योग्य कदम है सीएम ने कहा कि बजट में उच्च शिक्षा के लिए लोन की राशि बढ़ाई गई है, जिससे युवाओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने में सहूलियत होगी। तीन नए रेलवे इकोनॉमिक कॉरिडोर की शुरुआत होने से देश का आर्थिक विकास और तीव्र गति से हो सकेगा। इससे लॉजिस्टिक्स एफिशिएंसी में सुधार होगा और लागत में कमी आएगी।

टैक्स में कोई बदलाव या राहत नहीं देना केंद्र सरकार की आर्थिक विफलता : डॉ. तारानंद सादा

सहरसा (हिंस)। देश के केंद्रीय वित्तमंत्री द्वारा संसद में पेश किए गए अंतरिम बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस ने बजट को निराशाजनक बताया है। अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सदस्य और वरीय नेता डॉ. तारानंद सादा ने कहा कि मोदी गरीब का बेटा कह कर प्रधानमंत्री बन गए और आज यह झूठा संत अडानी और अंबानी को नंबर वन बनाने में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा आज के बजट में किसानों, युवाओं, गरीबों, मजदूरों, बेरोजगारों और मध्यम परिवारों के लिए इस बजट मे कुछ भी नहीं है। आज के बजट से मंहगाई और बढ़ेगी साथ ही विकास का पहिया रुकेगा। सादा नें कहा कि मोदीजी सरकार का बजट झूठ का पुलिंदा है। जिसमें 390 विश्व विद्यालय, 3000 आई टी आई, 07 आई आई टी और, 07 आई आई एम खोलने की बात कही गई है और 25 करोड़ गरीब को गरीबी से मुक्त करने की बात किया है। जबकि टैक्स में कोई बदलाव या राहत नहीं देना केंद्र सरकार की आर्थिक विफलता दर्शाता है। यह बजट नहीं बल्कि वित्त मंत्री द्वारा मोदीजी जी की झूठी गारंटी वाला भाषण है। उन्होने कहा कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर यह लोकलुभावन बजट है। जो आम जनता, गृहिणी महिलाओ, बेरोजगार युवाओ एवं किसान मजदूर को निराश करने वाला बजट है।

समाज के हर वर्ग को सौगात देने वाला बजट : आनंदीबेन पटेल

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने गुरुवार को लोकसभा में पेश अंतरिम बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह बजट देश के विकास को गति देने वाला है। यह बजट देश को अगले 03 वर्षों से भी कम समय में 05 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में सक्षम होगा। उन्होंने बजट को युवा एवं विकसित भारत की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करने वाला बताया।

राज्यपाल ने अंतरिम बजट की सराहना करते हुए कहा कि प्रस्तुत बजट नए भारत के राम राज्य वाला बजट है जो गरीब, महिला, युवा और अन्नदाता पर केंद्रित है, जिसमें समाज के हर वर्ग को सौगात दी गई है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार उच्च समृद्धि के साथ-साथ लोगों की आकांक्षाओं को पूर्ण करने के लिए आगे बढ़ रही है। राज्यपाल ने बजट को आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देते हुए कौशल विकास के साथ उद्यमशीलता को बढ़ावा देने वाला बताया और कहा कि इससे अर्थव्यवस्था में सुधार के साथ-साथ बड़ी संख्या में रोजगार सृजन भी संभव होगा। उन्होंने कहा कि बजट में आयुष्मान भारत योजना के दायरे में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों तथा आशा वर्करों को भी शामिल किए जाने तथा 08 वर्ष से 14 वर्ष की बालिकाओं के लिए सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण की नि:शुल्क व्यवस्था से महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार होगा।

आदिवासी मुख्यमंत्री को परेशान कर रही है भाजपा : सुदीप गुड़िया

खूंटी (हिंस)। झामुमो ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिराफ्तारी की कड़ी निंदा करते हुए आदिवासी मुख्यमंत्री के मध्यम से आदिवासियों को पीछे धकेलने का षड्यंत्र करार दिया है। पार्टी के जिला प्रवक्ता और केंद्रीय समिति सदस्य सुदीप गुड़िया ने बयान जारी कर कहा कि ईडी और सीबीआई केंद्र में भाजपा का सहयोगी बन कर कार्य करनेवाली संस्था बन गयी है। उन्होंने कहा कि जहां भाजपा कमजोर है, वहां ईडी को आगे कर जांच की आड़ में भ्रष्टाचार के नाम पर धमकाने का कार्य करती है। गुड़िया ने कहा कि जब कोई आरोपी भाजपा की सदस्यता ले लेता है तो उसे भ्रष्टाचार मुक्त नेता घोषित कर दिया जाता है। इसका उदाहरण है महाराष्ट्र के अजित पवार, जो करीब 70 हजार करोड़ रूपये के गबन का अरोपित थे, भाजपा के सहयोगी बन कर आज महाराष्ट्र में उप मुख्यमंत्री पद पर असीन हैं और ईडी ने फाइल बंद कर दी। उन्होंने कहा कि झामुमो की बढ़ती लोकप्रियता से भाजपा घबरा गयी और तरह-तरह तरह के हाथकंडे अपना कर हेमंत सोरेन और झामुमो को नुकसान पहुंचाने का कार्य कर रही है, लेकिन झामुमो के प्रति आदिवासी और मूलवासियों का विश्वास और भी मजबूत हुआ है। आनेवाले चुनाव में इसका परिणाम दिखेगा।

रेल रोकने जा रहे संगरूर के सांसद और उनके कई साथी हाउस अरेस्ट

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब पुलिस ने सोशल मीडिया एक्टिविस्ट भाना सिद्धू के समर्थन में रेल रोकने जा रहे संगरूर के लोकसभा सांसद सिमरनजीत सिंह मान व उनके समर्थकों को फतेहगढ़ साहिब में हाउस अरेस्ट कर लिया गया है। मान ने भाना सिद्धू की गिरफ्तारी के विरोध में गुरुवार को पंजाब के संगरूर में आंदोलन करने का एलान किया था। गुरुवार को शिरोमणि अकाली दल अमृतसर के अध्यक्ष एवं सांसद सिमरनजीत सिंह मान की चेतावनी को देखते हुए पुलिस ने सुबह करीब दस बजे मान और उनके समर्थकों को उस समय घर में नजरबंद कर दिया, जब वह रेल रोकने के लिए धरना स्थल पर जाने के लिए फतेहगढ़ साहिब के किला हरनाम सिंह नगर में स्थित आवास पर एकत्र हुए थे। उनके आवास के बाहर और आसपास पुलिस फोर्स तैनात कर इलाके को छावनी में बदल दिया गया। किसी को अंदर जाने और बाहर आने की इजाजत नहीं दी गई। इस हाउस अरेस्ट के विरोध में सांसद के निजी सचिव इकबाल सिंह ने कहा कि यह लोकतंत्र की हत्या है। पुलिस ने घेराबंदी कर सभी को अंदर ही बंद कर दिया है। सरकार आवाज दबाने की कोशिश कर रही है। भाना सिद्धू राज्य सरकार के खिलाफ पोस्ट करने के बाद चर्चा में आया था। एक महिला ट्रेवल एजेंट की शिकायत पर 20 जनवरी को भाना सिद्धू को गिरफ्तार कर लिया गया। इस केस में सिद्धू को जैसे ही जमानत मिली तो उसे एक और केस में गिरफ्तार कर लिया गया। उल्लेखनीय है कि सोशल वर्कर व ब्लॉगर भाना सिद्धू की गिरफ्तारी के विरोध में सांसद मान ने 1 फरवरी से धूरी में रेल रोको आंदोलन का एलान किया था।

पेट्रोल-डीजल को जीएसटी के दायरे में नहीं लाया गया : कांग्रेस

वाराणसी (हिंस)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरूवार को संसद के पटल पर अंतरिम बजट पेश किया। आम बजट को लेकर आम लोगों से लेकर व्यापारी समाज में भी उत्सुकता बनी रही। बजट पेश होने के बाद कांग्रेस ने तीखी प्रतिक्रिया दी। कांग्रेस ने अंतरिम बजट को चुनावी रंग में सराबोर बताया। पार्टी के स्थानीय महानगर अध्यक्ष राघवेन्द्र चौबे ने कहा कि वित्त मंत्री ने इनकम टैक्स स्लैब में 07 लाख की कमाई पर कोई टैक्स नही देने की घोषणा कर मध्यम वर्ग के लोगों को छलने का कार्य किया हैं। 07 लाख की आय कैसे होगी यह नही बताया हैं। वहीं, पेट्रोल-डीजल को जीएसटी के दायरे में लाना चाहिए था ताकि महंगाई पर लगाम लगती पर ऐसा नही हुआ, साथ ही व्यवसायी वर्ग को जीएसटी में सरलीकरण एवं सुधार की उम्मीद थी जो पूरी नही हुई। 23-24 का आखिरी आम बजट होने के कारण 2024 में होने वाली लोकसभा के चुनावी रंग में ये बजट सराबोर है। समाजवादी पार्टी के सहयोगी दल नेशनल इक्वल पार्टी के अध्यक्ष शशि प्रताप सिंह ने अंतरिम बजट को चुनावी जुमला बताया। शशिप्रताप ने कहा कि इस बजट में 2 करोड़ नौकरी हर साल नहीं दिखी। गरीब के हाथ को काम कैसे मिले बजट से नही दिखा। टैक्स में कोई रियायत नहीं है।

कांग्रेस का पुराना इतिहास है, गठबंधन को गिराने का काम करती है : भूपेंद्र सिंह चौधरी

मुरादाबाद (हिंस)। कांग्रेस का पुराना इतिहास रहा है वह हमेशा गठबंधन को गिराने का काम करती है। कुछ माह पहले आईएनडीआईए के नाम से तैयार हुआ गठबंधन भ्रष्टाचार और परिवार को बचाने के लिए किया गया था देश की व प्रदेश की जनता का गठबंधन मोदी और योगी से है। यह बातें भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह ने गुरुवार सुबह मुरादाबाद में पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहीं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह बुधवार को मुरादाबाद स्थित अपने आवास पर पहुंचे थे। प्रदेश अध्यक्ष ने जिला व महानगर भाजपा पदाधिकारी से गांव चलो अभियान, नमो ऐप अभियान और लोकसभा चुनाव को लेकर चल रही तैयारी को लेकर बातचीत की थी। एक दिन पहले समाजवादी पार्टी द्वारा लोकसभा चुनाव के प्रत्याशियों की जारी सूची पर चौधरी भूपेंद्र सिंह ने कहा कि सपा की सूची में परिवारवाद को प्राथमिकता दी

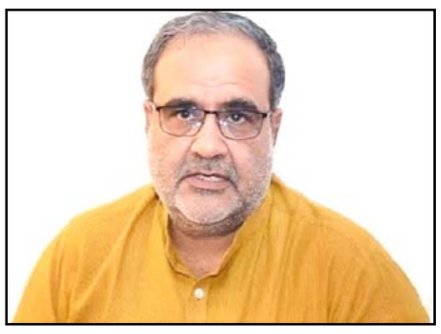

गई है यह सिर्फ एक परिवारवादी पार्टी हैं। इस मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष आकाश पाल, महानगर अध्यक्ष संजय शर्मा, नगर विधायक रितेश गुप्ता, महापौर विनोद अग्रवाल आदि अनेकों भाजपाई व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

एयर शो में सूर्यकिरण टीम ने आसमान में जमकर की स्टंटबाजी

बीकानेर (हिंस)। नाल एयरफोर्स स्टेशन पर एयर शो के दूसरे दिन गुरुवार को सूर्यकिरण टीम ने आसमान में जमकर स्टंटबाजी की। टीम ने दिल दहलाने वाली परफॉर्मेंस दी। *रेड लाइनिंग* वाले फाइटर प्लेन सुबह करीब दो घंटे तक कलाबाजियां करते नजर आए। न सिर्फ कलाबाजी बल्कि जोश और जज्बे का प्रदर्शन किया। एयरफोर्स और जिला प्रशासन की ओर से नाल एयरफोर्स स्टेशन के अंदर और आस-पास के गांवों के लोगों की भी नजर आसमान पर रही। एक के बाद एक फाइटर प्लेन आगे बढ़ते और फिर लौटकर आते। आने-जाने के बीच कुछ मिनट का ही अंतर होता। टीम ने विमान से अलग-अलग स्टंट कर दर्शकों को चकित कर दिया। चार सौ किलोमीटर प्रति घंटे स्पीड से विमानों को दौड़ाया फाइटर प्लेन आसमान में एक आकृति बनाते हुए आगे बढ़ते चले गए। वहीं प्लेन के पीछे छूट रहे सफेद धुएं से भी आकृति बना देते। टीम के सदस्यों ने करीब 10 फाइटर प्लेन के साथ चार सौ किलोमीटर प्रति घंटे स्पीड से आसमान में दौड़ लगाई। कभी एकदम टॉप पर तो कभी तेज स्पीड से जमीन की तरफ लुड़कते नजर आए। एयर शो देखने के लिए गुरुवार को आम आदमी आए। इस दौरान मोबाइल और भोजन सामग्री अंदर ले जाने की छूट नहीं थी। इससे पहले बुधवार को स्कूल स्टूडेंट्स एयर शो देखने आए थे।

ज्ञानवापी : हिंदू पक्ष को पूजा की अनुमति के खिलाफ मुस्लिम पक्ष पहुंचा हाईकोर्ट

प्रयागराज (हिंस)। अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी ने ज्ञानवापी परिसर के दक्षिण पूर्वी तहखाने में वाराणसी की जिला अदालत द्वारा मंदिर पक्ष को पूजा करने की अनुमति देने के आदेश के खिलाफ इलाहाबाद हाई कोर्ट में पुनरीक्षण याचिका दाखिल कर चुनौती दी है। दूसरी तरफ मंदिर पक्ष के शैलेन्द्र पाठक ने कैविएट दाखिल कर मुकदमे में उसे सुनवाई का अवसर देने की मांग की है। वाराणसी के जिला जज ने बुधवार को अपने आदेश में वादी एवं काशी विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट को पुजारी के द्वारा तहखाने में स्थित मूर्ति की पूजा करने की व्यवस्था करने का जिलाधिकारी को निर्देश दिया है। मस्जिद पक्ष की याचिका में जिला जज के आदेश पर रोक लगाने की मांग की गई है। इनका कहना है कि अभी तक आदेश 7 नियम 11 के तहत वाद के पोषणीयता की अर्जी तय नहीं हुई है।

जैसलमेर के पोकरण में मरु महोत्सव 21 से

जैसलमेर (हिंस)। जैसलमेर जिले के पोकरण में 21 से 24 फरवरी तक विख्यात मरु महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। महोत्सव में इस बार रंगारंग कार्यक्रम के साथ कई प्रतियोगिताएं होगी। पर्यटन विभाग के सहायक निदेशक कृष्ण कुमार पूनिया ने बताया कि 21 फरवरी को प्रथम दिन पोकरण में सुबह 9.30 बजे नेपालेश्वर महादेव मंदिर में आरती होगी, उसके बाद सुबह 10 बजे सालम सागर तालाब से राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय तक शोभा यात्रा निकाली जाएगी। 11 बजे राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में लोक कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन होगा। उसके बाद दोपहर 12 बजे से साफा बांधो प्रतियोगिता, मूंछ प्रतियोगिता, मिस पोकरण प्रतियोगिता एवं मिस्टर पोकरण प्रतियोगिता का आयोजन भी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में होगा। वहीं उसी दिन शाम को 6 बजे से लोहारकी गांव में स्प्रीचुअल सागा का आयोजन होगा जिसमें साधो बैंड, स्वाति मिश्रा (राम आयेंगे), तेरहताली डांस तथा बाबा रामदेव के भजन लोक कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किए जाएंगे। दूसरे दिन 22 फरवरी को जैसलमेर में सुबह 8.30 बजे सोनार दुर्ग में स्थित लक्ष्मीनाथ मंदिर में आरती होगी, वहीं 9.30 बजे गड़ीसर झील से सोनार दुर्ग होते हुए पूनम सिंह स्टेडियम तक शोभा यात्रा निकलेगी। शहीद पूनमसिंह स्टेडियम में सुबह 10 बजे आकाश में गोल्डन बलून छोड़े जाएंगे एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगें। दोपहर 2 बजे से आईलव जैसलमेर फॉउन्डेशन द्वारा डाईन विथ जैसलमेर का आयोजन पूरे शहर में किया जाएगा। शहीद पूनमसिंह स्टेडियम में दोपहर 12 बजे से विदेशी पर्यटकों एवं भारतीयों की सहभागिता से साफा बांधों प्रतियोगिता, मूमल महेन्द्रा, मूछ प्रतियोगिता, मिस मूमल, मिसेज डेजर्ट, मिस्टर डेजर्ट प्रतियोगिता का आयोजन होगा। शाम 6.30 बजे पूनमसिंह स्टेडियम में आईकन्स ऑफ जैसलमेर का सम्मान किया जाएगा। जिसमें पद्मश्री अनवर खान बईया एवं श्री पेपे खान को सम्मानित किया जाएगा। शाम 7 बजे से रात्री 10 बजे तक सन्स ऑफ द सोईल्स कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा जिसमें पद्मश्री अनवर खान बईया, पेपे खान एवं मेरे राम आयेंगे फेम स्वाति मिश्रा द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी। वहीं स्थानीय बॉलीवुड सेलिब्रिटि बैंड द्वारा भी प्रस्तुति दी जाएगी। तीसरे दिन 23 फरवरी को सुबह 6 से 8 बजे तक गड़ीसर झील पर इन्सटूमेंटल म्यूजिक एवं योगा का कार्यक्रम होगा वहीं 10 बजे से डेडानसर स्टेडियम में केमल डेकोरेशन प्रतियोगिता, शान ए मरूधरा प्रतियोगिता, एयरफोर्स के द्वारा एयर वारियर ड्रिल शो, टग ऑफ वार प्रतियोगिता, पणिहारी मटका रेस प्रतियोगिता और कब्बडी प्रतियोगिता का आयोजन होगा। वहीं शाम 4 बजे से बीएसएफ द्वारा केमल टेटू शो और केमल पोलो मैच का आयोजन होगा। शाम को 6 बजे से आईकन्स ऑफ जैसलमेर का आयोजन शहीद पूनमसिंह स्टेडियम में किया जाएगा। जिसमें गाजी खान बरना और डॉ. आईदान सिंह भाटी को सम्मानित किया जाएगा। शाम 7 से 10 बजे तक पूनमसिंह स्टेडियम में सीटी वाईब का आयोजन होगा जिसमें कमायचा वादक घेंवर खान द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी। वहीं डेजर्ट सिम्फनी बैंड और सेलिब्रिटी मेगा नाईट का भी आयोजन होगा साथ ही घुटना चक्री डांस भी होगा। चौथे दिन 24 फरवरी को प्रात: 7.30 बजे खाभा फोर्ट में पीकोक साईटींग और लाईव इन्सटूमेन्टल म्युजिक का आयोजन होगा। कुलधरा में सवेरे 10 बजे से रंगोली, माडना और वॉल पेन्टिंग का आयोजन होगा वहीं 12 बजे से 4 बजे तक लानेला के रण में घुड़ दौड़ होगी। दोपहर 12 बजे से खुहड़ी गांव के समीप केमल सफारी और लाईव लोक संगीत कार्यक्रम का आयोजन होगा।

सरपंचों का सरकार के खिलाफ प्रदर्शन

फतेहाबाद (हिंस)। सरपंच एसोसिएशन के आह्वान पर फतेहाबाद के विभिन्न गांवों के सरपंचों ने गुरुवार को अपनी मांगों को लेकर फतेहाबाद में रोष प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व सरपंच एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष रणबीर सिंह गिल ने किया, वहीं संचालन फतेहाबाद ब्लाक प्रधान सीताराम पूनियां व दलबीर वर्मा मताना ने किया। प्रदर्शन के दौरान सरपंचों ने प्रदेश सरकार और पंचायत मंत्री के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। सरपंचों ने अतिरिक्त उपायुक्त को प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा और चेतावनी दी कि अगर भाजपा सरकार ने लोकसभा चुनावों से पूर्व सरपंचों की मांगों को नहीं माना तो आने वाले लोकसभा चुनाव में प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों से भाजपा का विरोध किया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान सरपंचों ने पंचायत मंत्री पर हाऊस रिपेयर के नाम पर अपने चहेतों को लाभ पहुंचाने और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए और प्रदेश सरकार से इस मामले में जांच की मांग की। सरपंच एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष रणबीर सिंह गिल ने कहा कि भाजपा सरकार आएदिन सरपंचों को लेकर तानाशाही फरमान जारी कर रही है। पहले ई-टेंडरिंग, फिर राइट टू रिकॉल और अब फंड खर्च न करने वाली पंचायतों पर कार्रवाई की बात कहकर भाजपा सरकार अपनी कमजोरियों को छिपाना चाहती है। गांवों में विकास न होने की बात कहकर पंचायतों को बदनाम करने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने कहा कि पंचायतों के पिछले 6-6 महीनों से विकास कार्यों के टेंडर नहीं लग रहे। सरपंचों से सरकार ने सारे

अधिकार छीन लिए हैं। ई-टेंडरिंग को भ्रष्टाचार की जननी बताते हुए रणबीर सिंह गिल ने कहा कि प्रदेश सरकार और उसके मंत्री केवल अपने चहेते ठेकेदारों को लाभ पहुंचाने के लिए उन्हें ठेके दिला रहे हैं। ऐस में पंचायतों में विकास कार्य ठप्प पड़े हैं। फतेहाबाद जिले में 90 प्रतिशत टेंडर मंत्री के चहेते ठेकेदारों को दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने पंचायतों के हाथ बांध दिए हैं लेकिन सरपंचों के पास जितने अधिकार है, उसी हिसाब से वे गांवों में काम करवा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर सरकार सरपंचों को पूरे अधिकार दे तो सरपंच गांवों को चमका देंगे। पंचायत मंत्री पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि हाऊस रिपेयर के लिए जरूरतमंदों को लाभ नहीं मिल रहा जबकि मंत्री के चहेतों के खाते में हाऊस रिपेयर के नाम पर लाखों रुपए डाले जा रहे हैं। सरकार इस भ्रष्टाचार की तुरंत जांच करवाए।

लोकतंत्र के नाम पर काला धब्बा है गांधी परिवार : केशव प्रसाद

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने गुरुवार को कहा है कि लोकतंत्र के नाम पर गांधी परिवार काला धब्बा है। आपातकाल इसका जीता-जागता सबूत है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को लोकतंत्र पर भाषण देने का नैतिक अधिकार नहीं है। उन्हें परिवार के इतिहास को पढ़कर गिरेबान में झांकना चाहिए। केशव प्रसाद मौर्य की यह टिप्पणी कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा भाजपा पर की गई टिप्पणी के बाद आई है। राहुल गांधी ने बुधवार को कहा था कि खुद भ्रष्टाचार में डूबी भाजपा सत्ता की सनक में लोकतंत्र को तबाह करने का अभियान चला रही है।

घायल अवस्था में गड्ढे में पड़े बाज का पक्षी प्रेमियों ने कराया इलाज

अररिया (हिंस)। जिले के नरपतगंज में पक्षी प्रेमियों ने खेत में बने गड्ढे में घायल अवस्था में पड़े बाज को गुरुवार को बाहर निकालकर उनका इलाज कराते हुए उनकी सेवा सुश्रूषा की। नरपतगंज नगर पंचायत वार्ड नं 8 के पास खेत में बने गड्ढे में गुरुवार के दोपहर में कुछ लोगों ने देखा कि एक बड़ा पक्षी गड्ढे में घायलावस्था में पड़ा है और वह दर्द से तड़प रहा है। खेत के बगल से गुजर रहे लोगों ने गड्ढे में पड़े पक्षी की कराहने की आवाज सुनी तो बाज पक्षी को गड्ढे से बाहर निकाला। घायल होने के कारण पक्षी इधर-उधर कहीं जा नहीं पा रहा था। जिसके बाद युवाओं ने पक्षी को लेकर इलाज कराने के लिए नरपतगंज पशु चिकित्सालय पहुंचा। जहां डॉक्टर शगुफ्ता मंजूर प्रभारी प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी के निर्देशन में उसका तत्काल इलाज किया गया। पक्षी प्रेमी युवकों ने बताया कि गुरुवार की दोपहर हम सभी खेतों में घूमने के लिए आए थे। जहां पर उन्हें एक पक्षी की आवाज सुनाई दी। काफी देर तक इधर-उधर तलाश किया। परंतु बाद में वह गहरे गड्ढे में घायल अवस्था में पड़ा मिला। पक्षी घायलावस्था में था और वह बाहर निकलने का प्रयास कर रहा था।

राजस्थान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल

आठ देशों की 13 भाषाओं में बनी फिल्मों के लिए दिए 77 अवार्ड

जयपुर (हिंस)। राजस्थान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (रिफ) 2024 के दसवें संस्करण का भव्य समापन 31 जनवरी को एक अवॉर्ड सेरेमनी के साथ हुआ। पांच दिवसीय कार्यक्रम समापन में फर्स्ट इंडिया और भारत 24 के एडिटर इन चीफ जगदीश चंद्र और विधायक बाल मुकुंद आचार्य मुख्य अतिथि बने। अवॉर्ड सेरेमनी में रिफ के फाउंडर सोमेंद्र हर्ष और को फाउंडर अंशु हर्ष ने मुख्य अतिथियों के साथ मिलकर सेलेब्रिटीज सहित कुल 66 फिल्मों को विभिन्न श्रेणियों के पुरस्कारों से नवाजा। कार्यक्रम में मंच का संचालन आशिष भारद्वाज और आकांक्षा जोशी ने किया। जेम सिनेमा में आयोजित हुए रिफ के दसवें संस्करण के समापन में अभिनेता टीनू आनंद, अभिनेता अखिलेंद्र मिश्रा, अभिनेता नंदिश सिंह संधू, अभिनेत्री इति आचार्य, सिंगर मोती खान, फिल्म क्रिटिक अजित राय, लेखक यश कालरा, आसामी अभिनेत्री ऐमी बरूआ। वही विदेशी सितारों में डायरेक्टर जेम्स हिगिन्स,

फिल्म मेकर पैट्रिक जॉर्ज, एक्ट्रेस मैरिएन बोर्गो, वेनेजुएला अंबेसी काउंसलर अल्फ्रेडो काल्डेरा, बिहारी बाबू के नाम से प्रचलित चार्ल्स थॉमसन शामिल हुए। अवॉर्ड सेरेमनी में सूरज ढलने के साथ ही दर्शकों ने कार्यक्रम के बीच में रंगारंग प्रस्तुतियों का भी आनंद लिया। इस दौरान रियलिटी शो *इंडियन आईडल जूनियर* के प्रतियोगी रहे मोती खान की *कुरजां* पर प्रस्तुति के साथ ही मीना सपेरा का *कालबेलिया* नृत्य, एंजल म्यूजिक एकेडमी की ओर से संगीतमय प्रस्तुति और सुबोध कॉलेज के स्टूडेंट्स का 90 दशक के गानों पर ग्रुप डांस बेहद खास रहा। राजस्थान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के दसवें संस्करण में 11 विशेष पुरस्कारों के साथ ही राष्ट्रीय, क्षेत्रीय, अंतर्राष्ट्रीय, राजस्थानी भाषाओं की फीचर फिल्मों के लिए कुल 23 अवॉर्ड, राष्ट्रीय, क्षेत्रीय, छात्र, राजस्थानी, अंतर्राष्ट्रीय भाषाओं की लघु फिल्मों के लिए कुल 21 अवॉर्ड, एनिमेशन फिल्मों के लिए कुल 3 अवॉर्ड, ड्रॉक्यूमेंट्री फिल्मों के लिए कुल 14 अवॉर्ड और हिंदी, क्षेत्रीय, अंतर्राष्ट्रीय, राजस्थानी भाषाओं के म्यूजिक एलबम के लिए कुल 5 अवॉर्ड दिए गए। 2023 में सर्वश्रेष्ठ पुस्तक लेखक: राजस्थानी सिनेमा विश्वकोश के लिए एमडी सोनी (राजस्थानी फिल्म गीत कोष 1942-2022) सिनेमा के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ पुस्तक प्रकाशक: वाणी प्रकाशन (अदिति माहेश्वरी)

13 फीसदी कमाई बढ़ने के बाद भी 12 हजार कर्मियों की गूगल ने निकाला, 17500 करोड़ रुपये चुकाए

नई दिल्ली।
गूगल ने 2023 में अपने 12 हजार कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया। उन्हें बर्खास्तगी के लिए 210 करोड़ डॉलर यानी करीब 17,500 करोड़ रुपये भी चुकाए। साल 2024 के पहले महीने में भी एक हजार से अधिक कर्मचारियों को नौकरी से निकाला, इसके लिए करीब 70 करोड़ डॉलर खर्च किए।

गूगल की मालिकाना कंपनी अल्फाबेट ने साल की चौथी तिमाही में हुई कमाई का लेखा-जोखा जारी किया, जिसमें इसका खुलासा हुआ है। खास बात है कि इस चौथी तिमाही में अमेरिकी टेक कंपनी और सबसे बड़े इंटरनेट सर्च इंजन गूगल ने 8,600 करोड़ डॉलर यानी 7.14 लाख करोड़ रुपये कमाए। यह पिछले साल से 13 फीसदी अधिक हैं। इसके बावजूद वह लगातार कर्मचारियों को निकाल रही है। साथ ही, अपने कृत्रिम मेधा कार्यक्रम जैमिनी युग में निवेश बढ़ा रही है और ज्यादा कर्मचारियों को भी लगा रही है। इसकी वजह से कंपनी कुछ अन्य सेवाओं को इस साल बंद कर सकती है, जिससे और भी कर्मचारियों की नौकरी जा सकती है। 2023 में अपने कुछ ऑफिस भी गूगल ने बंद किए। इन पर उसे 180 करोड़ डॉलर खर्च करने पड़े।

प्रमुख स्रोतः कहां से कितना कमा रहा गूगल

गूगल क्लाउडः 919 करोड़ डॉलर कमाए, 25.6 प्रतिशत इजाफा। हालांकि, अब भी इस क्षेत्र में माइक्रोसॉफ्ट के अजूर व अमेजन वेब सर्विसेस के बाद तीसरा। सर्च इंजनः 4,800 करोड़ डॉलर कमाए। यहां भी 13 फीसदी इजाफा हुआ। सदस्यता शुल्कः 1,070 करोड़ डॉलर। इसमें यूट्यूब प्रीमियम व म्यूजिक, यूट्यूब टीवी, गूगल वन शामिल। पिछले साल से 15 प्रतिशत वृद्धि।

गूगल का 'जैमिनी युग'

अल्फाबेट साल 2024 को जैमिनी युग बता रही है। खुद गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने निवेशकों से बातचीत में बताया, यह एक एआई तकनीक आधारित लैंग्वेज मॉडल है। इसके जरिये साहित्य से लेकर कोडिंग तक, कई प्रकार की सामग्री बनाई जा सकती है। इसे गूगल के बड़े डाटा का लाभ मिल रहा है, जिससे यह बाकी एआई मॉडल से बहुत शक्तिशाली माना जा रहा है। इसका आधुनिक प्रारूप जैमिनी अल्ट्रा जल्द जारी हो सकता है।

न्यूज ब्रीफ

मंत्रिमंडल ने भारत-यूएई द्विपक्षीय निवेश संधि पर हस्ताक्षर को मंजूरी दी, होगा ये फायदा

नई दिल्ली । सरकार ने भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) पर हस्ताक्षर को मंजूरी दे दी है। इस समझौते से दोनों देशों के बीच निवेश को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। एक आधिकारिक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी गई। बयान में कहा गया, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारत और यूएई के बीच बीआईटी पर हस्ताक्षर और अनुमोदन को मंजूरी दी है। बयान में कहा गया कि इस संधि से निवेशकों, विशेषकर बड़े निवेशकों का भरोसा बढ़ने की उम्मीद है। इसके चलते विदेशी निवेश और विदेशों में प्रत्यक्ष निवेश (ओडीआई) के अवसरों में वृद्धि होगी। आगे चलकर रोजगार सृजन पर इसका सकारात्मक असर हो सकता है। बयान के मुताबिक, ''इस मंजूरी से भारत में निवेश बढ़ने की उम्मीद है। इससे घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहित करने, आयात पर निर्भरता कम करने, निर्यात बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।'' दोनों देशों ने मई, 2022 में एक मुक्त व्यापार समझौता भी लागू किया था। भारत में अप्रैल, 2000 से सितंबर, 2023 के बीच 16.7 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आया है।

अप्रैल 2023 से जनवरी 2024 के दौरान जीएसटी संग्रह सालाना आधार पर 11.6 प्रतिशत बढ़ा, हुआ इतना कलेक्शन

नई दिल्ली । अप्रैल 2023 से जनवरी 2024 की अवधि के दौरान, संचयी सकल जीएसटी संग्रह में सालाना आधार पर 11.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह अप्रैल से जनवरी के दौरान यह 16.69 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गई। पिछले वर्ष की इसी अवधि, अप्रैल 2022-जनवरी 2023 के बीच जीएसटी के रूप में 14.96 लाख करोड़ रुपये एकत्र किए गए थे। वित्त मंत्रालय ने इससे जुड़े आंकड़े जारी किए। वित्त मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार जनवरी 2024 में एकत्र किया गया सकल जीएसटी राजस्व रु. 1,72,129 करोड़ है, जो जनवरी 2023 में एकत्र किए गए रु. 155,922 करोड़ के राजस्व से सालाना आधार पर 10.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। यह अब तक का दूसरा सबसे अधिक मासिक जीएसटी संग्रह है और इस वित्तीय वर्ष में तीसरे महीने 1.70 लाख करोड़ रुपये या उससे अधिक का जीएसटी संग्रह किया गया है। उक्त अवधि के दौरान सरकार ने आईजीएसटी संग्रह में सीजीएसटी के रूप में 43,552 करोड़ रुपये और एसजीएसटी मद में 37,257 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया गया। अप्रैल 2023 में अब तक का सर्वाधिक जीएसटी कलेक्शन किया गया था। उस दौरान जीएसटी के रूप में 1.87 लाख करोड़ रुपये एकत्र किए गए थे।

पेटीएम के शेयरों में 20 प्रतिशत की गिरावट, आरबीआई के आदेश के बाद दिखा असर

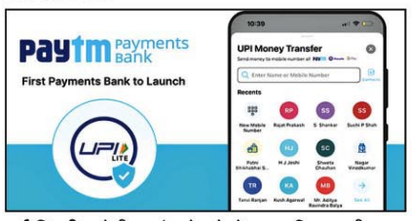

नई दिल्ली । पेटीएम के शेयरो में 20 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। आरबीआई ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड को किसी भी ग्राहक खाते, वॉलेट में जमा या टॉप अप स्वीकार करना बंद करने का निर्देश दिया गया है, जिसके बाद पेटीएम के शेयरों के गिरावट दर्ज की गई है। बीएसई पर स्टॉक 20 प्रतिशत गिरकर 608.80 रुपये पहुंच गया। वहीं एनएसई में 19.99 प्रतिशत गिरकर 609 रुपये की दिन की न्यूनतम ट्रेडिंग सीमा पर पहुंच गया। बता दें शुरूआती कारोबार में कंपनी का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) भी 9,646.31 करोड़ रुपये घटकर 38,663.69 करोड़ रुपये रह गया है। आरबीआई ने एक बयान में कहा कि यह निर्देश लगातार गैर अनुपालन चिंताओं के बाद दिया गया है। आरबीआई ने यह भी कहा कि पेटीएम पेमेंट्स सर्विसेज के नोडल खाते को जल्द से जल्द किसी भी स्थिति में 29 फरवरी, 2024 से पहले खत्म किया जाना चाहिए। ओसीएल के पास 49 प्रतिशत हिस्सेदारी है। गौरतलब है कि आरबीआई के आदेश से कंपनी के सालाना ऑपरेशनल प्रॉफिट पर 300-500 करोड़ रुपये का असर पड़ेगा।

पिछले नौ वर्षों में तेजी से बढ़ी अर्थव्यवस्था, मोदी सरकार के दूरदर्शी फैसलों का दिखा असर

नई दिल्ली।
अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भारत के आर्थिक विकास को सराहा है। आईएमएफ का कहना है कि भारत दुनिया में सबसे तेजी से विकास करने वाले देश के रूप में उभरा है। डिजिटलीकरण और बुनियादी ढांचे जैसे प्रमुख क्षेत्रों में आर्थिक सुधारों के कारण भारत वैश्विक विकास में 16 प्रतिशत से अधिक योगदान कर सकता है।

आर्थिक मोर्चे पर प्रमुख उपलब्धियां

भारत की वास्तविक जीडीपी ने वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही (अप्रैल-सितंबर 2023) में 7.7 फीसदी की वृद्धि दर्ज की, जो दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक है। पहली तिमाही में भारत की वास्तविक जीडीपी 7.8 फीसदी बढ़ी और दूसरी तिमाही में 7.6 फीसदी बढ़ी। वर्ष 2023-24 में, साल-दर-साल के आधार पर जीडीपी 7.2 फीसदी की दर से बढ़ी। भारत के राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने 2023-24 में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.3 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है। आईएमएफ ने मौजूदा वित्त वर्ष में भारत की अर्थव्यवस्था के लिए अपना विकास अनुमान बढ़ाकर 6.7 फीसदी कर दिया है, जो पहले 6.3 फीसदी था।

भारत का आर्थिक परिदृश्य काफी बेहतर

वहीं, आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) के आर्थिक आउटलुक में 2024 के लिए ज्यादा विकसित अर्थव्यवस्थाओं के लिए वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि 0.7-1.7 फीसदी की सीमा में और उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए लगभग चार फीसदी होने का अनुमान है। हालांकि, कई संकेतकों से पता चलता है कि भारत का आर्थिक परिदृश्य काफी बेहतर है। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था में मजबूती और लचीलापन बना हुआ है। भारतीय शेयर बाजार पहली बार वैश्विक स्तर पर चौथे सबसे बड़े इक्विटी बाजार के रूप में हांगकांग को पीछे छोड़ दिया है।

मानव विकास में उल्लेखनीय प्रगति

भारत के आर्थिक बुनियादी सिद्धांतों की मजबूती के साथ-साथ मानव विकास में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। नीति आयोग के अनुसार, पिछले नौ वर्षों में लगभग 25 करोड़ भारतीय गरीबी से बाहर आ गए हैं और गरीबी दर में भारी गिरावट आई है, जो 2013-14 में 29.17 फीसदी से घटकर 2022-23 में 11.28 फीसदी रह गई है।

रुपया नौ पैसे बढ़कर 82.95 प्रति डॉलर पर

मुंबई । अंतरिम बजट से पहले शुरुआती कारोबार में रुपया नौ पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 82.95 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि रुपया एक सीमित दायरे में कारोबार कर रहा है। विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती और घरेलू बाजारों में नरम रुख के बीच निवेशक सतर्क हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.02 प्रति डॉलर पर खुला और फिर 82.95 प्रति डॉलर के उच्च स्तर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से नौ पैसे की बढ़त है। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.04 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.24 प्रतिशत की बढ़त के साथ 103.52 पर रहा।

2023 में पहली बार प्लेन में बैठे 3 करोड़ लोग

हर साल यात्रियों की संख्या में 37 प्रतिशत इजाफा, लोगों की आय बढ़ना बड़ी वजह

नई दिल्ली।
भारत में हवाई सफर अब सपना नहीं रहा और धीरे-धीरे लोगों की पहुंच में आ रहा है। साल 2023 में 3 करोड़ भारतीयों ने पहली बार हवाई यात्रा की। इंडिगो के आंकड़ों के हिसाब से देश में हर साल पहली बार हवाई यात्रा करने वाले लोगों की तादाद 37 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। एयरलाइंस कंपनी आकासा की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले साल कंपनी के यात्रियों में 10 प्रतिशत पहली बार हवाई सफर करने वाले यात्री थे। कैपा इंडिया के सीईओ कपिल कौल कहते हैं- हमारा अनुमान है कि 2024 में विमान से सफर करने वाले लोगों में 15 प्रतिशत यात्री पहली बार सफर करने वाले होंगे।

2024 में 2.5 करोड़ पहली बार यात्रा करेंगे

इस साल करीब 15.5 करोड़ लोग हवाई सफर करेंगे। इनमें से 2.5 करोड़ पहली बार यात्रा करेंगे। कैपा इंडिया की रिपोर्ट में इस बात का खुलासा नहीं किया गया है कि उन्होंने पहली बार हवाई यात्रा कर रहे यात्रियों का डेटा कैसे निकाला, लेकिन यह बताया कि हवाई यात्रियों की औसत उम्र 10 साल कम हुई है।

लोगों की आय बढ़ने, छोटे शहरों में एयरपोर्ट बनने से यात्राएं बढ़ीं

विशेषज्ञ हवाई सफर बढ़ने के पीछे तीन बड़ी वजह बता रहे हैं- पहली लोगों की पारिवारिक आय का बढ़ना, दूसरी तेजी से नए रूट और नए एयरपोर्ट तैयार होना और तीसरी मिडिल क्लास लोगों में वीकेंड वेकेशन मनाने का ट्रेंड बढ़ा है। खास बात यह रही कि छोटे शहरों से यात्रियों की संख्या तेजी से बढ़ी है।

ग्रेनो प्राधिकरण ने की 44 औद्योगिक भूखंडों के आवंटन की योजना की शुरुआत, 10 हजार युवाओं को मिलेगा रोजगार का अवसर

ग्रेटर नोएडा।
प्राधिकरण ने 44 औद्योगिक भूखंडों के आवंटन की योजना की शुरुआत की, जिससे प्राधिकरण को प्लॉट के एवज में रिजर्व प्राइस से करीब 5 हजार करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त होने की उम्मीद है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि इन औद्योगिक भूखंडों का आवंटन साक्षात्कार के जरिए हो रहा है। इसके अलावा इस योजना से 10 हजार युवाओं को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर मिलने का अनुमान है। इस योजना की शुरुआत 30 जनवरी को हुई, जिसके साथ ही इसका ब्रोशर भी ऑनलाइन उपलब्ध हो गया।

योजना के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि 19 फरवरी: अधिकारी- मिली जानकारी के मुताबिक, अधिकारी ने बताया कि योजना के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि 19 फरवरी है। पंजीकरण शुल्क, ईएमडी (अर्नेस्ट मनी डिपोजिट) और प्रोसेसिंग फीस भी 19 फरवरी तक ही जमा की जा सकती है। उन्होंने बताया कि आवंटन के पश्चात इन भूखंडों पर एक माह में ही कब्जा मिल जाएगा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एन.जी. रवि कुमार का कहना है कि ग्रेटर नोएडा औद्योगिक निवेश के केंद्र के रूप में उभरा है। उद्यमियों की मांग व जरूरत को देखते हुए स्कीम लांच कर दी गई है। तय समयसीमा में प्लॉट पर पजेशन दे दिए जाएंगे। इससे निवेश के साथ ही हजारों युवाओं को रोजगार के अवसर मिल सकेंगे।

पेपाल 2,500 कर्मचारियों को निकालेगी बाहर, यूपीएस 12 हजार नौकरियों की करेगी छंटनी

नई दिल्ली ।
भुगतान सेवा देने वाली पेपाल होल्डिंग्स इस साल लगभग 2,500 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल सकती है। जबकि यूनाइटेड पार्सल सर्विस इंक (यूपीएस) 12,000 लोगों यानी करीब 2.5 फीसदी की छंटनी कर सकती है। घरेलू आईटी कंपनी विप्रो 100 लोगों को निकालने की योजना शुरू कर दी है। पेपाल के सीईओ एलेक्स क्रिस ने कहा, कारोबार को सही आकार देने के लिए इस साल करीब 9 फीसदी कर्मचारियों को निकाला जा सकता है। हमें तेज रफ्तार के साथ आगे बढ़ने और लाभदायक विकास के लिए ऐसा करना पड़ रहा है। हम उन क्षेत्रों में निवेश करना जारी रखेंगे जो हमारी वृद्धि में तेजी ला सकते हैं।

टेक कंपनी सेल्सफोर्स ने भी 700 कर्मचारियों (एक फीसदी) को बाहर का रास्ता दिखाने का फैसला किया है। कंपनी ने 2023 में 10 फीसदी कर्मचारियों को निकाल दिया था। 50,875 कर्मचारी घटे 4 आईटी कंपनियों के दिसंबर तिमाही के अंत तक चार प्रमुख आईटी कंपनियों टीसीएस, इन्फोसिस, विप्रो और एचसीएल के कर्मचारियों की संख्या में 50,875 की कमी आई थी।

मार्जिन सुधारने पर विप्रो का जोर - विप्रो मार्जिन में सुधार करने के के लिए मध्य स्तरीय सैकड़ों कर्मचारियों को निकालने की योजना बना रही है। इस महीने की शुरुआत में कर्मियों को सूचना देनी शुरू कर दी गई है। चार प्रमुख आईटी कंपनियों में विप्रो का मार्जिन सबसे कम है। सूत्रों ने कहा, बदलते बाजार परिवेश के अनुरूप अपने कारोबार और प्रतिभा को बनाए रखना कंपनी की रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

मुनाफे पर असर से यूपीएस ने लिया फैसला - यूपीएस के सीईओ कैरोल टोम ने बताया, पिछला साल कठिन और निराशाजनक रहा। सभी कारोबारी सेगमेंट में वॉल्यूम, राजस्व और परिचालन लाभ में गिरावट आई है। अब कंपनी का लक्ष्य लागत में एक अरब डॉलर की कटौती का है। कंपनी के पूरे साल का राजस्व 92 अरब डॉलर से 94.5 अरब डॉलर के बीच रहेगा। कंपनी का तिमाही राजस्व एक साल पहले के 27 अरब डॉलर से गिरकर 24.9 अरब डॉलर रह गया है।

ईबे दवा की गोली बनाने वाले उपकरणों की बिक्री से संबंधित मुकदमे में 5.9 करोड़ डॉलर का भुगतान करने पर सहमत

सैन फ्रांसिस्को।
अमेरिकी न्याय विभाग ने बताया कि ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म ईबे उस मुकदमे को निपटाने के लिए 5.9 करोड़ डॉलर का भुगतान करने पर सहमत हो गया है। कंपनी पर आरोप था कि उसने पिल प्रेस मशीनों की बिक्री में सहायता की थी, जिनका इस्तेमाल अवैध दवाओं के निर्माण के लिए किया जा सकता है। विभाग के अनुसार, अपराधियों द्वारा अवैध दवाओं के निर्माण के लिए पिल प्रेस और एनकैप्सुलेटिंग मशीनों का उपयोग किया जा सकता है। पिल प्रेस को नियमित रूप से निर्धारित प्रतिबंधित दवाओं से मिलते-जुलते सांचे, मोहर, या डाई के साथ मिलाकर नकली गोलियां तैयार की जा सकती हैं जो वास्तविक फार्मास्युटिकल दवाओं के समान लगती हैं, जिसमें फेंटेनाइल युक्त गोलियां भी शामिल हैं। नियंत्रित पदार्थ अधिनियम (सीएसए) खरीदारों की पहचान सत्यापन, रिकॉर्ड रखने और ड्रग प्रवर्तन प्रशासन (डीईए) को रिपोर्ट करने की आवश्यकता के द्वारा पिल प्रेस और एनकैप्सुलेटिंग मशीनों सहित कुछ फार्मास्युटिकल विनिर्माण उपकरणों को नियंत्रित करता है। विभाग ने आरोप लगाया कि ईबे ने अपनी वेबसाइट के माध्यम से बेची गई हजारों

पिल प्रेस और एनकैप्सुलेटिंग मशीनों के लिए इन सीएसए आवश्यकताओं का अनुपालन नहीं किया। न्याय विभाग के ओपिओइड महामारी सिविल लिटिगेशन टास्क फोर्स के अध्यक्ष, एसोसिएट अटॉर्नी जनरल वनिता गुप्ता ने एक बयान में कहा, फेंटेनल से युक्त नकली गोलियों का घातक ओवरडोज महामारी में महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा, विभाग यह सुनिश्चित करने के लिए सभी उपलब्ध प्रवर्तन उपायों का उपयोग करने के लिए प्रतिबद्ध है कि उपकरण बेचने में शामिल कंपनियां जो इन खतरनाक गोलियों को बनाना संभव बनाती हैं, वे नियंत्रित पदार्थ अधिनियम का अनुपालन करें। मौद्रिक निपटान के अलावा, ई-कॉमर्स मंच अपनी निषिद्ध और प्रतिबंधित वस्तुओं की नीति के संबंध में अपने अनुपालन कार्यक्रम को बनाए रखने और बढ़ाने पर सहमत हुआ। डीईए प्रशासक ऐनी मिलग्राम ने कहा, फेंटेनाइल - जिसे पिल प्रेस कर नकली गोलियाँ बनाई जाती हैं, जो असली नुस्खे वाली दवाओं की तरह दिखती है - अमेरिकियों को मार रही है। ड्रग तस्कर नकली गोलियां बनाने के लिए पिल प्रेस जैसे उपकरण ऑनलाइन खरीदते हैं। उन्होंने कहा, ईबे और अन्य ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म को जनता की सुरक्षा के लिए अपनी भूमिका निभानी चाहिए। और जब वे ऐसा नहीं करेंगे, तो डीईए उन्हें जवाबदेह ठहराएगा। इस बीच, ईबे लगभग एक हजार कर्मचारियों या अपने पूर्णकालिक कार्यबल के नौ प्रतिशत को बर्खास्त कर रहा है, और कंपनी आने वाले महीनों में बड़ी संख्या में ठेकेदारों की भी छंटनी करेगी।

उच्च कीमतों से देश में सोने की मांग तीन फीसदी घटकर 747 टन, काउंसिल ने बताई यह वजह

मुंबई । ऊंची कीमतों के कारण 2023 में देश में सोने की मांग तीन फीसदी घटकर 747.5 टन रही है। 2022 में यह 774.1 टन रही थी। विश्व स्वर्णपरिषद (डब्ल्यूजीसी) के मुताबिक, अगर कीमतें ज्यादा अस्थिर नहीं होती हैं तो आगे मांग बढ़कर 800-900 टन तक पहुंच सकती है। वैश्विक मांग पांच फीसदी घटकर 4,448.4 टन रही है। काउंसिल ने कहा, बढ़ती कीमतों से मांग काफी प्रभावित हुई है। अक्तूबर में नवरात्रि के दौरान कीमतों में सुधार से ग्राहकों की मजबूत मांग रही, जिससे नवंबर में दिवाली की बिक्री में बढ़ोतरी हुई। हालांकि, दिसंबर में फिर से मांग 9 फीसदी तक घट गई। 2023 में सोने की कीमत अस्थिर रही। अगर कीमतें ज्यादा अस्थिर नहीं रहीं तो इस साल मांग में तेजी आ सकती है। जूलरी मांग 6 फीसदी गिरी 2023 में जूलरी की मांग छह फीसदी गिरकर 562.3 टन रही है। सोने में कुल निवेश सात फीसदी बढ़कर 185.2 टन रहा है। छड़ और सिक्के में निवेश सात फीसदी बढ़कर 185 टन रहा है। सोने का शुद्ध आयात 20 फीसदी बढ़कर 780.7 टन रहा है।

खेल मंत्री ने खेलो इंडिया यूथ गेम्स के विजेताओं को दी ट्रॉफियां, युवाओं की शक्ति का उपयोग करना पीएम का ध्यान लक्ष्य

नई दिल्ली । केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने चेन्नई में खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2023 के समापन समारोह में विजेताओं को ट्रॉफियां प्रदान कीं। यूथ गेम्स में महाराष्ट्र कुल 158 पदक (57 स्वर्ण, 48 रजत, 53 कांस्य) जीतकर शीर्ष स्थान पर रहा, जबकि तमिलनाडु और हरियाणा ने 98 पदक (38 स्वर्ण, 21 रजत, 39 कांस्य) और 103 पदक (35 स्वर्ण, 22 रजत, 46 कांस्य) जीतकर क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया।

पीएम युवाओं की शक्ति करना चाहते हैं उपयोग – इस अवसर पर अनुराग ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री युवाओं की शक्ति का उपयोग करने और उन्हें अपनी प्रतिभा दिखलाने के लिए मंच प्रदान करना चाहते हैं। खेलो इंडिया यूथ गेम्स के पिछले 13 दिनों के दौरान हमने जो देखा है, उससे मुझे बेहद गर्व हो रहा है। खेल हमारे युवाओं की प्रतिभा, समर्पण और अदम्य भावना का गौरवशाली प्रमाण हैं। मैंने एथलेटिक कौशल, खेल भावना और सौहार्द का प्रदर्शन देखा है, जिसने मुझे गहराई से प्रेरित किया है।

विष्णु ने लगातार दूसरी बार ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया, ऐसा करने वाले पहले भारतीय सेलर बने

एडिलेड। एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता विष्णु सरवनन लगातार दो ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करने वाले पहले भारतीय सेलर (पाल नौकायन खिलाड़ी) बने। उन्होंने यहां विश्व चैंपियनशिप के जरिये पेरिस ओलंपिक के लिए जगह बनाई। मुंबई स्थित सेना नौकायन नोड में सूबेदार 24 साल के सरवनन ने यहां आईएलसीए-सात विश्व चैंपियनशिप में 152 प्रतिभागियों के बीच 26वें स्थान पर रहते हुए पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया। ओलंपिक का आयोजन इस साल फ्रांस के पेरिस में 26 जुलाई से 11 अगस्त तक होगा। सरवनन एशियाई देशों के खिलाड़ियों के बीच शीर्ष पर रहे। उन्होंने एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता सिंगापुर के खिलाड़ी को पछाड़ा। सरवनन का कुल स्कोर 174 रहा। मानक नियमों के अनुसार, इसमें से 49 के उनके न्यूनतम स्कोर को हटा दिया गया जिससे उनका नेट स्कोर 125 रहा।

न्यूज ब्रीफ

तीनों प्रारूपों के लिए एक ही कप्तान रखें : शाहिद अफरीदी

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने कहा है कि तीनों ही प्रारूपों के लिए अलग-अलग कप्तान रखे जाने चाहिये। अफरीदी ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) से कहा कि अलग-अलग कप्तान होने से टीम का प्रदर्शन भी बेहतर होगा। एकदिवसीय विश्वकप में पाक टीम के खराब प्रदर्शन के बाद बाबर आजम की जगह पर शान मसूद को टेस्ट कप्तान बनाया गया जबकि शाहीन शाह अफरीदी को टी20आई टीम की कमान दी गयी पर एकदिवसीय कप्तान की घोषणा अब भी नहीं हुई है। अफरीदी ने कहा, पीसीबी को सभी प्रारूपों के लिए अलग-अलग कप्तान रखना होगा पर उप-कप्तान रखने की कोई जरुरत नहीं है। अफरीदी ने टीम निदेशक मोहम्मद हफीज का बचाव करते हुए कहा कि एक दो सीरीज के आधार पर टीम के प्रदर्शन को आंका नहीं जा सकता। गौरतब है कि ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड से मिली हार के बाद टीम प्रबंधन काफी दबाव में है और हफीज भी निशाने पर हैं। उन्होंने कहा, अगर आपको लगता है कि मोहम्मद हफीज अच्छे हैं तो उन्हें केवल एक सीरीज के आधार पर न आंकें, उन्हें पर्याप्त समय दें और यही बात कप्तान के लिए भी लागू होती है। उन्हें तीन साल तक टीम में रहना चाहिए।

इंग्लैंड के स्पिनर लीच दूसरे टेस्ट से बाहर हुए, बशीर को मिल सकता है अवसर

विशाखापत्तनम । इंग्लैंड के स्टार स्पिनर जैक लीच चोटिल होने के कारण यहां भारतीय टीम के

खिलाफ शुरु हो रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच से बाहर हो गये हैं। जैक का बाहर होना मेहमान टीम के लिए एक करारा झटका है। इंग्लैंड टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा है कि लीच घुटने में चोट के कारण दूसरे टेस्ट में नहीं खेल पायेंगे। लीच को ये चोट हैदराबाद में हुए पहले क्रिके टेस्ट मैच में लगी थी। लीच ने पहले मैच में चोटिल होने के बाद भी गेंदबाजी करते हुए अपनी टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। अब उनके नहीं खेलने से टीम को गेंदबाजी आक्रमण कमजोर होगा। लीच इंग्लैंड की वर्तमान टीम के सबसे अनुभवी और सफल स्पिनर हैं। ऐसे में अब उनके बाहर होने पर नये गेंदबाज शोएब बशीर को अवसर मिल सकता है। बशीर हाल ही में टीम ने जुड़े हैं। 20 साल के बशीर ऑफ स्पिनर हैं। विशाखापत्तनम की पिच स्पिनरों की सहायक हो सकती है। इसी कारण उन्हें लीच का सबसे बेहतर विकल्प माना जा रहा है। इस स्पिनर ने हालांकि अब तक कोई अंतरराष्टीय मैच नहीं खेला है।

वेई को सीधे गेमों में हराकर श्रीकांत दूसरे दौर में पहुंचे, अब हमवतन मंजूनाथ से होगा सामना

बैंकॉक। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने यहां चीनी ताइपे के वैंग जू वेई को सीधे गेमों में हराकर थाईलैंड मास्टर्स टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी श्रीकांत ने पहले दौर के मुकाबले में वैंग को 45 मिनट में 22-20, 21-19 से हराया। श्रीकांत दूसरे दौर में हमवतन मिथुन मंजूनाथ से भिड़ेंगे, जिन्होंने पुरुष एकल के पहले दौर के मुकाबले में हांगकांग के जेसन गुनावन को 21-17, 21-8 से शिकस्त दी। एस शंकर मुथुस्वामी सुब्रमण्यम ने भी पहले दौर के मुकाबले में मलेशिया के लियोंग जुन हाओ को सीधे गेमों में 21-14, 21-17 से हराया। समीर वर्मा पहले दौर में हांगकांग के एनजी का लोंग एंगस के खिलाफ 14-21, 18-21 की हार के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गए जबकि किरण जॉर्ज चीन के लेई लैन शी के खिलाफ मुकाबले में 17-21 से पिछड़ने के बाद मैच से हट गए। मालविका बंसोड़ और अस्मिता चालिहा ने महिला एकल वर्ग के दूसरे दौर में जगह बनाई। अस्मिता ने वोंग लिंग चिंग को 21-10, 21-16 से शिकस्त दी जबकि मालविका ने पेरू की इनेस लूसिया कास्टिलो सालाजार को 22-20, 21-8 से हराया। मालविका अगले दौर में थाईलैंड की बुसानन ओंगबामरुंगफान से भिड़ेगी जिन्होंने भारत की इमाद फारूकी सामिया को 21-14 21-18 से हराया।

दूसरे टेस्ट में जीत के साथ वापसी करना चाहेगी भारतीय टीम

विशाखापत्तनम । **भारतीय टीम यहां इंग्लैंड के खिलाफ शुरु हो रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में जीत के साथ ही सीरीज में वापसी करने उतरेगी। भारतीय टीम को पहले ही टेस्ट में हार का सामना करना पड़ा था। जिससे वह सीरीज में 1-0 से पीछे है। इस मैच में भारतीय टीम को ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा और केएल राहुल के बिना उतरना होगा। ऐसे में युवा सरफराज खान और रजत पाटीदार को खेलने का अवसर मिल सकता है।**

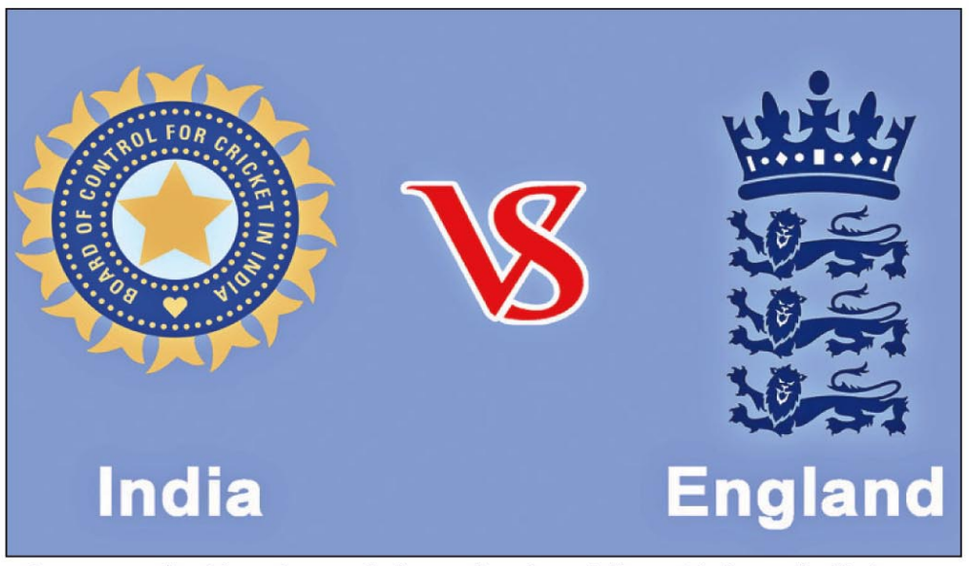

भारतीय टीम पहले मैच में इंग्लैंड के गेंदबाजों का सामना नहीं कर पायी थी। ऐसे में इस मैच में भारतीय बल्लेबाज मेहमान टीम के स्पिनरों के खिलाफ कोई गलती नहीं करना चाहेंगे। इसी कारण टीम ने जमकर अभ्यास भी किया था। भारतीय बल्लेबाजों को नेट्स में परंपरागत शॉट्स के साथ स्वीप शॉट और रिवर्स स्वीप शॉट भी अभ्यास करते देखा गया था। अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली इस मैच में भी नहीं खेलेंगे, वहीं जडेजा और राहुल बाहर हो गये हैं। इस प्रकार कुल तीन अहम खिलाड़ियों की कमी युवा खिलाड़ियों को पूरी करनी होगी। इससे भारतीय बल्लेबाजी लाइनअप में बदलाव देखा जाएगा। इन हालातों में पाटीदार, सरफराज और वाशिंगटन सुंदर के पास अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर है।

इस मैच में श्रेयस अय्यर और शुभमन गिल को भी रन बनाने होंगे, पिछले कुछ समय से ये दोनो ही लय में नहीं हैं। इसके अलावा कप्तान रोहित को अपनी पारी को मैच जिताने वाली पारी में बदलना होगा। रोहित शर्मा चार हजार टेस्ट रन पूरे करने से 200 रन दूर हैं और प्रशंसकों को उम्मीद है कि वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए इस मैच में ये उपलब्धि हासिल कर लेंगे।

भारतीय टीम ने विशाखापत्तनम में पहले भी दो टेस्ट खेले हैं और यहां उसका रिकॉर्ड शानदार रहा है। ऐसे में उसका पलड़ा भारी नजर आ रहा है। दूसरी ओर पहला टेस्ट जीतकर इंग्लैंड की टीम का मनोबल भी बढ़ा हुआ है और वह इस मैच में भी पूरे उत्साह से उतरेगी हालांकि प्रमुख स्पिनर जैक लीच के नहीं होने से उसे झटका लगा है। ऐसे में टीम युवा स्पिनर शोएब बशीर को उतार सकती है।

तेज गेंदबाज के तौर पर उसके पास मार्क वुड और जेम्स एंडरसन जैसे गेंदबाज हैं। पहले टेस्ट में भारतीय बल्लेबाजी को धवस्त करने वाले स्पिनर टॉम हार्टले इस मैच में भी वही प्रदर्शन दोहराना चाहेंगे।

जहां तक बल्लेबाजी की बात है टीम के पास जो रुट जैसा अनुभवी बल्लेबाज है। पहले टेस्ट में नाबाद शतक लगाकर मैच को अपनी टीम की ओर मोड़ने वाले ऑली पोप इस मैच में भी जबरदस्त प्रदर्शन करना चाहेंगे। ऑली की पारी से ही इंग्लैंड टीम को पहले मैच में जीत मिली थी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

भारत : रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर, रजत पाटीदार, के एस भरत (विकेटकीपर), आर अश्विन, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रित बुमरा और मोहम्मद सिराज

इंग्लैंड : बेन स्टोक्स (कप्तान), जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, जॉनी बेयरस्टो, बेन फॉक्स (विकेटकीपर), टॉम हार्टले, शोएब बशीर, मार्क वुड और जेम्स एंडरसन।

राष्ट्रीय पैदल चाल चैंपियनशिप

पंजाब की मंजू ने 10 किमी स्पर्धा का जीता स्वर्ण, ओलंपिक में खेलने का है सपना

चंडीगढ़। पंजाब की मंजू रानी ने राष्ट्रीय ओपन रेस वॉक (पैदल चाल) चैंपियनशिप में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए यहां सीनियर महिलाओं की 10 किलोमीटर (किमी) प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। महिलाओं की 20 किमी स्पर्धा में स्वर्ण जीतने के एक दिन बाद उन्होंने 10 किमी स्पर्धा में अपना दबदबा बनाया। इस जीत से उन्होंने 2024 ओलंपिक खेलों में पहली बार शामिल मिश्रित रिले पैदल चाल की टीम में जगह बनाने का अपना दावा मजबूत किया। मंजू ने 45 मिनट और 20 सेकंड के समय के साथ 10 किमी स्पर्धा का शीर्ष स्थान हासिल किया।

सीनियर 10 किमी पैदल चाल स्पर्धा को भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) द्वारा राष्ट्रीय टीम के लिए संभावित एथलीटों का चयन करने के लिए कार्यक्रम में शामिल किया है। इसमें प्रदर्शन के आधार पर चयन होने वाली टीम अप्रैल में तुर्की में आयोजित होने वाली मैराथन पैदल चाल मिश्रित रिले में चुनौती पेश करेंगी। इस प्रतियोगिता की शीर्ष 22 टीमें पेरिस ओलंपिक के लिए सीधे क्वालिफाई करेगी।

पुरुषों में साहिल ने मारी बाजी

पुरुषों के 10 किमी स्पर्धा में पंजाब के साहिल ने अनुभवी खिलाड़ियों को पछाड़कर स्वर्ण पदक हासिल किया। साहिल ने 39 मिनट 25 सेकंड का समय लिया। उत्तराखंड के परमजीत सिंह बिष्ट 39 मिनट 36 सेकंड के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि एशियाई कांस्य पदक विजेता दिल्ली के विकास सिंह 39 मिनट 37 सेकंड के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहे। गोवा के ओंकार विश्वकर्मा ने पुरुषों के 35 किमी स्पर्धा में स्वर्ण पदक दो घंटे 39 मिनट और 19 सेकंड के समय के साथ जीता। वहीं, महिला वर्ग में उत्तर प्रदेश की बंदना पटेल ने 35 किमी स्पर्धा में तीन घंटे 11 मिनट छह सेकंड के समय के साथ स्वर्ण अपने नाम किया।

भारतीय हालातों में विकेटकीपिंग करना होता है मुश्किल : फोक्स

विशाखापत्तनम । **इंग्लैंड के युवा विकेटकीपर बल्लेबाज बेन फोक्स ने कहा है कि भारत में स्पिनरों की सहायक पिचों पर विकेटकीपिंग करना आसान नहीं है। इसके लिए विकेटकीपर को अलग तरीके से सोचने की जरुरत होती है क्योंकि गेंद अचानक ही टर्न लेने लगती है। फोक्स ने भारतीय टीम के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में अच्छी विकेटकीपिंग करते हुए दूसरी पारी में रविचंद्रन अश्विन और मोहम्मद सिराज को स्टंप किया था। फोक्स ने कहा, 'इस तरह के हालातों में आपको कुछ अलग सोचने का प्रयास करना होता है और सीखना होता है क्योंकि मेरे लिए ये स्वाभाविक हालात नहीं हैं।**

उन्होंने कहा, 'मैंने इंग्लैंड के बाहर काफी विकेटकीपिंग की है और स्पिनरों के खिलाफ भी विकेटकीपिंग की है पर मुझे लगता है कि असमान उछाल के कारण भारतीय पिचों पर विकेटकीपिंग करना सबसे मुश्किल होता है। उनका कहना है कि आने वाला मैच और भी कठिन रहेगा। उनके अनुसार विकेट के टर्न लेने और स्पिनरों की सहायक पिचों पर भारत में विकेटकीपिंग काफी मुश्किल होती है। इंग्लैंड ने 2021 में भारत के अपने पिछले दौरे पर भी पहला टेस्ट जीता था पर इसके बाद पूरी तरह स्पिनरों की अनुकूल पिचों पर उसे आने वाले मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा था।

खेलो इंडिया यूथ ग्रेमस

महाराष्ट्र फिर बना विजेता, मेजबान तमिलनाडु उपविजेता और हरियाणा तीसरे स्थान पर रहा

चेन्नई। खेलो इंडिया यूथ खेलों में गत विजेता महाराष्ट्र ने एक बार फिर अपना वर्चस्व स्थापित करते हुए ओवरऑल चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया है। महाराष्ट्र ने 57 स्वर्ण, 48 रजत और 53 कांस्य पदक जीते। मेजबान तमिलनाडु ने हरियाणा को पीछे छोड़ते हुए दूसरा स्थान हासिल किया। तमिलनाडु ने 38 स्वर्ण, 21 रजत और 39 कांस्य समेत कुल 98 पदक जीते, जबकि गत उपविजेता हरियाणा को इस बार तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। उसने 35 स्वर्ण, 22 रजत और 46 कांस्य पदक जीते। खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने समापन समारोह के मौके पर इन तीनों राज्यों को ट्रॉफियां प्रदान कीं।

4454 एथलीटों ने की शिरकत

खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि यह गौरव की बात है कि 26 खेलों में 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के कुल 4454 एथलीटों ने इनमें भाग लिया। अच्छी बात यह रही कि प्रतिभागियों में लड़के (2307) और लड़कियों (2147) की संख्या लगभग बराबर रही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दुनिया में देश को खेलों का पावरहाउस बनाना चाहते हैं। इन खेलों के जरिए इस सपने को साकार करने का प्रयास हो रहा है।

30 मीट रिकॉर्ड बने

इन खेलों के दौरान कुल 30 मीट और राष्ट्रीय यूथ रिकॉर्ड बने। 22

रिकॉर्ड वेटलिफ्टिंग में और 8 रिकॉर्ड एथलेटिक्स में स्थापित किए गए। हरियाणा के सात और महाराष्ट्र के छह खिलाडियों ने रिकॉर्ड स्थापित किए। रोहतक (हरियाणा) की वेटलिफ्टर संजना ने 76 भार वर्ग में पांच रिकॉर्ड स्थापित किए। हांगझोऊ एशियाई खेलों में खेलने वाली तेलंगाना की तैराक वृति अग्रवाल ने पांच स्वर्ण पदक जीते। इन खेलों में एशियाड में स्वर्ण जीतने वाली तीरंदाज अदिति स्वामी ने भी भाग लिया।

महिला खिलाड़ियों के साथ भेदभाव पर बोलने वाली दिव्या की सफाई- मुझे इसका चेहरा नहीं बनना

नई दिल्ली । **भारतीय शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख ने उनके साथ हुए भेदभाव के मामले पर सफाई जाहिर की है। दिव्या ने नीदरलैंड के विज्क आन जी में हाल ही में संपन्न टाटा स्टील मास्टर्स में उनके साथ हुए भेदभाव का खुलासा किया था। इसके बाद वह चर्चा में आ गईं। अब उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए साफ किया है कि वह एक खिलाड़ी के रूप में अपनी पहचान बनाना पसंद करती हैं।**

वह महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव के खिलाफ आवाज का चेहरा नहीं बनना चाहती हैं। दिव्या ने आरोप लगाया था कि उन्हें टाटा स्टील मास्टर्स प्रतियोगिता में दर्शकों से लैंगिक व्यवहार सहना पड़ा। उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट के दौरान दर्शकों ने उनके बाल, कपड़े और उच्चारण जैसी अप्रासंगिक चीजों पर ध्यान केंद्रित किया। अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में दिव्या ने लिखा मैं एक आखिरी स्पष्टीकरण जोड़ना चाहूंगी क्योंकि मैंने जो कहा है उसे बड़े स्तर पर प्रचारित किया जा रहा है, मैं अपने मामले में लैंगिक भेदभाव शब्द को बढ़ावा देने के साथ जुड़ना नहीं चाहूंगी। मेरी इसका चेहरा बनने की इच्छा नहीं है, बल्कि मैं महिला शतरंज और विशेष रूप से युवा लड़कियों और जूनियर्स के लिए एक एंबेसडर बनने की इच्छा है, जो मेरी तरह शीर्ष शतरंज खिलाड़ी बनने की आकांक्षा रखती हैं। मेरा एकमात्र उद्देश्य महिला शतरंज खिलाड़ियों के लिए बेहतर माहौल सुनिश्चित करना और जागरूकता लाना है।

नागपुर की 18 वर्षीय अंतर्राष्ट्रीय मास्टर, जिन्होंने पिछले साल एशियाई महिला शतरंज चैंपियनशिप जीती थी। उन्होंने एक लंबी सोशल मीडिया पोस्ट साझा की, जिसमें उन्होंने विज्क आन जी में अपने अप्रिय अनुभव के बारे में विस्तार से बताया। दिव्या ने बताया कि महिला खिलाड़ियों को नियमित रूप से भेदभाव का सामना करना पड़ता है।

देशमुख ने कहा, मैं कुछ समय से इस पर बात करना चाह रही थी, लेकिन अपने टूर्नामेंट के खत्म होने का इंतजार कर रही थी। मुझे बताया गया और मैंने खुद भी देखा कि शतरंज में महिलाओं को अक्सर दर्शक कैसे हल्के में लेते हैं। व्यक्तिगत स्तर पर इसका सबसे ताजा उदाहरण इस टूर्नामेंट में दिखा, मैंने कुछ मैच खेले जो मुझे लगा कि काफी अच्छे थे और मुझे उन पर गर्व है। उन्होंने एक इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, मुझे लोगों ने बताया कि कैसे दर्शकों को खेल में कोई रुचि नहीं थी, बल्कि उन्होंने दुनिया की हर संभव चीज पर ध्यान केंद्रित किया: मेरे कपड़े, बाल, उच्चारण और हर दूसरी अप्रासंगिक चीज। टाटा स्टील मास्टर्स में देशमुख 4.5 के स्कोर के साथ चैलेंजर्स वर्ग में 12वें स्थान पर रहीं। उन्होंने कहा कि जहां पुरुष खिलाड़ियों को पूरी तरह से उनके खेल के लिए स्पॉटलाइट मिल रही थी, वहीं महिलाओं को उन पहलुओं के लिए आंका गया, जिनका शतरंज बोर्ड पर उनकी क्षमता से कोई लेना-देना नहीं था। यह सुनकर मैं काफी परेशान हुई और मुझे लगता है कि यह दुखद सच्चाई है कि जब महिलाएं शतरंज खेलती हैं तो लोग अक्सर इस बात को नजरअंदाज कर देते हैं कि वे वास्तव में कितनी अच्छी हैं, वे जो खेल खेलती हैं और उनकी ताकत क्या है। मैं यह देखकर काफी निराश हुई कि मेरे साक्षात्कारों में (दर्शकों द्वारा) मेरे खेल को छोड़कर हर चीज के बारे में चर्चा की गई, बहुत कम लोगों ने इस पर ध्यान दिया और यह काफी दुखद बात है। मुझे लगा कि यह एक तरह से अनुचित है क्योंकि अगर मैं किसी व्यक्ति के साक्षात्कार में जाऊंगी तो व्यक्तिगत स्तर पर खेल और खिलाड़ी के बारे में वास्तविक प्रशंसा कम होगी।

प्राकृतिक तरीकों से करें जुकाम का उपचार

सर्दियों में नजला-जुकाम होना आम है, पर इससे निजात पाना कई बार आसान नहीं होता।

कुछ घरेलू उपचार के तरीके

सुहागे को तवे पर फुला कर बारीक पीस कर शीशी में भर लें।

नजला-जुकाम होने पर आधा ग्राम (बच्चों के लिए आधी मात्रा) गरम पानी के साथ दिन में तीन बार लें। पहले दिन से आराम आना शुरु हो जाएगा।

विशेष: सुहागे को फुलाने या खील बनाने के लिए सुहागे को बारीक कूट कर लोहे को स्वच्छ कड़ाही में या तवे पर डालें और तेज आंच में इतना पकाएं कि पिघलने के पश्चात् सूख जाए। यह धीरे-धीरे फूलने लगेगा। फूलने के बीच लोहे की छुरी से इसे उलट-पुलट करते रहें। सारा सुहागा फूलने के बाद पीस लें।

काली मिर्च और बताशा

सात काली मिर्च और सात बताशे पाव भर जल में पकाएं। चौथाई रहने पर इसे गरमागरम पी लें और सारा शरीर ढ़क कर दस मिनट तक लेट जाएं। सुबह खाली पेट और रात सोते समय दो दिन प्रयोग करें। जुकाम के अलावा खांसी, हल्की हरारत और शरीर के दर्द में भी आराम मिलता है। ज्वर सहित जुकाम होने पर सात तुलसी की पत्तियां भी काढ़ा बनाते समय डाल दें और यह काढ़ा दिन में दो बार लें।

तुलसी की चाय

ताजा तुलसी की पत्तियां 7 से 11 तक (अथवा छाया में सुखाई गई तुलसी की पत्तियों का चूर्ण एक ग्राम या चौथाई चम्मच), ताजा अदरक दो ग्राम (या सूखी सौंठ का चूर्ण आधा ग्राम), काली मिर्च (कुटी हुई) सात नग-तीनों वस्तुओं को 200 ग्राम उबलते हुए पानी में दो मिनट उबालें। फिर नीचे उतारकर दो मिनट ढ़क दें। अब छानकर इसमें उबला हुआ दूध 100 ग्राम और मिश्री या चीनी एक-दो चम्मच डालकर गरम-पी लें। पांच-दस मिनट सो जाएं। इससे सर्दी का सिर दर्द, नाक में सर्दी, जुकाम, श्वास नली में सूजन एवं दर्द (ब्रोनकाइटिस), साधारण बुखार, मलेरिया, बदहजमी आदि रोग दूर होते हैं। बच्चों को चाय में आधी मात्रा दें। दिन में दो बार आवश्यकतानुसार दो-तीन दिन लें। गले के रोगों और श्वसन प्रणाली की झिल्ली पर स्वास्थ्यकर प्रभाव डालने की तुलसी में अदभुत क्षमता है। जमा हुआ कफ ढ़ीला होकर निकल जाता है।

जुकाम में नाक बंद होना

10 ग्राम अजवायन को एक साफ कपड़े की पोटली में बांध कर तवे पर गर्म कर लें। फिर इसे बार-बार सूंघने से जुकाम में आराम होता है, बंद नाक खुल जाती है, गंदा पानी निकल जाता है व सिर का भारीपन मिट जाता है।

छाती का दर्द/पसली चलना

अजवायन एक चम्मच को 250 ग्राम पानी में उबालें, चौथाई शेष रहने पर काढ़े को छान कर रात को पीकर सो जाएं। दिन में दो बार नियमित पीने से 5-7 दिन में छाती का दर्द नष्ट होता है। यह काढ़ा दो चम्मच की मात्रा से दिन में दो बार कुछ दिन देने से पसली चलना भी ठीक होता है।

कड़वा करेले के कई फायदे

करेले के कड़वेपन की वजह से भले ही ज्यादा लोग इसे नापसंद करते हों लेकिन इसमें कई एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन होते हैं जो हमें निरोगी बनाए रखने में खासे मददगार साबित हो सकते हैं। इसमें अधिक मात्रा में विटामिन-ए, बी और सी होते हैं। यह कैरोटीन, बीटाकैरोटीन, लूटीन, आयरन, जिंक और मैगनीशियम से भरपूर होता है। इससे चेहरे के दाग-धब्बे, मुंहासे व त्वचा रोगों में लाभ होता है।

क्या है ये हाइलेंडर सिंड्रोम

हाइलेंडर सिंड्रोम सुनने में तो बाकी अजीब बीमारियों की ही तरह लगता है, लेकिन ये सिंड्रोम बड़ा ही अजीब और विरला है। इस सिंड्रोम से पीड़ित किसी व्यक्ति की उम्र बेहद ज्यादा हो जाने के बाद भी वह किसी बच्चे जैसा ही दिखाई पड़ता है। हालांकि हाइलेंडर सिंड्रोम पर अभी भी शोध हो रहे हैं और इसके बारे में अधिक जानकारी जुटाने का प्रयास किया जा रहा है। कोरिया के ह्योमिन शिन हाइलेंडर सिंड्रोम से पीड़ित हैं।

स्वास्थ्य की कुंजी है आपके हाथों में

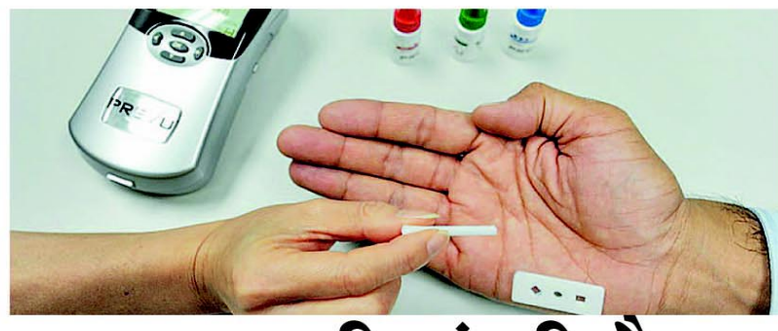

आज की तेज रफ्तार जीवनशैली में खुद को स्वस्थ रखना बहुत जरूरी हो गया है। आप कुछ मूलभूत बातें ध्यान में रखें और समय-समय पर डॉक्टर से रूटीन चेकअप कराते रहें तो कई बीमारियों से सुरक्षित रह सकते हैं।

स्वस्थ शरीर के कुछ मूलभूत पैमाने होते हैं, जिन्हें परख कर आप अपने स्वास्थ्य की जांच कर सकते हैं और भविष्य में होने वाली किसी बड़ी बीमारी या उसके खतरे से खुद को बचाए रख सकते हैं।

कितना हो आपका वजन

किसी भी व्यक्ति का आदर्श वजन उसके मसल्स, मोटापे आदि पर निर्भर करता है। आदर्श वजन होने का अर्थ यह नहीं है कि हर स्थिति में व्यक्ति के शरीर का वजन भी एक जैसा रहे, बल्कि समय व परिस्थिति के मुताबिक वजन में परिवर्तन होते रहना स्वाभाविक है। आदर्श वजन में आपकी उम्र और लंबाई के आधार पर आपका कुछ निश्चित वजन होना चाहिए।

शोध के अनुसार

आपके आदर्श वजन के लिए अंतराराष्ट्रीय मानक बीएमआई यानी बॉडी मास इंडेक्स को माना जाता है। इसके अनुसार एक स्वस्थ व्यक्ति के लिए 23 से 30 बीएमआई तक रखा गया है। 23 से कम अंडरवेट और 30 से अधिक बीएमआई को ओवरवेट की श्रेणी में रखा गया है। अंडरवेट यानी कम वजन होने पर आपके पूरे शरीर की कार्यशैली पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। याददाश्त कम होती है। शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता क्षीण हो जाती है। ओवरवेट होने की स्थिति में मोटापा, हृदय रोग, कोलेस्ट्रॉल का बढ़ना, उच्च रक्तचाप, जोड़ों में दर्द और लिवर पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

हीमोग्लोबिन की कमी

हमारे शरीर में हीमोग्लोबिन का सही स्तर होना बहुत जरूरी है। हीमोग्लोबिन की कमी से आप एनीमिया और कुपोषण की चपेट में आ सकते हैं। महिलाओं में हीमोग्लोबिन का स्तर 12 से 16 के बीच होना चाहिए, जबकि पुरुषों में 14 से 18 के बीच। शरीर में हीमोग्लोबिन के निर्माण का कार्य आयरन ही करता है, जो शरीर के अंगों को सुडौल और शरीर को स्वस्थ रखता है। इसलिए शरीर में आयरन संतुलित मात्र में होना चाहिए। आयरन की कमी या अधिकता दोनों ही शरीर के लिए हानिकारक साबित हो सकती हैं। हीमोग्लोबिन की कमी से थकान होना, सांस फूलना, हाथ-पैरों में सूजन आदि की समस्या होती है। इससे रोगप्रतिरोधक क्षमता कम होती है और एनीमिया हो सकता है।

कोलेस्ट्रॉल का नियंत्रण जरूरी

शरीर में अतिरिक्त चर्बी जहां नुकसान देती है, वहीं वसा की कमी के कारण कई सेल्स और हार्मोस बनने बंद भी हो सकते हैं। हमारे शरीर में दो तरह के कोलेस्ट्रॉल होते हैं, जिन्हें गुड कोलेस्ट्रॉल यानी एचडीएल और बैड कोलेस्ट्रॉल यानी एलडीएल की श्रेणी में रखा गया है। एक स्वस्थ व्यक्ति के शरीर का एलडीएल 130 से नीचे और एचडीएल महिला में 40 से ज्यादा और पुरुष में 50 से ज्यादा होना चाहिए।

रक्तचाप रहे नियंत्रित

स्वस्थ व्यक्ति का रक्तचाप नियंत्रण में रहना बहुत जरूरी है। स्वस्थ शरीर का ऊपरी रक्तचाप यानी सिस्टोलिक 130 और नीचे का रक्तचाप यानी डाइस्टोलिक 80 होना चाहिए। ये दोनों रक्तचाप कम या ज्यादा हों तो उच्च या निम्न रक्तचाप की स्थिति होती है।

ध्यान दें

उच्च रक्तचाप की स्थिति में व्यक्ति को हाइपरटेंशन, हार्ट प्रॉब्लम, किडनी रोग, नर्व सिस्टम पर बुरा असर, मस्तिष्क पर प्रतिकूल प्रभाव, आई साइट कम होना और सिरदर्द जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। निम्न रक्तचाप में घबराहट, पसीना आना, कमजोरी, सिरदर्द, चक्कर आने जैसी समस्याएं दिखती हैं।

सही पॉश्चर दूर कर सकता है आपके दर्द

जो लोग कम्प्यूटर पर लगातार काम करते हैं, उन्हें अमूमन बैक पेन, कलाई या कमर के दर्द की शिकायत हो जाती है। ऐसा न हो, इसके लिए जरूरी है कि कुछ सावधानियां बरती जाएं।

कुर्सी से चिपकी रहे पीठ

कम्प्यूटर के सामने बैठते वक्त हमारी पीठ एकदम सीधी हो। खासतौर से हमारी रीढ़ की हड्डी। वह कुर्सी से पूरी तरह से चिपकी हुई हो। कुर्सी पर इस तरह से बैठें कि रीढ़ की हड्डी और कुर्सी के बीच जगह न बचे। कोशिश करें कि हिप्स तक का हिस्सा कुर्सी से चिपका हुआ हो।

स्ट्रेट गर्दन, स्ट्रेट चेहरा

हमारी गर्दन भी स्ट्रेट होनी चाहिए। कई लोग गर्दन को आगे की ओर निकाल लेते हैं, यह गलत है। गर्दन कंधों से ऊपर होनी चाहिए। कई लोग गर्दन को कंधे के बीच में धंसा लेते हैं। यह भी गलत है, इससे भी समस्या हो सकती है। इसी तरह से यह भी ध्यान रखें कि चेहरा बाहर की ओर निकला हुआ न हो। चेहरा सामान्य अवस्था में होना चाहिए। अगर चेहरा कंधों से बाहर निकला है तो गर्दन पर दबाव पड़ेगा, जो अच्छा नहीं है।

सीधी रखें अपनी कलाई

अगर आप कलाई के दर्द से बचना चाहते हैं तो कोशिश करें कि हाथ माउस या कीबोर्ड की दिशा में एकदम सीधा हो। अगर आप उसे कोहनी से मोड़कर रखेंगे तो आपकी कलाई में दर्द होने की पूरी संभावना है।

फुटरेस्ट पर रखें पैर

ये भी कोशिश करें कि आपकी कुर्सी के आगे फुट सपोर्ट या सपोर्टिंग स्टूल हो, जिस पर आप पैरों को फैला कर रख सकें। पैरों को 90 डिग्री के कोण पर रखते हुए काम करने से पैरों में दर्द हो सकता है।

शरीर के पास रखें हाथ

हाथ और कोहनी को शरीर के पास रखें, ताकि शरीर को पूरा सपोर्ट मिल सके। शरीर और हाथ के बीच दूरी होगी तो मांसपेशियों में दर्द हो सकता है

स्टैमिना की स्पेशल डायट

मॉडर्न लाइफस्टाइल में चाहे कामकाजी युवा हो, स्टुडेंट हो या हाउसवाइफ सब शरीर की औसत शक्ति से ज्यादा मेहनत करते हैं। इसीलिए एक्स्ट्रा स्टैमिना की जरूरत होती है। एक्स्ट्रा स्टैमिना तब मिलता है, जब हम उसके लिए स्पेशल डायट लें। जो लोग इस पहलू को नहीं समझते, वे कई तरह की शिकायतों का सामना करते हैं। मसलन छोटे-छोटे काम करके ही थक जाते हैं। सीढ़ियां चढ़ने पर सांस चढ़ने लगती है। कई बार समस्या इतनी बढ़ जाती है कि लोग अचानक से चक्कर खाकर गिर जाते हैं या बेहोश हो जाते हैं। ऐसी कौन -सी चीजें हैं, जिन्हें नियमित रूप से खाने से हमारी स्टैमिना पावर बढ़ जाती है।

विटामिन सी

ऐसे फलों का नियमित सेवन करना चाहिए, जिनमें विटामिन सी पाया जाता हो। एक्सपर्ट मानते हैं कि अंगूर ऐसे फलों में बेस्ट हैं। अंगूर से न सिर्फ शरीर में एनर्जी बनती है, बल्कि दिन भर एनर्जी का संतुलित लेवल शरीर में बना रहता है।

विटामिन बी: अनाज तो हम सब खाते हैं। अगर हम ऐसे अनाज खायें, जिनमें विटामिन बी अच्छी मात्रा में हो तो हमारा स्टैमिना और अच्छा हो सकता है।

गेहूं की घास: दूध में गेहूं की छोटी घास मिला कर खाएं तो यह भी हेल्दी नाश्ता माना जाता है। कहते हैं कि इसमें सब्जियों के मुकाबले 25 गुना अधिक पौष्टिक तत्व होते हैं।

ओट

ओट का सेवन हम सुबह या शाम के नाश्ते में कर सकते हैं। ओट पानी या दूध के साथ मिला कर खाया जाता है।

मूंग की दाल

मूंग की दाल हम उबाल कर या तल कर खा सकते हैं। इसे स्प्राउट के रूप में भी खा सकते हैं। इसका सूप बना कर पी सकते हैं।

स्क्वैश

फलों से बने स्क्वैश पीने से भी शरीर में हारमोंस और ब्लड शुगर का लेवल ठीक रहता है। स्क्वैश और जूस में यह अंतर होता है कि जूस केवल रस होता है, जबकि स्क्वैश में फलों का पल्प भी होता है, जिससे ये ज्यादा पौष्टिक होते हैं।

बेहद खतरनाक है फोबिया

यदि आपका डर आपके लिए सजा बन जाए तो यह आपके लिए खतरे की बात है, क्योंकि आपको मात्र डर नहीं है बल्कि आप फोबिया से ग्रस्त हैं। फोबिया केवल डर ही नहीं, एक गंभीर बीमारी है, जो आपके पूरे जीवन को प्रभावित कर सकती है।

क्या है फोबिया?

फोबिया एक प्रकार का रोग है, जिसमें इंसान को किसी खास वस्तु, कार्य एवं परिस्थिति के प्रति भय उत्पन्न हो जाता है। इसमें व्यक्ति उन चीजों से बचने की कोशिश करता है। फोबिया में अपने डर की सोच भी व्यक्ति को इतना डरा देती है कि उसकी मानसिक व शारीरिक क्षमताओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसमें इंसान का डर वास्तविक या काल्पनिक दोनों हो सकते हैं। आमतौर पर किसी भी तरह के फोबिया से ग्रस्त रोगी अपने डर पर पर्दा डाले रहते हैं। उन्हें लगता है कि अपना डर दूसरों को बताने से लोग उन पर हंसेंगे। इसलिए वे अपने डर व उस परिस्थिति से सामना करने की बजाय बचने की हर संभव कोशिश करते हैं।

कैसे-कैसे फोबिया

चाइल्डहुड फोबिया

यह फोबिया बचपन से होने वाला फोबिया है। इसमें बचपन में ही किसी चीज, व्यक्ति, जानवर या परिस्थिति के प्रति डर बैठ जाता है, जो वक्त के साथ खत्म न होने पर फोबिया बन जाता है। यह डर या तो बच्चों में खुद होता है या कई बार अभिभावक ही बच्चों को अनुशासन में रखने के लिए किसी चीज से डरा देते हैं। वैसे तो यह डर उम्र के साथ खत्म हो जाता है, लेकिन कई बार जब यह डर बड़े होने पर भी नहीं जाता तो फोबिया का रूप धारण कर लेता है। इसलिए बच्चों को डराने की बजाय प्यार से समझाने की कोशिश करें।

एडल्टहुड फोबिया

कुछ डर वयस्क होने के बाद पैदा होते हैं। इनका प्रभाव सबसे ज्यादा यंग जनरेशन पर पड़ता है। एडल्टहुड फोबिया में कई तरह के फोबिया शामिल होते हैं।

एग्रोफोबिया

एग्रोफोबिया एक तरह का फोबिक डिसऑर्डर है, जो यह अपने साथ कई अन्य परेशानियां भी लाता है। इनमें डिप्रेशन, हर तरह की बेचैनी आदि प्रमुख हैं। एग्रोफोबिया में व्यक्ति को बिना किसी कारण के ही डर लगता है। यह डर किसी चीज, व्यक्ति, जानवर या परिस्थिति से जुड़ा हुआ न होकर खुद के प्रति ही होता है। एग्रोफोबिया का मरीज अकेलेपन से डरता है। वह भीड़ में खड़ा होकर भी खुद को अकेला ही महसूस करता है। वह कहीं अकेले जा नहीं सकता, अकेले रह नहीं सकता। उसे लगता है कि वह किसी भी परिस्थिति का सामना नहीं कर सकता। ऐसे लोगों का आत्मविश्वास न के बराबर होता है। ऐसे लोग अकेले बाहर न जा सकने के कारण खुद को घर में ही कैद कर लेते हैं।

फोबिया के लक्षण

फोबिया के रोगी आम लोगों की तरह ही दिखाई देते हैं। वैसे तो इस रोग का पता नहीं चल पाता है, लेकिन फोबिया के रोगियों का अपने डर से सामना होने और अपने डर के बारे में बात करने पर इसके लक्षण सामने आते हैं। आमतौर पर फोबिया के रोगी अपने डर से दूर ही रहते हैं, लेकिन अनजाने में अपने डर को अपने सामने देखकर उन्हें फोबिया का दौरा पड़ता है। ऐसे में उनमें तनाव, बेचैनी, पसीने आना, परिस्थिति या लोगों से दूर भागना, सिर में भारीपन, कानों में अलग-अलग आवाजें सुनाई देना, दिल की धड़कन बढ़ जाना, सांस तेज होना, डायरिया, चक्कर आना, शरीर में कहीं भी दर्द को महसूस करना, पेट खराब हो जाना, ब्लड प्रेशर बढ़ना या कम हो जाना जैसी दिक्कतें दिखाई देती हैं। फोबिया का दौरा पड़ने पर रोगी में इस तरह के लक्षण दिखाई देने लगते हैं। ऐसे में रोगी बहुत ज्यादा पेनिक हो जाता है। ऐसी स्थिति में रोगी के साथ किसी भी तरह की जबरदस्ती उसके लिए खतरनाक हो सकती है। जबरदस्ती करने से रोगी और भी ज्यादा पेनिक हो जाता है और उसका डर कोई भी भयंकर रूप ले सकता है।

उपचार

फोबिया के इलाज के लिए कोई एक खास ट्रीटमेंट नहीं होता है। हर मरीज का फोबिया और उसकी परिस्थिति अलग-अलग होती है, इसलिए फोबिया का इलाज भी मरीज और उसके डर के अनुरूप ही किया जाता है। डॉक्टर बताते हैं कि फोबिया के इलाज के लिए दवाएं, काउंसिलिंग, मनोवैज्ञानिक थेरेपी का इस्तेमाल किया जाता है। फोबिया के ट्रीटमेंट के लिए रोगी के थायरॉयड, ब्लड शुगर, डायबिटीज आदि की जांच करना भी जरूरी होता है।

कुछ आम फोबिक डर

- बंद जगह में डर लगना
- अंधेरे में डर लगना
- ज्यादा ऊंचाई वाली जगह में डर लगना
- भीड़भाड़ वाली जगह में डर लगना
- कहीं बाहर जाने का डर
- चूहा, छिपकली, मकड़ी जैसे छोटे-छोटे जीवों का डर
- मरने का डर
- बिजली की चमक, गड़गड़ाहट और तेज बारिश से डर
- पानी से डर

बड़े डर की आशंका खतरे को बढ़ा देती है

ब्रिटिश वैज्ञानिकों ने चिंता और डर के रहस्य को खोलने की कोशिश में कई महत्वपूर्ण बातों का पता लगाया है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, किसी भी तरह के खतरे पर दिमाग की प्रतिक्रिया खतरे की दूरी, दिशा और खतरे के अनुमान पर निर्भर होती है। रिसर्च में पता चला है कि दिमाग के भय नेटवर्क के विभिन्न हिस्से अलग-अलग खतरे पर अलग-अलग प्रतिक्रिया के लिए जिम्मेदार होते हैं। शोध टीम का नेतृत्व करने वाले डीन मोब्स का कहना है कि दिमाग में सिर्फ एक ढ़ांचा नहीं होता, बल्कि भय नेटवर्क के अलग-अलग अंग होते हैं और वे डर पर होने वाली प्रतिक्रिया को दिखाने के लिए मिलकर काम करते हैं। खतरे का गलत अंदाजा लगाने की भूल ही लोगों में फोबिया के बढ़ने का कारण होती है। किसी चीज, लोग, जानवर और परिस्थितियों से बेतुका, गहन और लगातार भय ही फोबिया कहलाता है। मोब्स का कहना है कि बड़े डर की आशंका ही दिमाग में खतरे के आकार को बढ़ा देती है।

सोशलफोबिया

युवाओं में पाया जाने वाला सबसे आम फोबिया है। इस फोबिया के शिकार आमतौर पर स्कूल और कॉलेज जाने वाले युवा होते हैं। सोशल फोबिया के शिकार लोग किसी भी सार्वजनिक स्थान पर जाने से, वहां बोलने से, वहां खाने से भी डरते हैं। इस फोबिया में सबसे ज्यादा स्पीचिंग कम्यूनिकेशन की समस्या होती है।

मोनो जाइगोटिक ट्वीन्स फोबिया

यह एक तरह का जेनेटिक फोबिया होता है, जो जुड़वा बच्चों को ही होता है। इसमें अगर एक बच्चा किसी फोबिया का शिकार है तो दूसरा बच्चा भी उसी फोबिया से ग्रस्त होगा। सभी ट्वीन्स के साथ ये समस्या नहीं होती है, लेकिन फिर भी आमतौर पर ट्वीन्स के साथ इस तरह की शिकायत देखी गई है।

रेसिपी

कोकोनट पछड़ी

सामग्री

3/4 कप ताजा दही, फेंटा हुआ
1/3 कप ताजा कसा हुआ नारियल
2 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च
1/2 टी-स्पून बारीक कटा हुआ अदरक
नमक स्वादअनुसार
2 टी-स्पून नारियल का तेल/ अन्य तेल
1/4 टी-स्पून सरसों
7 से 8 कड़ी पत्ते

विधि

दही, नारियल, हरी मिर्च, अदरक और नमक को साथ में परोसने के बाउल में अच्छी तरह मिला लें। एक तरफ रख दें। तड़के के लिए, एक छोटे पॅन में तेल गरम करें और सरसों डालें। जब बीज चटकने लगे, कड़ी पत्ते डालकर, मध्यम आंच पर कुछ सेकन्ड तक भुन लें। तड़के को दही-नारियल के मिश्रण के उपर डालकर अच्छी तरह मिला लें। तुरंत परोसें।

गौंद के लड्डू

सामग्री

3 टेबल-स्पून गौंद
4 1/2 टेबल-स्पून घी
1 1/4 कप गेहूं का आटा
1/2 कप पीसी हुई शक्कर
1/2 टी-स्पून इलायची पाउडर
घी, तलने के लिए

विधि

एक चौड़े नॉन-स्टिक पॅन में 31/2 टेबल-स्पून घी गरम करें, गेहूं का आटा डालकर, मध्यम आंच पर, लगातार हिलाते हुए 6 मिनट तक भुन लें। पुरी तरह ठंडा करने के लिए रख दें। एक गहरी नॉन-स्टिक कढ़ाई में तलने के लिए घी गरम करें और गौंद के फूलने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज पर निकाल लें। पीसी हुई शक्कर, तले हुए गौंद, इलायची पाउडर, बचा हुआ 1 टेबल-स्पून घी और भूने हुए आटे को एक गहरे बाउल मे अच्छी तरह मिला ले। मिश्रण को 15 भाग में बांटकर गोले बना लें। परोसें या हवा बद डब्बे में रखकर संग्रह करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**